दैनिक

नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर

3 राजधानी — रंग बिरंगे परिधानों और मुखौटों....

4 अभिव्यक्ति — झारखंड में अहंकार और नफरत...

9 मनोरंजन/व्यापार — बर्थडे वाले दिन फिर मामा बने...

11 खेल — पीसीबी ने झाड़ा अपना पल्ला...

www.navpradesh.com | बिलासपुर, शनिवार 28 दिसम्बर, 2019, शुक्लपक्ष-द्वितीया, विक्रम संवत-2075 वर्ष-05 अंक-256 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

इसे कहते है माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम। घुंघरू सेठ ने वोट कबाड़ने के लिए रियायतों की बौछार करने के साथ ही मुफ्तखोरी को बढ़ावा देने का अभियान भी छेड़ दिया है। तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा.... गाते हुए मुफ्तीलाल थोक के भाव में नित नई लोकलुभावन घोषणाएं किए जा रहे है। पहले तो महिलाओं को डीटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी और अब पुरूषों को भी डीटीसी की बसों में फोकट की यात्रा का फायदा देने की योजना बना रहे है। लगता है वे दिलवालों की दिल्ली को मुफ्तखोरों की दिल्ली बनाकर ही दम लेंगे।

खास खबर

खराब मौसम के कारण उपराष्ट्रपति नहीं जा सके ओडिशा

नई दिल्ली, (वार्ता)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू शुक्रवार को खराब मौसम के कारण ओडिशा में बोलंगीर की यात्रा पर नहीं जा सके। उपराष्ट्रपति भवन के सूत्रों के अनुसार श्री नायडू को आज ओडिशा के बोलंगीर में भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड के एलपीजी बोटलिंग संयंत्र का उद्घाटन करना था और स्थानीय राजेंद्र महाविद्यालय के प्लेटिनम जुबली समारोह में हिस्सा लेना था, लेकिन बोलंगीर में खराब मौसम के कारण उनके हेलिकाप्टर को रायपुर से उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिली।

सवा सौ करोड़ के पास है आधार

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में आधार कार्ड धारकों की संख्या 125 करोड़ के पार पहुँच गयी है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने शुक्रवार को बताया कि आधार परियोजना ने 125 करोड़ के आँकड़े को पार करके नई उपलिब्ध हासिल की है। देश के 125 करोड़ से ज्यादा लोगों के पास उनकी 12 अंकों की विशिष्ट पहचान उपलब्ध है।

सीएए: विरोध करना अधिकार है, लेकिन शांति से: इलयासी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के मुखिया इमाम उमर अहमद इलयासी ने नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में हो रहे हिंसक प्रदर्शनों को बंद करने की अपील की है। इलयासी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन करना आपका लोकतांत्रिक हथियार है, लेकिन यह शांतिपूर्ण ढंग से होने चाहिए। इलयासी ने कहा, 'मैं सभी नागरिकों से अपील करना चाहता हूं कि शांति बनाए रखनी चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय बन गया आदिवासी नृत्य महोत्सव, मांदर की थाप पर जमकर थिरके राहुल-भूपेश

सुबे की अलग पहचान, एक मंच पर सैकड़ों कलाकार कई संस्कृति और सभ्यता, यही अनेकता में एकता है

पहली बार एक मंच पर 39 जनजातियों की 43 से अधिक नृत्य शैलियां देखेगा प्रदेश

■ **तीन दिवसीय महोत्सव के उद्घाटन पर राहुल का आदिवासी परंपरा से हुआ अभिनंदन**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। प्रदेश का अनूठा और ऐतिहासिक आयोजन आज से तीन दिनों तक के लिए शुरु हुआ। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का भव्य शुभारंभ पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के हाथों हुआ। यह पहला मौका है जब एक मंच पर छत्तीसगढ़ समेत देश के सभी राज्यों की आदिवासी संस्कृति और परंपराओं से प्रदेश रूबरू होगा। राहुल ने कहा कि आज यहां सभी कलाकारों को अपनी संस्कृति और सभ्यता दिखाने का मौका इस मंच में मिलेगा। यहीं अनेकता में एकता की झलक दिखाई देगी। रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने किया। इस दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शामिल रहे। महोत्सव में भारतीय राज्यों के अलावा बांग्लादेश, श्रीलंका, थाईलैंड, यूगांडा, बेलारूस और मालदीव के कलाकार भी मौजूद हैं। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासी महोत्सव हो रहा है जहां आदिवासियों की बात होती है। छत्तीसगढ़ की सरकार को चलाने में आदिवासी की आवाज सुनी जाएं, उनकी बातें मानी जाएं। यहां सभी प्रदेशो के लोग आए है यह सरकार का अच्छा कदम है। देशभर के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पहले दिन 10 हजार दर्शक पहुंचे देखने

इस आयोजन को लेकर चार हजार दर्शकों की क्षमता वाला विशाल डोम तैयार किया गया था। इसमें दर्शकों के बैठने के साथ ही ग्रीन रूम, फूड जोन और शिल्प ग्राम भी सजाया गया है। तीन दिवसीय इस नृत्य महोत्सव की सफलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसके शुभारंभ दिवस पर ही 10 हजार से ज्यादा दर्शक आयोजन स्थल पर पहुंच गए थे। सुरक्षा व्यवस्था, बैठक व्यवस्था के अलावा महोत्सव का लुत्फ उठाने आने वालों के लिए विविध संस्कृतियों-सभ्यताओ से परिचित करवाने वाला इंतजाम किया गया है।

शौहरत का शामियाना

27 दिसंबर से 29 दिसंबर तक होने वाले छत्तीसगढ़ में पहली बार राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसने अब अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव का रूप ले लिया है। तीन दिवसीय इस नृत्य महोत्सव में देश के 25 राज्य और केंद्र शासित राज्यों के साथ ही 6 देशों के करीब 1350 से अधिक कलाकार अपनी जनजातीय कला संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे। इस महोत्सव में 39 जनजातीय प्रतिभागी दल 4 विभिन्न विधाओं में 43 से अधिक अपनी नृत्य शैलियों का प्रदर्शन करेंगे।

राहुल ने की भूपेश सरकार की तारीफ, बोले- छत्तीसगढ़ देश में उदाहरण

■ **नम्बर देना मेरा काम नहीं, राज्य की जनता सरकार को दे रही हैं नम्बर**

■ **मोदी सरकार की पॉलिसी को खड़ा किया कटघरे में बोले-देश का समय कर रहे बर्बाद**

■ **मीडिया से कहा, देश में बेरोजगारी बढ़ी, इकोनॉमी बर्बाद हो गई ऐसे में देश के लिए छग बना उदाहरण**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव कार्यक्रम से लौटते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने की मीडिया से बात की उन्होंने कहा कि आदिवासी नृत्य बहुत बढ़िया लगा। थोड़ी डांसिंग भी हो गई। सबकी आवाज गूंजनी चाहिए। केन्द्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि एनआरसी और एनपीआर पर कहा कि देश को बांटा जा रहा है। 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोगारी आज है। देश मे नरेंद्र मोदी की सरकार है, वे नही बता पा रहे हैं कि देश की इकोनॉमी की धज्जियां क्यो उड़ाई जा रही है? देश का समय बर्बाद किया जा रहा है। देश का 3 लाख 50 हजार करोड़ रुपये चुनिंदा 15 लोगों को दिया गया है। इस दौरान राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ सरकार की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था 9 से 4 प्रतिशत पर आ गई है। ऐसी स्थिति में छत्तीसगढ़ देश के लिए उदाहरण है। छत्तीसगढ़ सरकार को कितने नम्बर देंगे के सवाल पर उन्होंने कहा कि नम्बर देना मेरा काम नहीं वो जनता का काम और छ्त्तीसगढञ की जनता सरकार को लगातार नम्बर दे रही है। राहुल गांधी ने आदिवासियों को और अधिकार दिये जाने की वकालत करते हुए कहा कि हमें लगता है कि सिर्फ नृत्य के आयोजन में ही आपको शामिल नहीं किया जाना चाहिये, बल्कि आपके विचारों को भी शामिल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब, पाकिस्तान के 4 जवान ढेर

■ **पुंछ-राजौरी सेक्टर में पाक ने अचानक की गोलीबारी और बमबारी**

पुंछ (ए.)। भारतीय सेना से पाकिस्तान की ओर से सीजफायर के उल्लंघन का मुंहतोड़ जवाब देते हुए उसके 3-4 सैनिकों को मार गिराया है। गुरुवार रात पुंछ-राजौरी सेक्टर में एलओसी के नजदीक पाकिस्तान की तरफ से अचानक के गोलीबारी और बमबारी शुरू हो गई। पाकिस्तान की ओर से मोर्टार भी दागे गए। भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाया।

सैन्य सूत्रों का कहना है कि इस दौरान 3 से 4 पाकिस्तानी सैनिक भी ढेर हुए। भारत की ओर से दागे गए मोर्टार और भारी गोलाबारी में पाकिस्तानी ठिकानों को भी नुकसान पहुंचा है। इससे पहले बुधवार को पाकिस्तानी फायरिंग में भारत के एक जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद भारतीय सेना ने साफ किया कि अगर एलओसी पर भारत का एक भी सैनिक शहीद हुआ तो पाकिस्तान के कम से कम तीन जवान मारे जाएंगे। बुधवार को रामपुर सेक्टर (उरी के करीब) पाकिस्तान की ओर से संघर्षविराम का उल्लंघन किया गया था जिसमें सूबेदार वीराश कुरहाठी शहीद हो गए थे। एक स्थानीय महिला की मौत भी हुई। पाकिस्तानी सेना ने बारामुला जिले के कई सेक्टरों में कई नागरिक और रक्षा ठिकानों को हल्के हथियारों से भी निशाना बनाया था। तोपों से हुई गोलाबारी के कारण नियंत्रण रेखा के इस पार भीतरी इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों में खौफका माहौल पैदा हो गया।

देश को बर्बाद कर रही है भाजपा : प्रियंका

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी पर वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह जनता को गुमराह कर चरणबद्ध तरीके से संस्थानों को बर्बाद करने में जुट जाती है। श्रीमती वाड्रा ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि भाजपा सरकार व्यवस्थित तरीके से काम करती है और देश के संविधान को तबाह करती है। देश की जनता को गुमराह करती है और फिर उन्हें ही 'मूर्ख' बनाती है। उन्होंने कहा कि इस बार देश का युवा मैदान में डटा हुआ है और वह अपने अधिकारों के मामले में पीछे नहीं हटने वाला। उन्होंने कहा क्रोनोलोजी समझिए आप। पहले वो आपसे दो करोड़ नौकरियां का वादा करेंगे, फिर वो सरकार बनाएंगे, फिर वो आपकी यूनिवर्सिटीज बर्बाद करेंगे, फिर वो देश का संविधान बर्बाद करेंगे, फिर आप प्रोटेस्ट करेंगे, फिर वो आपको फूल बोलेंगे। लेकिन यंगिस्तान मैदान में डटा रहेगा।

त्वरित टिप्पणी

सुकांत राजपूत

3 घंटे में 3 दिन की तारीफ का महोत्सव...

सूबा-ऐ-सदर भूपेश बघेल की एक साल सरकार के कामकाज को मानों पंख लग गए...12 माह में 4 चिन्हारी के बाद 3 दिनी आदिवासी नृत्य महोत्सव का पहला दिन ही अगर सियासी नजरिए से तारीफ-ऐ-काबिल साबित हो तो फिर चिंता किस बात की। यह करिश्माई किस्मत फिलहाल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की निस्बत है। कांग्रेस की विरासत जिन्हें विरसे में मिली उस आला शख्सियत की ही दूरदर्शिता का नतीजा है। सूबे की सत्ता चार दिग्गजों में एक भूपेश बघेल को सौंपी गई। तुर्रा यह कि सालभर बाद उसी चुनिंदा शख्स के सामने सीएम भूपेश ने खुद को साबित कर दिया। सिर में सिंग का ताज और गर्दन में जड़ी-बूटी की माला पहने खुले गले से तारीफों के पुल बांध गए राहुल गांधी। कमोबेश..तारीफ के हकदार सूबा-ऐ-सदर की सियासी मशक्कत का ही यह नतीजा है कि उनकी चार चिन्हारी देर से ही सहीं पर ग्लोबल वार्मिंग के मुहाने में बैठे राज्यों और देशों को भी भा गया है। अकेले ही सड़क की लड़ाई लड़कर सियासी तब्दीली लाने वाले, किसी जिद्दी किसान की तरह बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने के लिए तत्पर भूपेश ने प्रदेश में पार्टी में प्राण फूंके। उनका भोला छत्तीसगढ़िया की ईमानदारी, अनुशासन वाला चरित्र सर्वत्र सराहा जाता रहेगा। परंपरा, संस्कृति को सहेजने वाला उनका अनेकता में एकता वाला भाव सबके सामने आ गया है। अब प्रदेश के विकास और युवाओं के लिए उनकी कार्ययोजना का नए साल से असर सब देखेंगे। फिलहाल आज राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव को अंतर्राष्ट्रीय कुव्वत का बन जाने से सिर्फ सूबे में ही नहीं बल्कि बर्रे-सगीर में शोहरत दिलाएगा। मियादी महोत्सव में बेमियादी खुशियों का तब कोई ठिकाना नहीं रहा जब राहुल गांधी, पीसीसी चीफ मोहन मरकाम और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एक साथ मांदर की थाप में जमकर थिरके। यह नजारा सिर्फ तीन सियासतदाओं के खुशी में उठते कदम नहीं बल्कि दिल्ली, छत्तीसगढ़ और हमारी आदिवासी संस्कृति का समावेश था। दिल्ली रवानगी से पहले मीडिया से रूबरु राहुल गांधी ने जिस तरह भूपेश सरकार को नंबरों में कैद करने की बजाए सीधे केंद्र और छग.की राज्य सरकार की तुलना कर तारीफ किये वह उनके लिए भी सबक है जो गाहे-ब-गाहे खुद को अव्वल बताने बेकरार रहते हैं। खैर..सियासत में शोहरत, तारीफ और मज्जमत का चोली दामन का रिश्ता होता है।

गरमा-गरम

शाह का सवाल | **सीएए पर अमित शाह की विरोधियों को चुनौती**

दिखाएं कहां है एक्ट में नागरिकता छीनने का प्रावधान

■ **'मुसलमान भाई-बहनों से की अपील, पहले खुद सीएए को समझें और फिर दूसरों को भी समझाएं**

शिमला (ए.)। नागरिकता संशोधन कानून को लेकर कांग्रेस पर एक बार फिर से गृह मंत्री अमित शाह ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐंड कंपनी अफ्वाह फैला रही है कि यह ऐक्ट अल्पसंख्यकों की नागरिकता को छीन लेगा। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पर वार करते हुए उन्होंने कहा, 'राहुल बाबा मैं आपको चैलेंज देता हूं कि इस कानून में एक भी जगह किसी की भी नागरिकता लेने का प्रावधान है तो दिखाइए।' उन्होंने कहा, 'देश के सभी मुसलमान भाई-बहनों से अपील है कि पहले खुद नागरिकता संशोधन अधिनियम को समझें और फिर दूसरों को भी समझाएं। नहीं तो झूठ और भ्रम फैलाने वाले राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के स्वार्थ के लिए हमें आपस में यूँ ही लड़ाते रहेंगे।' शिमला में हिमाचल प्रदेश सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर अमित शाह ने कहा कि 1950 में नेहरू-लियाकत समझौता हुआ, जिसके तहत यह तय हुआ था कि दोनों देश अपने यहां अल्पसंख्यकों का संरक्षण करेंगे। लाखों-करोड़ों शरणार्थियों की कोई सुध नहीं ले रहा था।

गरीबों पर टैक्स की तरह है एनआरसी

बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कई मौकों पर नागरिकता संशोधन कानून का विरोध करते हुए कहा था कि यह असंवैधानिक है। यही नहीं शुक्रवार को सुबह रायपुर में भी एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि एनआरसी हो या फिर एनपीआर यह गरीबों पर टैक्स की तरह है। राहुल गांधी ने कहा, 'नोटबंदी गरीबों पर टैक्स की तरह था। गरीब लोगों पर हमला था और अब आम लोग पूछ रहे हैं कि हमें नौकरियां कैसे मिलेंगी?'

'कश्मीर में अब शान से लहरा रहा है तिरंगा'

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने पर मोदी सरकार की सराहना करते हुए शाह ने कहा, 'हम सब बचपन से नारा लगाते थे कि इस देश में दो निशान, दो प्रधान ■ शेष पृष्ठ 8 पर

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड, पिछले 118 साल में दूसरी बार सबसे सर्द रहेगी दिल्ली!

- **इससे पहले दिसंबर 1997 में दिन का औसत अधिकतम तापमान 19.7 तक पहुंच गया था**
- **26 दिसंबर को दिल्ली में अधिकतम औसत तापमान 19.8 रहा**

नई दिल्ली(ए.)। दिल्ली में जब जमा देने वाली ठंड पड़ी थी तब आप कहां थे? हो सकता है भविष्य में आपसे भी ऐसा ही सवाल पूछा जाए। दिसंबर में इस बार जो शीतलहर जारी है वह ऐतिहासिक है। यह दिसंबर पिछले 100 सालों के दौरान दूसरा सबसे ठंडा दिसंबर बनने जा रहा है। 1901 से 2018 तक सिर्फचार मौकों पर दिसंबर का अधिकतम औसत तापमान 20 डिग्री से नीचे गया है। इस साल यह 26 दिसंबर तक 19.85 डिग्री है, जबकि 31 दिसंबर तक यह महज 19.15 डिग्री ही रह सकता है। शीत लहर का यह प्रकोप अभी 30 दिसंबर तक बना रहेगा। शुक्रवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री रेकॉर्ड किया गया।

इससे पहले 1907 में दिन का औसत तपमान दिसंबर में 17.3 डिग्री सेल्सियस रेकॉर्ड किया गया था। नए साल पर बाहर जाकर सिलेब्रेट करने

की योजना बनाने वालों के लिए भी एक बुरी खबर है। नए साल का आगाज ओलावृष्टि के साथ हो सकता है। 1 और 2 जनवरी 2020 को ओलावृष्टि की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक 3 जनवरी तक हिल स्टेशनों में भी भयंकर बर्फबारी होगी। राजस्थान के फ्तेहपुर में रात का तापमान 0 से 3 डिग्री के बीच और सीकर में 0 से नीचे पहुंच रहा है।

राजधानी में ऑरेंज अलर्ट

हाड़ कांप वाली ठंड और घने कोहरे को देखते हुए मौसम विभाग ने 29 दिसंबर तक दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी में ऑरेंज अलर्ट जारी कर रखा है। इस शीतलहर के 11वें दिन सफदरजंग अस्पताल के पास अधिकतम तापमान 13.4डिग्री, पालम में 11.8 डिग्री और दिल्ली यूनिवर्सिटी में 12.6 डिग्री रेकॉर्ड किया गया। दिल्ली में घने कोहरे के चलते दृश्यता सुबह 8:30 बजे के आसपास 700 मीटर थी। इसके चलते ट्रेनों का आवागमन और विमानों का संचालन भी प्रभावित है। इस सीजन में दिल्ली में 18 दिसंबर को अधिकतम तापमान महज 12.2 डिग्री तक पहुंच गया था। यह 22 सालों के अधिकतम तापमान का रेकार्ड था।

1997 में टूटा था ठंड का रेकॉर्ड: रीजनल वेदर सेंटर के डिप्टी डीजी डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव के अनुसार उत्तर पश्चिमी हवाएं लगातार दिल्ली आ रही हैं और ऊपरी सतह पर बादल छाए हुए हैं। जिसकी वजह से धूप धरती तक नहीं पहुंच पा रही है। इसी वजह से दिन के समय ठंड कम नहीं हो रही है। 31 दिसंबर से तापमान में कुछ सुधार हो सकता है।

राजस्थान में जमी बर्फ!

राजस्थान में कई स्थानों पर रात का तापमान एक डिग्री सेल्सियस से पांच डिग्री सेल्सियस तक रहा है। शेखावटी अंचल में सर्दी जोरों पर है। सीकर जिले में गुरुवार को पारा जमाव बिन्दु पर पहुंच गया। इससे पेड़ों पर पहाड़ी क्षेत्रों की तरफ बर्फ जमने लग गई है। शेखावटी क्षेत्र में चुरू, सीकर, झुंझनू जिले और निकटतम क्षेत्र आते हैं। राजस्थान के एक मात्र पर्वतीय पर्यटन क्षेत्र माउंट आबू में तापमान एक डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने राजधानी को दूसरी जगह ले जाने का फैसला टाला

अमरावती(ए.)। आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने राज्य की राजधानी को दूसरी जगह ले जाने पर निर्णय शुक्रवार को टाल दिया। आधिकारिक

सूत्रों ने यहां बताया कि मंत्रिमंडल की बैठक में इस विषय पर विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर चर्चा हुई लेकिन फैसला नहीं लिया गया क्योंकि यह एक अंतरराष्ट्रीय परामर्श कंपनी की रिपोर्ट का इंतजार करना चाहता है। इस कंपनी के तीन जनवरी को अपनी रिपोर्ट सौंपने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल फिर से बैठक करेगा और इस विषय पर निर्णय लेगा। मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने 17 दिसंबर को संकेत दिया था कि आंध्र प्रदेश की तीन राजधानियां हो सकती हैं क्योंकि विकेंद्रीकरण वास्तविक अवधारणा है। उन्होंने कहा था कि वर्तमान राजधानी अमरावती विधायी राजधानी और विशाखापत्तनम कार्यपालिका की राजधानी और कुर्नुल न्यायिक राजधानी हो सकती है। अमरावती में प्रस्तावित राजधानी के लिए जिन किसानों ने अपनी जमीन दी थी, वे पिछले दो-तीन दिनों से आंदोलन कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि सरकार आंध्रप्रदेश की राजधानी अन्य स्थान पर ले जाने की योजना छोड़ दे।

खबर के लिए बवाल वाले बयान पर घिरे बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप घोष

कोलकाता(ए.)। पश्चिम बंगाल की राज्य इकाई के बीजेपी अध्यक्ष दिलीप घोष के बयान को लेकर विवाद हो गया है। पूर्वी मिदनापुर में

रैली को संबोधित करने से पहले घोष ने मीडिया से बातचीत में घोष ने कहा, ' वे (तृणमूल कांग्रेस) बवाल करेंगे फिर हम बवाल करेंगे। यह बंगाल की राजनीति का चरित्र है। हम हर चीज के लिए तैयार हैं। आप (पत्रकारों से) को भी न्यूज़ चाहिए होता है। इसलिए हम लोगों को बवाल करने देते हैं।'

दिलीप घोष के इस बयान पर अब विवाद खड़ा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस के नेता और राज्य के संसदीय राज्यमंत्री तापस रॉय ने कहा, 'राज्यों की जनता बीजेपी को खारिज कर रही है। वे हिंसा के जरिए बंगाल को नियंत्रित करना चाहते हैं। उन्हें (घोष को) बंगाल की राजनीतिक संस्कृति के बारे में कुछ भी पता नहीं है।' सीपीएम के विधायक सुजान चक्रबर्ती ने कहा, 'लोग इस तरह की राजनीति को स्वीकार नहीं करते हैं। दिलीप घोष सनसनी पैदा करने के लिए मूर्ख की तरह बात कर रहे हैं।' इससे पहले घोष अपने बयान के लिए उस समय चर्चा में आए थे जब उन्होंने कहा था कि भारतीय नस्ल की गायों के दूध में सोना होता है।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित का विवादित बयान, बोले- ज्यादातर पुलिस वाले हैं भ्रष्ट, माफी से किया इनकार

नई दिल्ली(ए.)। कांग्रेस के सीनियर लीडर संदीप दीक्षित ने पुलिस को लेकर विवादित बयान देते हुए कहा है कि हमारी आधी से ज्यादा पुलिस

भ्रष्ट है। मुजफ्फरगर में कथित तौर पर पुलिसकर्मियों द्वारा मुस्लिम समुदाय के लोगों के घरों में तोड़फोड़ की खबरों पर संदीप दीक्षित ने यह बात कही। उन्होंने कहा, 'आधे से ज्यादा पुलिस तो हमारी भ्रष्ट है, वह अपना भ्रष्टाचार कैसे मिटाएं।' यही नहीं अपने इस बयान पर सवाल खड़े किए जाने पर भी उन्होंने माफी से इनकार कर दिया। हालांकि सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि मैंने यह कहा कि ज्यादातर पुलिस करप्ट है, यह नहीं कहा कि सभी पुलिस वाले भ्रष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कहा था कि ज्यादातर पुलिस वाले करप्ट हैं। यह नहीं कहा कि सभी लोग भ्रष्ट हैं।' उन्होंने कहा कि राजनेता जनता के प्रति जवाबदेह हैं, इसी तरह से जनसेवक भी आम लोगों के प्रति जवाबदेह हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि यदि पुलिस निष्पक्ष होकर काम नहीं करेगी तो ऐसा जनता में यह संदेश जाएगा कि वह संविधान के मुताबिक अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं कर रही है।

नागरिकता कानून का विरोध

जुमे की नमाज के बाद सैकड़ों लोगों ने दिल्ली की जामा मस्जिद पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली(ए.)। दिल्ली में भले ही कड़ाके ही ठंड पड़ रही हो लेकिन उन प्रदर्शनकारियों के ऊपर इसका थोड़ा सा भी असर नहीं दिख रहा था जो लाल किला के सामने मस्जिद पर एकजुट होकर नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ अपना विरोध जाहिर कर रहे थे।

प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर वो लोग थे जो शुक्रवार की जुमे की नमाज पढ़ने आए थे। उन्होंने नए कानून और प्रस्तावित एनआरसी के विरोध में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा- इस देश को एनआरसी, एनपीआर नहीं चाहिए। इस देश को रोजगार चाहिए। इस देश को अमन और शांति चाहिए।

प्रदर्शनकारियों के हाथों में जो पोस्टर्स थे और उसमें साफ लिखा था- ÷संविधान को बचाओ, भारत को मत बांटो।÷ इसके साथ ही, लोगों से यह अपील भी की कि

अहिंसा बनाए रखें। कांग्रेस नेता अलका लांबा और दिल्ली के पूर्व विधायक शोएब इकबाल भी उन सैकड़ों प्रदर्शनकारियों में शामिल थे। लांबा ने सरकार पर प्रहार करते हुए कहा, ''देश में असल मुद्दा बेरोजगारी का है लेकिन आप (प्रधानमंत्री) लोगों को एनआरसी के लिए लाइन में खड़ा करना चाहते हैं जैसा नोटबंदी के दौरान किया गया था। उन्होंने कहा, ''देश और संविधान के लिए लोकतंत्र की आवाज उठाना आवश्यक है। केंद्र सरकार तानाशाह नहीं हो सकती और लोगों पर अपना एजेंडा नहीं थोप सकती है। मस्जिद में जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शनकारियों ने नये कानून और प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफनारेबाजी की।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा, ''इस देश को एनआरसी, एनपीआर नहीं चाहिए। इस देश को रोजगार चाहिए। इस देश को अमन और शांति चाहिए। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर लिखा था -- 'संविधान बचाओ, देश मत बांटो। उन्होंने लोगों से हिंसा नहीं करने की अपील की।

पुलिस की आंखों में धूल झोंकने दिल्ली में उपद्रवियों ने थाम रखा था तिरंगा!

नई दिल्ली(ए.)। नागरिकता संशोधन कानूनके विरोध में देश भर में फैले हिंसक प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर ली गई है और पुलिस इन लोगों तक पहुंचने की कोशिशों में जुटी हुई है। खुफिया एजेंसियों द्वारा बनाई गई ऐसे लोगों की 'कुंडली' तमाम राज्यों की पुलिस के हवाले की जा चुकी है। न्यूज एजेंसी आईएनएस के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारियों के बाद दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच, स्पेशल सेल भी सतर्क है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने ऐसे लोगों को अपने 'रडार' पर ले लिया है। जामिया, जाकिर नगर, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में बीते 15 दिसंबर और उसके ठीक दो दिन बाद उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर जाफराबाद में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों में किसकी क्या-क्या भूमिका रही, इसका लेखा-जोखा दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के पास आ चुका है।

हाथ बांधकर पीएम आवास की ओर जा रहे भीम आर्मी के प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोका

नई दिल्ली(ए.)। भीम आर्मी के प्रमुख चंद्रशेखर रावण की रिहाई की मांग तथा नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ शुक्रवार को प्रधानमंत्री आवास की ओर अपने हाथ बांधकर जा रहे सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोक दिया। भारी सुरक्षा-व्यवस्था और ड्रोन निगरानी के बीच भीम आर्मी के सदस्यों समेत इन प्रदर्शनकारियों ने जोरबाग के दरगाह शाह-ए-मरदान से अपना मार्च शुरू किया। पुलिस ने उन्हें लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास से पहले ही रोक दिया। इस मार्च में हिस्सा ले रहे प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथ बांध रखे थे ताकि उन पर इस प्रदर्शन के दौरान हिंसा एवं आगजनी के आरोप नहीं लगाए जा सके। इस दौरान प्रदर्शनकारी बाबासाहेब अंबेडकर और आजाद का पोस्टर लेकर 'तानाशही नहीं चलेगी जैसे नारे लगा रहे थे।

सीएए के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल हुई नार्वे की महिला, मिला भारत छोड़ने का निर्देश

कोच्चि।(ए.) कोच्चि में संशोधित नागरिकता कानून के विरोध में हुए प्रदर्शन में शामिल नॉर्वे की एक महिला को वीजा नियमों का उल्लंघन करने के लिए भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के अधिकारी अनूप कृष्णन ने कहा,'हमारी जांच में पाया गया कि उन्होंने वीजा नियमों का उल्लंघन किया है और इसलिए उन्हें जाने के लिए कहा गया।' एफआरआरओ केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है। एफआरआरओ ने कहा था कि सोशल मीडिया के जरिए यह बात सामने आई कि नॉर्वे की एक महिला के 23 दिसंबर को नए कानून के विरोध में प्रदर्शन में कथिततौर पर हिस्सा लिया था और इसके बाद से हम इस मामले की जांच कर रहे हैं।

कोटा के सरकारी अस्पताल में 2 दिन में 10 बच्चों की मौत

- **हर साल मर रहे हैं हजार से ज्यादा बच्चे**

नई दिल्ली(ए.)। राजस्थान को कोटा स्थित जेके लोन सरकारी अस्पताल में पिछले दो दिनों के भीतर दस बच्चों की मौत हो गई, जिसके बाद अस्पताल प्रशासन की तरफसे पूरे मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। हालांकि, तथ्य यह भी है कि पिछले छह सालों से इस अस्पताल में हर साल एक हजार से अधिक बच्चों की मौत हो रही है। पिछले छह सालों में इस

अस्पताल में 66 सौ से ज्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है।

अस्पताल अधिकारियों की तरफसे यह बताया गया है कि छह बच्चे की 23 दिसंबर को मौत हुई, जबकि 24 दिसंबर को 4 बच्चों ने दम तोड़ दिया। मरने वालों में पांच बच्चियां और इतने ही बच्चे हैं। इनकी उम्र एक दिन से लेकर एक साल के बीच है।

अस्पताल प्रशासन ने दिए जांच के आदेश: जेके लोन अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉक्टर एचएल मीना ने दस बच्चों की दो दिन में हुई मौत पर सफाई देते हुए कहा कि कोटा डिवीजन में यह मां और बच्चे का सबसे बड़ा सरकारी रेफरल अस्पताल है। यहां पर पड़ोसी जिले भिलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के लोगों को इलाज के लिए रेफर किया जाता है।

चंद्रिका राय ने राबड़ी के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत कर लगाया आरोप

नई दिल्ली(ए.)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप और उनकी बहू ऐश्वर्या के बीच संबंध एक तरफ जहां बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है, तो वहीं दोनों परिवार एक दूसरे के खिलाफ आमने-सामने है। अब लालू यादव की समधि चंद्रिका राय ने राबड़ी देवी के खिलाफथाने में जाकर लिखित शिकायत की है। हालांकि, चंद्रिका राय की तरफसे लिखित शिकायत में फिलहाल एफआईआर नहीं बल्कि जबरन सामान भिजवाने के आरोप लगाए

तेजप्रताप-ऐश्वर्या विवाद

गए हैं। चंद्रिका राय ने कहा कि सामान के साथ कोई लिस्ट नहीं है। ऐसे में उन्हें साजिश रच फंसा सकता है लालू यादव का परिवार।

राबड़ी ने बहु ऐश्वर्या के घर जबरदस्ती भिजवाया सामान: गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने बहू ऐश्वर्या का सामान पिकअप वैन में लोडकर सुरक्षकर्मियों के साथ ऐश्वर्या के पिता चंद्रिका राय के घर भिजवा दिया। लेकिन, चंद्रिका राय ने सामान लेने से इनकार कर दिया। सुरक्षाकर्मियों ने सामान उनके आवास के सामने ही छोड़ दिया। चंद्रिका राय ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी है। मालूम हो कि राबड़ी देवी के साथ हुए विवाद के बाद बहू ऐश्वर्या अपने मायके लौट गई थीं। तब ऐश्वर्या ने यह आरोप लगाया था कि उनके साथ मारपीट की गई और उनका सारा सामान रख लिया गया।

बयान | एआईएमआईएम चीफ ओवैसी, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह सहित कई नेताओं ने रावत के बयान को ठहराया गलत

पहले भी सुर्खियों में रह चुके हैं आर्मी चीफ जनरल रावत

नई दिल्ली (वार्ता)। सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने गुरुवार को नागरिकता संसोधन कानून (सीएए) के खिलाफ हालिया विरोध-प्रदर्शन के बारे में कहा कि यदि नेता हमारे शहरों में आगजनी और हिंसा के लिए विश्वविद्यालयों और कॉलेज के छात्रों सहित जनता को उकसाते हैं, तो यह नेतृत्व नहीं है। उनके इस बयान के बाद प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह सहित कई नेताओं ने इस बयान को गलत ठहराया है।

यह कोई पहला मामला नहीं था कि सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत के बयान पर सियासी

बयानबाजी तेज हो गई हो। इससे पहले भी कई मौकों पर वह सुर्खियों में रहे। आपको बता दें कि इसी साल 31 दिसंबर को बिपिन रावत अपने पद से सेवनिवृत हो रहे हैं। चीफऑफडिफेंस स्टाफके लिए उनका नाम सबसे आगे चल रहा है।

पांच ऐसे मौके जब बिपिन रावत ने सुर्खियां बटोरीं:

जनरल बिपिन रावत ने दो साल पहले चीफऑफआर्मी स्टाफ कमांडेशन कार्ड से मेजर लीतूल गोगोई को उग्रवाद पर लगाम लगाने के लिए सम्मानित किया था। गोगोई ने 2017 में जम्मू-कश्मीर में पत्थरबाजों से बचने के लिए अपनी जीप के आगे में एक कश्मीरी नागरिक को बांध दिया था। घाटी के लोग, मानवाधिकार कार्यकर्ता और नेताओं ने इसकी जमकर आलोचना की थी। गोगोई उस समय मुश्किल में फंस गए थे जब बीते साल उन्हें श्रीनगर के एक होटल में एक कश्मीरी महिला के साथ देखा गया था, जो कि नियम के खिलाफहै।

बीते वर्ष दिसंबर महीने में आर्मी चीफजनरल बिपिन रावत ने उन सैनिकों को आगाह किया था जो दिव्यांग हो जाने का गलत सर्टिफिकेट बनवाकर पेंशन लेते हैं. उन्होंने कहा था, 'अगर कोई सैनिक वास्तव में दिव्यांग हो जाते हैं तो हम उनपर विशेष ध्यान देंगे और उन्हें पूरी मदद करेंगे। लेकिन, कोई गलत तरीके से इसका लाभ लेता है तो मैं उन्हें आगाह करता हूं आप ऐसा नहीं करें। आने वाले दिनों में आपको आर्मी हेडक्वार्टर से अच्छी खबर नहीं मिलेगी।'

2017 में सेना प्रमुख बिपिन रावत ने कश्मीर में पत्थरबाजों के खिलाफ एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था, 'काश, ये लोग हम पर पत्थर फेंकने के बजाय, हमारे ऊपर हथियार फेंक रहे होते। तब मुझे खुशी होती। तब मैं भी वह कर पाता जो मैं चाहता हूं।' उनके इस बयान की भी काफी आलोचना हुई थी।

एकबार सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा था कि सेवानिवृत्त सैनिकों के लिए एक आचार संहिता होनी चाहिए। इसके तहत परिस्थिति आने पर पेंशन की सुविधा छीनने का भी अधिकार हो। यह जूनियर अधिकारियों को अपने सीनियर अधिकारियों के खिलाफ ट्विटर पर अपशब्द लिखने से रोकेगा और भारतीय सेना की मर्यादा बनी रहेगी।

सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत का मीडिया को दिया वह बयान भी सुर्खियों में रहा था, जिसमें उन्होंने कहा था, 'युद्ध में भूमिका निभाने वाली महिलाएं, कपड़ा बदलते समय पुरुषों के अपने टेंट में झांकने की शिकायत कर सकती हैं। हमें उनके चारों तरफचादर देना पड़ेगा।'

कनेरिया के बयान ने पाकिस्तान का असली चेहरा दिखाया: गंभीर

नई दिल्ली(ए.)। पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने शुक्रवार को कहा कि हिंदू होने के कारण साथी खिलाड़ियों का बुरा बर्ताव झेलने वाले पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कनेरिया के इस बयान ने पाकिस्तान का असली चेहरा दिखा दिया है।

गंभीर ने कहा, 'भारत में मोहम्मद अजहरूद्दीन जैसे कप्तान हुए हैं, जो लंबे समय तक कप्तान रहे। यह उस देश में हो रहा है, जिसके प्रधानमंत्री इमरान खान खुद क्रिकेटर रहे हैं।'उन्होंने कहा, 'कनेरिया ने अपने देश के लिए इतने टेस्ट खेले हैं। इसके बावजूद उन्हें यह सब झेलना पड़ा तो यह शर्मनाक है।'

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने दावा किया था कि उनके साथी खिलाड़ी कनेरिया के साथ कुछ पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने पक्षपातपूर्ण बर्ताव किया और उसके साथ खाना भी नहीं खाते थे क्योंकि वह हिंदू थे। कनेरिया ने उनके दावे का समर्थन करते हुए कहा था, 'शोएब भाई महान खिलाड़ी हैं। वह गेंदबाजी की तरह बातें भी खरी-खरी करते हैं। जब मैं खेलता था तो इन मसलों पर बोलने की हिम्मत नहीं थी लेकिन शोएब भाई के बयान के बाद अब वह हिम्मत आ गई है।' उन्होंने , इंजी भाई (इंजमाम उल हक), मोहम्मद युसूफ और यूनिस भाई ने भी हमेशा मेरा साथ दिया।'

रंग बिरंगे परिधानों और मुखौटों में पौराणिक कथानक देख दर्शक हुए अभिभूत

■ लोक नृत्यों में शारीरिक कौशल और करतब का भी हुआ प्रदर्शन

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य प्रतियोगिता में झारखण्ड राज्य के कलाकारों ने रंगबिरंगे परिधानों में मुखौटे लगाकर छाऊ नृत्य किया जिसे देखकर दर्शक अचंभित रह गए। इस नृत्य विद्या में मार्शल आर्ट और करतब के माध्यम से रामायण और पुराणों की कथाओं को प्रस्तुत किया जाता है। अपनी विशिष्ट शैली के कारण छाऊ ने विदेशों में भी अपनी खास पहचान बनाई है। झारखण्ड के सारेकला जिले से आए छाऊ नृत्य के कलाकार श्री घासीराम महतो ने बताया कि उन्होंने अधर्म पर धर्म की जीत के कथानक पर आधारित महिषासुर मर्दन का प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ में विभिन्न कलाओं और पारंपरिक नृत्यों का समागम देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा कि यहां आकर देश-विदेश की विभिन्न संस्कृति को जानने का अवसर मिला। छाऊ नृत्य के प्रत्येक गीत की शुरूआत में पात्रों और विषयवस्तु का परिचय दिया जाता है। नृत्य में पुरूष कलाकारों के द्वारा ओजस्विता, शारीरिक कौशल और विभिन्न भाव भंगिमाओं से दर्शकों का मनोरंजन किया जाता है। झारखण्ड राज्य ने छाऊ नृत्य के अतिरिक्त संथाली नृत्य का भी प्रदर्शन किया। यह नृत्य जनजाति समूह द्वारा पारंपरिक उत्सव के दौरान किया जाता है।

राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के प्रथम सत्र में तेलंगाना राज्य ने कोया नृत्य, असम ने बागरूंगा, झारखण्ड ने छाऊ और संथाली, उड़ीसा ने दुरवा, गुजरात ने सिद्दी नृत्य की मनोरंजक प्रस्तृति दी। आदिवासी नृत्य की विभिन्न विद्याओं और परंपराओं का प्रदर्शन देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। प्रतियोगिता के पूर्व बेलारूस ने लोक नृत्य, अरूणाचल प्रदेश ने रेह, लद्दाख ने फ्लावर नृत्य, कर्नाटक ने सुगाली और छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने दंडामी माड़िया जनजाति के गौर नृत्य की प्रस्तुति दी।

प्रतियोगिता में सबसे पहले नवगठित तेलंगाना राज्य के कलाकारों ने कोया नृत्य प्रस्तुत किया। तेलंगाना में अनेक आदिवासी जनजातियां निवास करती हैं इनमें से आदिवासी जनजाति कुमुख कोया द्वारा मुख्य रूप से कोया नृत्य किया जाता है। यह नृत्य विवाह, धार्मिक अनुष्ठान, मेला मड़ई में किया जाता है। कोया नृत्य में छत्तीसगढ़ के दंडामी माड़िया के गौर नृत्य के समान युवक गौर के सींग और मोरपंख पहनकर मांदर लिए होते हैं और युवतियां पीतल के मुकुट और घुघरूदार छड़ी लेकर नृत्य करती हैं।

महोत्सव के समापन समारोह में सांसद अधीर रंजन चौधरी होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर। रायपुर के साईंस कॉलेज मैदान में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के अंतिम दिन 29 दिसम्बर को आयोजित समापन समारोह में सांसद एवं संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष श्री अधीर रंजन चौधरी मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल करेंगे। समापन समारोह का आयोजन रात्रि 7.30 बजे से किया गया है। महोत्सव के समापन अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष श्री चरणदास महंत, महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष श्री नानाभाऊ पाडोले और राज्यसभा सांसद श्री मधुसूदन देवराम मिस्त्री उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के रूप में मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव, श्री ताम्रध्वज साहू, श्री रविन्द्र चौबे, डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, श्री मोहम्मद अकबर, श्री कवासी लखमा, डॉ. शिवकुमार डहरिया, श्रीमती अनिला भेंड़िया, श्री जयसिंह अग्रवाल, गुरू रूद्रकुमार, श्री उमेश पटेल, श्री अमरजीत भगत, विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा, श्री बृजमोहन अग्रवाल, श्री धनेन्द्र साहू, श्री कुलदीप जुनेजा, श्री विकास उपाध्याय, श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा, रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती शारदा वर्मा और रायपुर नगर निगम के महापौर श्री प्रमोद दुबे उपस्थित रहेंगे।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के अंतिम दिन 29 दिसम्बर को उत्तराखण्ड के कलाकारों द्वारा लाष्पा नृत्य, जम्मू का बकरवाल नृत्य, मध्यप्रदेश का भड़म नृत्य, हिमाचल प्रदेश का गद्दी नृत्य, कर्नाटक और सिक्किम का नृत्य, झारखण्ड का दमकच नृत्य, छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले की दंडामी नृत्य प्रस्तुत की जाएगी। दोपहर 12.50 बजे से 1.40 बजे तक श्रीलंका, थाईलैंड एवं मालदीव देशों से आमंत्रित कलाकारों द्वारा गैर प्रतियोगी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति की जाएंगी। दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक तेलंगाना, लद्दाख का नृत्य, उत्तरखण्ड का मुखौटा नृत्य, गुजरात और सिक्किम का नृत्य, केरल का मरायूराट्टम नृत्य, त्रिपुरा का संगराई नृत्य, मध्यप्रदेश का करमा नृत्य और छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव का गौरमार नृत्य का आयोजन होगा। शाम 6 बजे से 7 बजे तक बांग्लादेश, युगांडा एवं बेलारूस देशों के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की जाएगी। शाम 7 बजे से रात 9 बजे तक समापन समारोह, पुरस्कार वितरण और सम्मान का कार्यक्रम रखा गया है।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन राज्यपाल सुश्री उइके होंगी मुख्य अतिथि

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल करेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता

लद्दाख, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, बेलारूस और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के कलाकार देंगे प्रस्तुति

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन 28 दिसम्बर को आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके मुख्य अतिथि होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह, छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री धरमलाल कौशिक, सांसद श्री सुनील सोनी, श्रीमती छाया वर्मा, विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा, श्री बृजमोहन अग्रवाल, श्री धनेन्द्र साहू, श्री कुलदीप जुनेजा, श्री विकास उपाध्याय, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती शारदा वर्मा और रायपुर नगर निगम के महापौर श्री प्रमोद दुबे उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन 28 दिसम्बर को साइंस कॉलेज मैदान में लद्‌ाख, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, बेलारूस और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के कलाकारों द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी जाएगी। महोत्सव में 28 दिसम्बर को सवेरे नौ बजे से दोपहर 12.50 बजे तक गुजरात का वसावा नृत्य, आंध्रप्रदेश का ढिमसा नृत्य, त्रिपुरा का ममिता नृत्य, झारखण्ड का पायका नृत्य, तमिलनाडु का टोडा नृत्य, आरूणाचल प्रदेश का आदि नृत्य, राजस्थान का गवरी नृत्य, छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव का हुल्की नृत्य सहित असम और मध्यप्रदेश राज्य का नृत्य प्रस्तुत की जाएगी। दोपहर 12.50 बजे से 1.40 बजे तक श्रीलंका, थाईलैण्ड एवं मालदीव देशों से आमंत्रित कलाकारों द्वारा गैर प्रतियोगी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक गुजरात के कलाकारों द्वारा राठवा नृत्य, हिमांचल प्रदेश का किन्नौरा नृत्य, पश्चिम बंगाल का संथाली नृत्य का आयोजन होगा। शाम 5 बजे से 7.30 बजे तक ओडिसा का दुरवा नृत्य, बिहार का करमा नृत्य, अण्डमान निकोबार का निकोबारी नृत्य, तेलंगाना का माथुरी नृत्य, त्रिपुरा का होजागिरी नृत्य, उत्तराखण्ड का हारूल नृत्य, मणिपुर का थांगकुल नृत्य, छत्तीसगढ़ के जगदलपुर के कलाकारों द्वारा दंडामि माड़िया नृत्य प्रस्तुत की जाएगी।

एस्ट्रो वास्तु रिसर्च सोसाइटी ज्योतिष सम्मेलन का अयोजन

रायपुर। आगामी 29 दिसम्बर रविवार को वृंदावन हॉल सिविल लाईन्स रायपुर में एस्ट्रो वास्तु रिसर्च सोसाइटी रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ स्तरीय एक दिवसीय ज्योतिष एवं वास्तु सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। उक्त आयोजन में प्रमुख रूप से डॉ. एडी शर्मा रायपुर, डॉ. गिरधर शर्मा बिलासपुर, डॉ. शैलेष नायडू कोरबा, डॉ. तुलसीप्रसाद शर्मा दुर्ग, डॉ. अनिल वर्मा भिलाई सहित 200 से अधिक ज्योतिष विशेषज्ञ उपस्थितजनों की विभिन्न जिज्ञासाओं/प्रश्नों का समाधान करेंगे। पंडित शर्मा ने बताया कि उक्त ज्योतिष सम्मेलन आयोजित करने का मुख्य उद्‌देश्य गृह निर्माण, गृह प्रवेश, शादी ब्याह, नामकरण आदि रोजमर्रा के कार्यों को शुभ मूहर्त में प्रारंभ किया जाता है।

मेरी मां ने नहीं की आत्महत्या, भाईयों-भाभियों ने मिलकर मारा है, बेटी का आरोप

रायपुर। संपत्ति जायजाद आदि को लेकर परिवारों में आए दिन विवाद होता रहता है। कभी कभी विवाद इतना बढ़ जाता है कि मृतक के परिजनों द्वारा संपत्ति हासिल करने के लिए हत्या तक कर दी जाती है। ऐसा ही एक वाक्य आज श्रीमती माधुरी दीवान पति दिलीप कुमार ग्राम बरोंडा पोस्ट बंगोली जिला रायपुर ने प्रेस क्लब पहुंचकर उनके भाईयों एवं भाभियों द्वारा उनकी माता श्रीमती कुमारी शर्मा की हत्या 16 नवम्बर 2019 को घर में करने का उन पर आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा समुचित कार्यवाही उक्त मामले में नहीं करने की जानकारी पत्रकारवार्ता में दी। पत्रकारवार्ता में श्रीमती दीवान ने बताया कि वे स्व. दामोदर प्रसाद शर्मा एवं श्रीमती कुमारी शर्मा की पुत्री है। 16 नवम्बर को उनकी मां की जली हुई लाश पाई गई। जीवन काल में उनके भाई रविन्द्र शर्मा भाभी सरिता शर्मा, छोटा भाई देवेन्द्र शर्मा एवं छोटी भाभी पूजा शर्मा द्वारा न केवल मानसिक प्रताड़ना दी गई वरन् समय समय पर उनके सेवानिवृत्त पिता के साथ भी मारपीट की जाती है। उक्त मामले में उन्होंने कवर्धा थाने में शिकायत दर्ज कराई वहां उन्हें पता चला की उनके भाई भाभियों ने कचरा टंकी में लगी आग में झूलसकर मां द्वारा स्वयं की आत्महत्या करने की एफआईआर दर्ज कराई है।

संपादकीय

आर्मी चीफ के बयान पर बवाल

भारतीय आर्मी चीफ जनरल बिपिन रावत के बयान पर सियासी बवाल खड़ा हो गया है। नए नागरिकता कानून के विरोध में देश के कई हिस्सों में हो रहे हिंसक प्रदर्शन को लेकर शांती की अपील करते हुए जनरल बिपिन रावत ने कहा है कि नेतृत्व वही होता है जो देश को सही दिशा में ले जाए। उन्होने कहा है कि छात्रों की अगुवाई में हो रहे हिंसक प्रदर्शन को नेतृत्व क्षमता नहीं कहा जा सकता। जनरल रावत की यह बात कतई विवादास्पद नहीं है। उन्होने जो भी कहा है उसे लेकर उनपर सवालिया निशान नहीं लगाया जाना चाहिए। लेकिन हर बात को राजनीतिक चश्मे से देखने का आदि विपक्ष बात का बतंगड़ बना रहा है। कांग्रेस नेता संदिप दिक्षित ने एक बार फिर भारतीय सेना और पुलिस को लेकर विवादास्पद टिप्पणी कर दी है। उन्होने जहां पुलिस को भ्रष्ट बताया है वहीं सेना को लेकर भी आपत्तिजनक बयान दिया है। ये वहीं संदिप दिक्षित है जिन्होने पहले भी सेना प्रमुख को गली का गुंडा कहा था। विपक्ष के नेता पहले भी सेना के शौर्य पर सवाल उठाते रहे है और भारतीय सेना द्वारा पड़ौसी देश पाकिस्तान में की गई सर्जिकल स्ट्राईक और एयर स्ट्राईक के सबूत मंगते रहे है। विपक्ष के नेता जिस तरह राजनीति में सेना को घसीटते रहे है वह कतई उचित नहीं है, उनकी इस तरह की विवादास्पद बयानबाजी से सेना का मानोबल गिरता है। रही बात नए नागरिकता कानून के खिलाफ हो रहे हिंसक प्रदर्शन की तो इसे रोकने के लिए पुलिस अपना दायित्व निभा रही है। ऐसे में पुलिस बल को भ्रष्ट बताकर संदिप दिक्षित जैसे नेता आखिर क्या साबित करना चाहते है। विपक्ष के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस का हाथ सेना के खिलाफ है और भ्रष्टाचार कांग्रेस की संस्कृति रही है। बेहतर होगा कि पुलिस और सेना को लेकर राजनीति न की जाए इस समय देश में हालात संवेदनशील है। नए नागरिकता कानून को लेकर भड़काउ बयानबाजी की जा रही है जिसकी वजह से जगह जगह दंगे फसाद की स्थिति निर्मित हो रही है। ऐसे नाजुक समय में पुलिस और सेना पर आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए। होना तो यह चाहिए कि देश के विभिन्न हिस्सों में नए नागरिकता कानून के खिलाफ जो हिंसक आंदोलन हो रहा है उसे रोकने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियां दलगत भावना से उपर उठकर एकजूट हों ताकि देश में शांती और सौहाद्र का वातावरण बने।

विचार

स्वास्थ्य की बदहाली

देश में सबसे ज्यादा लोग अभी इन्फेक्शन यानी संक्रमण से बीमार हो रहे हैं, और यह बात सिर्फठंड में होने वाले सर्दी-जुकाम को लेकर नहीं कही जा रही। विभिन्न संक्रमणों की चपेट में आने वालों का हिस्सा ग्रामीण और शहरी इलाकों में लगभग एक सा है, लेकिन दिल की बीमारी का प्रकोप शहरों में कहीं ज्यादा है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) की ताजा रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। इसके अनुसार 1000 में से 29 भारतीय हर साल सिर्फसंक्रमण से होने वाली बीमारियों के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होते हैं और इनमें पुरुषों से ज्यादा महिलाएं होती हैं। कुछ बीमारियां ऐसी हैं जो शहरी और ग्रामीण दोनों को समान रूप से हो रही हैं, जैसे सांस की बीमारी। इससे देश में वायु प्रदूषण का भी अंदाजा मिलता है। हृदय संबंधी रोग 21.9 प्रतिशत शहरी लोगों को होते हैं जबकि गांवों में ये बीमारियां 13.8 फीसदी लोगों को ही होती हैं। रही बात बीमार होने की आशंका की तो शहरी लोगों में यह ज्यादा रहती है। सर्वे में शहरों के 9.1 फीसदी जबकि गांवों के 6.8 प्रतिशत लोग बीमार पाए गए। बहरहाल, गांव हो या शहर, भारत के सार्वजनिक चिकित्सा ढांचे का हाल ऐसा ही है कि सात गुने खर्च के बावजूद लोगबाग हर जगह प्राइवेट अस्पतालों को ही प्राथमिकता देते हैं। गांवों के 85.9 और शहरों के 80.9 प्रतिशत लोगों के पास कोई स्वास्थ्य बीमा नहीं है और केवल 13 पर्सेंट लोग सरकारी योजना के तहत बीमा का लाभ ले रहे हैं। यह सर्वे बताता है कि हेल्थ आज भी हमारे यहां एक बड़ी सामाजिक-आर्थिक समस्या है। एक गरीब व्यक्ति अपनी या अपने किसी परिजन की बीमारी से जूझते हुए दाने-दाने को मोहताज हो जाता है।

टेक ज्ञान

'डेटा की रेस' में पिछड़ी वोडाफोन

नई दिल्ली। टेलिकॉम कंपनियों के बीच डेटा वॉर जारी है। कंपनियां ज्यादा से ज्यादा डेटा देकर ग्राहकों को अपने पाले में करना चाहती हैं। एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया अपने प्लान्स में अनलिमिटेड कॉलिंग के साथ तय डेली या मंथली डेटा दे रही हैं। वहीं, रिलायंस जियो अपने प्लान्स में डेटा के साथ दूसरे नेटवर्क पर कॉल करने के लिए नॉन-जियो स्रक्कमिनट और जियो-टू-जियो फ्री कॉलिंग का फायदा दे रही है। हालांकि, वोडाफोन-आइडिया ज्यादा डेटा वाले प्लान की रेस में एयरटेल और रिलायंस जियो से थोड़ा पीछे है। वोडाफोन-आइडिया के प्रीपेड रिचार्ज पोर्टफोलियो में ऐसा कोई प्लान नहीं है, जो कि यूजर्स को डेली 3जीबी डेटा दे। ऐसे में वोडाफोन के उन यूजर्स को निराशा हो सकती है, जो कि डेली 3जीबी डेटा वाला प्लान चाहते हैं।

झारखंड में अहंकार और नफरत का एजेंडा खंड-खंड

अनिल जैन

> पिछले साल दिसंबर में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ में भाजपा को हार का मुंह देखना पडा था। फिर लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा के चुनाव हुए जिसमें महाराष्ट्र भाजपा के हाथ से निकल गया और हरियाणा में वह अपनी हार के बावजूद चुनाव नतीजों के बाद गोवा की तर्ज पर खरीद-फरोख्त और जोडतोड के सहारे सरकार बनाने में कामयाब हो गई। दरअसल झारखंड में भाजपा की पिछले पांच साल से चल रही राज्य सरकार के पास अपनी ऐसी कोई उपलब्धि नहीं थी, जिसके लिए वह जनता से वोट मांगती। पिछले पांच साल के दौरान इस आदिवासी बहुल राज्य में भाजपा की सरकार आदिवासियों के हितों के खिलाफजितने काम कर सकती थी और गरीब आदिवासियों का जितना ज्यादा उत्पीडन कर सकती थी, उसने किया।

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल के अनुमान बता रहे थे विधानसभा त्रिशंकु रहेगी और भाजपा सबसे बडी पार्टी के रूप में उभरेगी। संभवतः यही अंदाजा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को भी था। इसी आधार पर उम्मीद जताई जा रही थी कि जिस तरह पिछले दिनों हरियाणा में और उससे पहले गोवा में भाजपा ने सरकार बनाई थी, उसी तरह झारखंड में भी उसकी सरकार बन जाएगी। इसीलिए पार्टी की ओर से ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) और झारखंड विकास मोर्चा के नेताओं से बातचीत शुरू हो गई थी। झारखंड के लिए भाजपा के केंद्रीय प्रभारी ओम माथुर और कुछ अन्य नेता भी मतगणना वाले दिन सुबह ही रांची पहुंच गए थे। मतगणना के दौरान शुरुआती दौर में टेलीविजन चैनलों पर भाजपा के तमाम प्रवक्ता कह भी रहे थे कि सबसे बडे दल के रूप में राज्यपाल की ओर से सबसे पहले सरकार बनाने का न्योता भाजपा को ही दिया जाएगा। लेकिन जब दोपहर बाद तस्वीर साफहो गई और यह भी साफहो गया कि झारखंड के मतदाताओं ने सूबे की राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को इस कडाके की सर्दी में आधी रात तक जागने या तडके नींद से उठने की तकलीफनहीं दी है। यानी झारखंड मुक्ति मोर्चा जेएमएम, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के महागठबंधन को स्पष्ट बहुमत से ज्यादा सीटें मिल गईं और विधानसभा में अकेले सबसे बडा दल भी जेएमएम ही रहा।

शबरी और केवट की संतानों ने बता दिया कि उन्हें राम मंदिर से पहले रोटी, रोजगार और खेत के लिए पानी चाहिए। उन्होंने बता दिया कि उन्हें विभाजनकारी नागरिकता कानून और एनआरसी नहीं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुकून और भाईचारा चाहिए। उन्होंने यह भी बता दिया कि गौरक्षा के नाम पर झारखंड को सांप्रदायिक गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने यह भी साफकर दिया कि उन्हें विकास के नाम पर राज्य के जल-जंगल-जमीन और अन्य प्राकृतिक संसाधनों को लूटने की कॉरपोरेट घरानों को खुली छूट देना स्वीकार नहीं किया जा सकता। नक्सली उन्मूलन के नाम पर बेगुनाह आदिवासियों को मारा जाना भी उन्होंने मंजूर नहीं किया। उन्होंने एक देश-एक विधान के

नाम पर जम्मू-कश्मीर के दो टुकडे कर उसका विशेष राज्य का दर्जा खत्म करने की कवायद को भी खारिज कर दिया। कुल मिलाकर जिन-जिन मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के लिए वोट मांगे थे, आदिवासी बहुत झारखंड की जनता ने उन सभी मुद्दों को सिरे से खारिज कर दिया। पिछले एक साल में झारखंड ऐसा पांचवा राज्य है, जहां भाजपा को सत्ता से बेदखल होना पडा है। पिछले साल दिसंबर में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ में भाजपा को हार का मुंह देखना पडा था। फिर लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा के चुनाव हुए जिसमें महाराष्ट्र भाजपा के हाथ से निकल गया और हरियाणा में वह अपनी हार के बावजूद चुनाव नतीजों के बाद गोवा की तर्ज पर खरीद-फरोख्त और जोडतोड के सहारे सरकार बनाने में कामयाब हो गई।

दरअसल झारखंड में भाजपा की पिछले पांच साल से चल रही राज्य सरकार के पास अपनी ऐसी कोई उपलब्धि नहीं थी, जिसके लिए वह जनता से वोट मांगती। पिछले पांच साल के दौरान इस आदिवासी बहुल राज्य में भाजपा की सरकार आदिवासियों के हितों के खिलाफजितने काम कर सकती थी और गरीब आदिवासियों का जितना ज्यादा उत्पीडन कर सकती थी, उसने किया। इसी वजह से झारखंड के आदिवासियों में नाराजगी थी। रघुबरदास सरकार ने आदिवासियों की हजारों एकड जमीन एक पूंजीपति घराने को बिजली घर लगाने के लिए दे दी थी और उनके विरोध को बेरहमी से कुचल दिया था। उन दस हजार से ज्यादा आदिवासियों पर देशद्रोह का मामला दर्ज कर दिया था, जिन्होंने अपने घर के बाहर पत्थरों पर यह लिख दिया था कि जो संविधान में आदिवासियों को अधिकार दिए हैं, हम उसकी बात करेंगे और उन अधिकारों के खिलाफसरकार के किसी भी फैसले को मंजूर नहीं करेंगे। किसान विरोधी काश्तकारी कानून में बदलाव को भी सूबे के लोगों ने पसंद नहीं किया। सूबे की सरकारी नौकरियों में स्थानीय लोगों की बहाली का मुद्दा बार-बार उठता रहा। हाई स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति में दूसरे राज्यों के उम्मीदवारों को अवसर दिए जाने का मामला भी खूब उछला। राज्य लोकसेवा आयोग की एक भी परीक्षा पिछले पांच सालों में नहीं हो पाई। अस्थायी शिक्षकों, आंगनबाडी सेविकाओं और सहायिकाओं पर लाठी चार्ज की घटनाओं से भी राज्य सरकार के प्रति नाराजगी थी। पिछले पांच साल के दौरान नफरत से प्रेरित अपराधों और अपराधियों के लिए यह राज्य अभ्यारण्य बन गया था। पूरे पांच साल के दौरान मॉब लिंचिंग की 22 घटनाएं सूबे में हुई और इन घटनाओं को अंजाम देने वाले तत्वों को न सिर्फ राज्य सरकार की सरपरस्ती हासिल रही बल्कि केंद्र सरकार के मंत्री भी मॉब लिंचिंग के गुनहगारों का सार्वजनिक तौर फूलमाला पहनाकर अभिनंदन करते रहे।

ऐसा नहीं है कि भाजपा नेतृत्व को झारखंड की सियासी हवा का अंदाजा नहीं था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष तथा गृह मंत्री अमित शाह को अच्छी तरह मालूम था कि वहां इस बार का चुनावी मैदान भाजपा के लिए बहुत आसान नहीं है और कोई चमत्कार ही भाजपा की सत्ता में वापसी करा सकता है। खुफिया एजेंसियों के जरिए भी उन्हें लगातार जमीनी हकीकत की जानकारी मिल रही थी। इसीलिए झारखंड का चुनाव महाराष्ट्र और हरियाणा के साथ नहीं कराया गया, जबकि प्रधानमंत्री मोदी पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की बात अक्सर करते रहते हैं। झारखंड का चुनाव अगर महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव के साथ कराया जाता तो मोदी और शाह चुनाव प्रचार के लिए झारखंड को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। लिहाजा भाजपा के इन दोनों शीर्ष नेताओं की सुविधा का ध्यान रखते हुए चुनाव आयोग ने पूरी तरह से भाजपा के सहयोगी दल की भूमिका निभाई। महज 81 सीटों वाली विधानसभा का चुनाव उसने तीन सप्ताह में पांच चरणों में कराया, ताकि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को वहां चुनाव प्रचार के लिए ज्यादा से ज्यादा समय मिल सके। हालांकि चुनाव आयोग की यह हिकमत अमली भी भाजपा के किसी काम नहीं आ सकी।

- (संवाद)

राज्यों में कमजोरी को सुधारे भाजपा

रमेश सर्राफ

> झारखंड विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की हार ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को सोचने पर मजबूर कर दिया है। कुछ दिनों पूर्व महाराष्ट्र में भाजपा के हाथ आयी सत्ता महज इसलिये फिसल गई थी कि शिवसेना को देवेन्द्र फड़नवीस का नेतृत्व स्वीकार नहीं था। भाजपा वहां हर हाल में फड़नवीस को ही दूसरी बार मुख्यमंत्री बनाना चाहती थी। महाराष्ट्र मराठा प्रभाव वाला राज्य हैं। भाजपा ने पूरे पांच साल वहां गैर मराठा देवेन्द्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री बनाये रखा जिसे प्रदेश के मराठा वोटरों ने स्वीकार नहीं किया फलस्वरूप शिवसेना के विश्वासघात से सरकार नहीं बन पायी।

झारखंड भी भाजपा के हाथ से निकल चुका है। झारखंड में भाजपा की हार का मुख्य कारण मुख्यमंत्री रघुवरदास को माना गया है। चूंकि झारखंड एक आदिवासी बहुल आबादी वाला प्रदेश है। वहां की जनता किसी आदीवासी समाज के नेता को ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा देखना चाहती है। भाजपा ने वहां पिछड़े वर्ग के रघुवरदास को मुख्यमंत्री बनाया था। इसलिये आदिवासी मतदाता भाजपा से दूर होते गये। आदिवासी फैक्टर के चलते ही झारखंड विधानसभा चुनाव में आदिवासी प्रभाव वाली 28 में से भाजपा को मात्र दो सीटो पर ही जीत मिल पायी है। प्रदेश के आधे जिलों में तो भाजपा का खाता भी नहीं खुल पाया है। भाजपा ने झारखंड में आदिवासी वोट बैंक साधने के लिए ऐसे नेताओं को आगे नहीं किया जिसके आदिवासी वोटों पर अच्छी पकड़ हो। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के भाजपा से छोडने के बाद अर्जुन मुंडा भाजपा का मुख्य आदिवासी चेहरा रहे हैं। लेकिन अर्जुन मुंडा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी आदिवासी वोटो पर अपनी पूरी पकड़ नहीं बना पायी।

झारखंड में भाजपा की हार का बड़ा कारण मुख्यमंत्री रघुवरदास का अक्खड़ स्वभाव व पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा करना भी रहा है। रघुवरदास सरकार में वरिष्ठ मंत्री सरयू राय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ताला मरांडी, सरकारी मुख्य सचेतक राधाकृष्ण किशोर जैसे अन्य कई वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटने से भी पार्टी कैडर में गलत संदेश गया। उपर से दलबदलूओं को टिकट दिया गया। इसीकारण दो को छोड़ कर भाजपा के सभी दलबदलू नेता चुनाव हार गये। दलबदलूओं को टिकट देने से भाजपा को आंतरिक बगावत का सामना करना पड़ा। भाजपा के पचास से अधिक नेताओं ने पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ा जिससे पार्टी को 18 सीटो पर नुकसान उठाना पड़ा। मुख्यमंत्री रघुवर दास को अपने ही मंत्रीमंडल सहयोगी सरयूराय के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। वही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुवा, विधानसभा अध्यक्ष दिनेश उरांव को भी हार का सामना करना पड़ा है। इससे झारखंड में भाजपा की स्थिति बहुत शर्मनाक हो गई है। विशेषकर मुख्यमंत्री की हार ने

भाजपा को झझकोर कर रख दिया है। ऐन चुनाव से पूर्व आजसू से भी गठबंधन टूटना भाजपा के लिये नुकसान दायक रहा। भाजपा से गठबंधन टूटने से आजसू को भी बहुत नुकसान उठाना पड़ा व उसके विधायको की संख्या पांच से घटकर दो ही रह गयी मगर आजसू को मिले वोट प्रतिशत में खासी बढ़ोत्तरी हुयी है। 2014 के विधानसभा चुनाव में आजसू को 3.68 प्रतिश मत मिले थे वहीं इस बार के चुनाव में बढ़ कर 8.02 प्रतिशत तक पहुंच गये। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि भाजपा का आजसू से पूर्ववत गठबंधन बना रहता तो दोनो ही दलों के विधायकों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हो सकती थी। मगर मुख्यमंत्री अपने सहयोगी आजसू को भी साधने में असफल रहे। वोटों की दृष्टि से देखा जाए तो झारखंड में भाजपा को सबसे अधिक 33.40 प्रतिशत वोट मिले हैं। जबकि कांग्रेस को 13.85 प्रतिशत झारखंड मुक्ति मोर्चा को 18.80 प्रतिशत आजसू को 8.02 प्रतिशत, राजद को 2.75 प्रतिशत, झारखंड विकास मोर्चा को 5.45 प्रतिशत, आप को 0.23 प्रतिशत, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी को 1.16 प्रतिशत, बीएसपी को 1.53 प्रतिशत, जनता दल यूनाइटेड को 0.73 प्रतिशत, एनसीपी को 0.42 प्रतिशत लोक जनशक्ति पार्टी को 0.1 प्रतिशत मत मिले। झारखंड में भाजपा ने अकेले चुनाव लड़ा और उसे 33.40 प्रतिशत मत मिले। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस व राष्ट्रीय जनता दल ने चुनाव पूर्व गठबंधन कर चुनाव लड़ा उस गठबंधन 35.35 प्रतिशत मत मिले। जो भाजपा से 1.98 प्रतिशत ही ज्यादा होते है। मात्र दो प्रतिशत वोटो के अंतर से भाजपा गठबंधन से 22 सीटें पीछे रह गयी।

झारखंड में 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 35.16 प्रतिशत, कांग्रेस को 13.90 प्रतिशत, झारखंड मुक्ति मोर्चा को 20. 93 प्रतिशत, आजसू को 3.68 प्रतिशत मत मिले थे। इस तरह देखें तो 2014 की तुलना में 2019 में आजसू को छोडक़र बाकी सभी पार्टियों के मतों के प्रतिशत में गिरावट आई है। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का आजसू के साथ गठबंधन था। तब भारतीय जनता पार्टी ने 14 में से 11 सीटों पर व आजसू को एक सीट पर जीत मिली थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में अकेले भाजपा को 50.96 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस को 15.63 प्रतिशत, झारखंड मुक्ति मोर्चा को 11.51 प्रतिशत व आजसू को 4.35 प्रतिशत मत मिले थे। झारखंड में भाजपा को पिछले चुनाव में 37 सीटें मिली थी उसे 12 सीटों का नुकसान हुआ है। आजसू को 5 सीटें मिली थी उसे 3 सीटों का नुकसान हुआ है। झारखंड विकास मुक्ति मोर्चे को 5 सीटों का नुकसान हुआ है। वहीं कांग्रेस को 10 व झारखंड मुक्ति मोर्चा को 11 सीटों का लाभ हुआ है।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मैं तुम्हारी हर नादानी स्वीकार कर लूँ

मैं, तुम्हारी हर नादानी स्वीकार कर लूँ, नहीं होगा क्या कहते हो बेईमानी स्वीकार कर लूँ,नहीं होगा माली की बगावत है कि चमन सिर्फ उसका है हर एक की आनी जानी स्वीकार कर लूँ,नहीं होगा

- नीरू श्रीवास्तव

दुआओं से भरी झोली नया पैगाम लाएगा

दुआओं से भरी झोली नया पैगाम लाएगा भला सबका करेगा और अच्छा बन दिखाएगा नई उम्मीद दामन में नई किरणे मुस्काएंगी हँसेंगे फूल कलियाँ साल ये सबको रिझाएगा

- ज्योत्सना सक्सेना

खास पाती

साल नया है हाल नया

साल नया है हाल नया, दिखलाओ कुछ कमाल नया। शीत ऋतु का है सहर अमाल नया! कर जाओ धमाल नया!! उतार दो पोंगापंथी का झोला फेंक दो जातीयता का चोला, नव वर्ष के नव उमंग में पहनो पहनाओ खाल नया। देखो जीवन को खुशहाल नया! कूपंथीयों को देदो पामाल नया!! साल नया है हाल नया, दिखलाओ कुछ कमाल नया। शिक्षा की तुम दीक्षा लो संस्कृति की भीक्षा लो, स्वावलंबन को पहचानो खुद की ही तुम परीक्षा लो। देदो एक हर्ष नया, उत्कर्ष नया! रीत नई प्रीत नई मधुर मीठी संगीत नई, अलाल को भी कर दो मालामाल नया। लहराओ रुमाल नया। साल नया है हाल नया, दिखलाओ कुछ कमाल नया। **- बिद्दू पुरोहित**

अगर चाहते हो रहे देश सदा खुशहाल

अगर चाहते हो रहे,देश सदा खुशहाल तो दंगो को छोड़ तो,ये कुछ की है चाल अगर बाहर घुसपैठिये,करना हो मंजूर तो बिल को स्वीकारिये,करो क्लेश को दूर एक समस्या थी बड़ी,ये अवैध घुसपैठ समाधान अब हो गया,सुनो शान्ति से बैठ बहुत बड़ी थी प्रोबलम,अब होगी पहचान कोई अवैध नागरिक , ना होगा महमान जिसे जलाया आपका,अपना ही है माल कुछ कपटी फैला रहे,अफवाहो का जाल। **- शालिनी शर्मा**

भूखे नंगे देखते , आया क्या नव साल

भूखे नंगे देखते , आया क्या नव साल ।जैसे पहले हम रहे , बदला अपना हाल ।। बदला अपना हाल , वसन जो फटा पुराना । रहते हम खुशहाल ,कहे क्या हमें जमाना ।। कहते संत फकीर , बुरे जन करते दंगे । फेड़ो बम तुम आज ,रहे हम भूखे नंगे ।

- नवीन कुमार तिवारी

मुश्किलों को हौसले से आजमाना चाहिये

मुश्किलों को हौसले से आजमाना चाहिये, बेहिचक होकर कदम आगे बढ़ाना चाहिये .. हमने अपने पांव में जो बेड़ियां बांधी स्वयं, टूटने में उनको थोड़ा वक्त जाना चाहिये .. देख बेकाबू हवाएं मुझसे चिड़िया ने कहा, घोसला बिखरे अगर तो फिर बनाना चाहिये .. जो न हो खुद को गवारा काम ऐसा क्यों करें, दिल लगे ना क्यों हमे उस जगह जाना चाहिये।

- निश्चय वाजपेई

भुजंग लता पर चिपटा ला तो दो कोई चिमट

भुजंग लता पर चिपटा ला तो दो कोई चिमट काट खायेगा जहरीला है देख इसका रंग नीला है आओ ! कोई सपेरे को बुलाओ अमरबेल है ,इसको समझाओ आकार इसका दूर से ही डरायेगा लता का ये ना कुछ कर पायेगा भुजंग से निपटे ,जिसको लता चाहिए क्या होता है,देखते हैं आप सब आईये।

- प्रवीण माटी

गुमराह भी हुँ मैं गुमनाम भी हुँ

गुमराह भी हुँ मैं गुमनाम भी हुँ अपने ख्वाबों का गुलाम भी हुँ यूँ तो है मुझमें ऐब बहुत हर दिल का मैं अरमान भी हुँ अगले जन्म लगाऊंगा कीमत अपनी इस जन्म तो खुदसे नाकाम भी हुँ!!

- सोनिया राय

कैलेंडर साल मे एक बार निकलने वाला मैगज़ीन

कैलेंडर साल मे एक बार निकलने वाला मैगज़ीन पल - शब्द घंटे - पंतियाँ दिन - पन्ने हफ्ते - कहानियां महीने- उपन्यास साल दर साल अंत रद्दी की टोकरी कुछ पन्ने अभी बाँकी हैं 2019 मैगज़ीन के।

- शीखा लाहीरी

लघु कथा

प्रकृति राष्ट्रवाद से अनभिज्ञ

वह देश के साथ बिलकुल नहीं था, एक बार के विद्रोह ने ही पोल खोल दी वह तिलमिला गया, उसने अब जो भी प्रस्तुतियां दी थी, ये सब उनके खिलाफथी, खुद को हारा हुआ उसे स्वीकार न था, क्यों की वह एक सीमित विचारधारा पर काम कर रहा था, वो देश नहीं थी, उसने वो काम किये जैसा की कोई उम्मीद नहीं करता. वह खुद ही भयभीत घबराहट को छुपाते गया, और जोर से शोर मसगुल होता गया. जैसे जैसे उसे खयाल आया तब तक सबकुछ जैसे कोई जलजला जल,वायु, धरातल, अग्नि, आकाश जैसे अपने हाथों में लेकर कोई अंजाम दे रहे हो. अब उनके सामने जैसे कोई .??? प्रकृति राष्ट्रवाद से अनभिज्ञ रहती है शायद ! अस्तित्व नास्तिक है. महाभूत अपने धर्म पर कायम. वे जीव-जन्तु ही है जो. प्रकृति वा अस्तित्व से सामंजस्य स्थापित कर लेते है. क्षेत्र कोई भी हो. मनुष्य सभ्यता/संस्कृति एक जीवनशैली से ज्यादा नहीं हो सकती।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1668 - मराठा शासक शिवाजी के पुत्र संभाजी की मुगल शासक औरंगजेब द्वारा कैद कर यातना देने के कारण मौत हुई। 1836 - स्पेन ने मेक्सिको की स्वतंत्रता को मान्यता दी। 1885 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पहला अधिवेशन बंबई (अब मुंबई) में हुआ। 1896 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में पहली बार वंदे मातरम गाया गया। 1908 - इटली के मेसिना में भूकंप से करीब 80 लोग मारे गये । 1932 - प्रसिद्ध उद्योगपति धीरूभाई अंबानी का जन्म। 1937 - प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का जन्म। 1957 - तत्कालीन रूस ने परमाणु परीक्षण किया। 1972 - प्रख्यात लेखक एवं दार्शनिक चक्रवर्ती राजगोपालाचारी का निधन।

कांग्रेस की डिनर पालिटिक्स, मगर नाम लेने से परहेज

- महापौर के दावेदार 5 मगर तय करेंगे सीएम, निर्दलीय 5 पार्षदो को साथ लाने की कोशिश
- भाजपा अंतिम समय में चल सकती है दांव

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। महापौर कौन बने और कौन पार्षद सबसे योग्य है इसके लिए विचार मंथन कांग्रेस में चल रहा है साथ ही निर्दलीय 5 पार्षदो को खेमे में लाने जोड़तोड़ भी चल रहा है । कांग्रेस महामन्त्री पूरे 70 प्रत्याशियों को डिनर देकर मेलमिलाप भी कर चुके मगर कांग्रेस से महापौर प्रत्त्याशी के नाम का खुलासा नही हो रहा । उधर भाजपा नेता मौन जरूर है मगर वहां क्या खिचड़ी पक रही है यह गोपनीय है । भाजपा के 30 पार्षद है इस लिहाज से अंतिम समय मे भाजपा कोई चमत्कार कर दे तो आश्चर्य नही होगा । कांग्रेस के डिनर पॉलिटिक्स की शहर विधायक को जानकारी तक नही होना यह बताता है कि कांग्रेस में क्या चल रहा है जबकि विधायक ने पार्षद चुनाव में दर्जन भर से ज्यादा कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में उनके वार्ड जाकर प्रचार किया था।

निगम में महापौर और सभापति का चयन 4 जनवरी तक हो जाना है । चूंकि कांग्रेस के पास सर्वाधिक 34 और स्व शेख गफ्फार की जीत को मिला दें तो 35 पार्षद है इस लिहाज से महापौर कांग्रेस का ही बनना चाहिए मगर राजनीति में सब कुछ सम्भव है । निर्दलीय 5 पार्षद है जिन्हें कांग्रेस कहती है कि उनसे बातचीत चल रही है । महापौर कांग्रेस का होगा इसमें दो राय नहीहै लेकिन बड़ा प्रश्न है महापौर कौन होगा ?

भाजपा के 30 पार्षद है इसलिए वह चुप है और महापौर पद को लेकर उसने हथियार डाल दिया है ऐसा जो लोग सोच रहे है वे गलतफहमी में है । भाजपा हमेशा आखरी वक्त में दांव चलती है उसके पहले जो रणनीति बनाई जाती है उसकी कानोकान खबर किसी को नही होती । मेयर चुनाव में भी भाजपा चुप नही बैठने वाली है। कांग्रेस प्रदेश महामंत्री अटल श्रीवास्तव ने पार्टी के सभी हारे जीते 70 पार्षद प्रत्याशियों को डिनर पर बुलवाया। जाहिर है चर्चा होनी थी कि मेयर प्रत्याशी के नाम पर रायसुमारी हुई होगी मगर इस चर्चा को यह कहकर विराम देदिया गया कि डिनर आयोजन में इस पर कोई बात नही हुई । मेयर के लिए 4,5 दावेदार है जिसपर मुख्यमंत्री और पार्टी जो तय करेंगे उस पर अमल किया जाएगा साथ मे एक बात और कहा गया कि वरिष्ठता और निगम के कार्यो का अनुभव पर ध्यान दिया जाएगा । इसका मतलब पहली बार पार्षद का चुनाव लड़े महापौर के दावेदार पार्षद का पत्ता साफहो जाएगा ।

कांग्रेस महामंत्री के डिनर की जानकारी शहर विधायक को नही होना यह साबित करताहै कि पार्षद चुनाव में बहुमत पा जाने के बाद भी कांग्रेस में सब कुछ सामान्य नही है और गुटीय राजनीति हावी है । यह ठीक है कि महापौर के लिए नाम का चयन मुख्यमंत्री और पीसीसी द्वारा ही किय्या जायेगा और वही फाइनल होगा लेकिन शहर विधायक की इसमें कोई भूमिका होगी कि नही और उन्हें अपनी राय रखने की अनुमति रहेगी भी कि नही इसको लेकर चर्चाओ का दौर शरू हो गया है। पार्षद चुनाव में कांग्रेस भाजपा दोनो में निचले और ऊपर स्तर तक जमकर भितरघात हुआ है । विरोधी प्रत्याशियों को मदद पहुंचाई गई है । भाजपा के एक पार्षद प्रत्याशी को कांग्रेस प्रत्याशी की बड़ी चिंता थी उसने कांग्रेस प्रत्याशी को जितवाने निर्दलीय प्रत्याशी का नाम वापस लेने प्रयास किये।

एक भाजपा नेता का ऑडियो वायरल हुआ है जिसमे वह महापौर के प्रबल दावेदार भाजपा प्रत्याशी को हरवाने की बात कह रहा है । भाजपा प्रत्याशी को हरवाने पार्टी के कार्यकर्ता को बागी बनाकर चुनाव लड़वाया गया । कांग्रेस का एक प्रत्याशी खुद तो हार गया मगर उसने एक अन्य कॉंग्रेस प्रत्याशी को हरवाने निर्दलीय प्रत्याशी खड़ा कर दिया था । सवाल यह उठता है कि कितने भीतर घातियो को पार्टी से निकाला जाएगा ? कांग्रेस भाजपा दोनो में सुनियोजित ढंग से पार्टी प्रत्याशियों को हराने के खेल चला है ।

मड़ई और दीपका क्षेत्र में सड़क हादसा, दो की मौत

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। एनएच 111 के अंतर्गत मड़ई में एक मालवाहक ने दूसरे को पीछे से टक्कर मार दी। इस घटना में एक चालक की मौत हो गई। वहीं एसईसीएल दीपका मोड़ के पास हाईवा ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। बाइक सवार एसईसीएल कर्मी की मौके पर सांसें थम गई। औपचारिक रूप से उसे एनसीएच गेवरा ले जाया गया। चिकित्सक ने परीक्षण के साथ उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों घटनाओं में मर्ग कायम किया है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बांगो पुलिस थाना के अंतर्गत मड़ई गांव के पास हाइवे में बीती रात्रि 12 बजे हादसा हुआ। इसमें ट्रक चालक की मौत हो गई। थाना प्रभारी एस.एस.पटेल ने बताया कि मड़ई क्षेत्र में आवाजाही के दौरान हुई घटना में वाहन क्रमांक सीजी-07एमबी-1465 के चालक रामजी यादव निवासी झारखंड की केबिन में दबने से मौत हो गई। पता चला कि ट्रक क्रमांक सीजी-12एजेड-2342 आगे-आगे चल रहा था। इसके पीछे वह वाहन था जिसे यादव चला रहा था। उसने कई बार ओवरटेक करना चाहा, घटना को लेकर ऐसा माना जा रहा है। एकाएक सामने से किसी वाहन के आने पर आगे चल रहे ट्रक चालक ने ब्रेक लगाया होगा, इसके नतीजन पीछे चल रहे वाहन की उससे टक्कर हो गई। इससे वाहन के डाला से पीछे के वाहन का केबिन जा टकराया। इससे रामजी यादव उसमें दब गया और उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर स्थानीय पुलिस ने मौके का जायजा लिया। आज सुबह आवश्यक कार्रवाई की गई।

सूचनाओं के अनुसार एसईसीएल कर्मी वीरेंद्र राठौर कटघोरा विकासखंड और हरदीबाजार पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले ग्राम रलिया का निवासी है। वह दीपका विस्तार खदान में नियोजित है। आज सुबह राठौर प्रथम पाली में ड्यूटी करने के लिए बाइक पर सवार होकर खदान जा रहा था। इस दौरान रास्ते में दीपका पायपास मोड़ के पास उसे एक हाईवा ने चपेट में ले लिया। हाईवा की रफ्तार बहुत ज्यादा थी। विशालकाय वाहन के घेरे में आने से बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और एसईसीएल कर्मी लहूलुहान हो गया, उसे अंदरूनी चोटें भी आई। राहगीरों ने घटना को लेकर डायल 112 और पुलिस को सूचित किया। कुछ देर में पुलिस पार्टी यहां पहुंची और पीड़ित को एनसीएच गेवरा पहुंचाया गया।

हाइड्रा के जरिए हटाया दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को

बांगो थाना प्रभारी एस.एस.पटेल ने बताया कि मड़ई के पास हुए हादसे में दोनों वाहनों को आज सुबह हटा लिया गया। हालांकि प्राथमिक व्यवस्था रात में ही कर ली गई थी जिससे यहां जाम की स्थिति निर्मित नहीं हुई। लेकिन रात्रि में हाइड्रा आदि संसाधन उपलब्ध नहीं हो सके। आज इनकी सुविधा मिलने पर वाहनों को हटाया गया। मृतक के नियोजक और अन्य संबंधित को जानकारी दे दी गई है।

नवधा रामायण में हेलोजन फटा, 26 ग्रामीण सिम्स में भर्ती

डेढ़ सौ से अधिक मरीजों का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा इलाज

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। नवधा रामायण के दौरान चाइनिज हैलोजन फटने से ग्रामीणों की आंखों में असर, जलन और सूजन की शिकायत होने पर दो सौ ग्रामीणों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, वहीं 26 मरीज सिम्स रिफर किया गया ।

जिले के सीपत क्षेत्र में देवरी पन्धी से आई इस खबर से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है, चाइनिज हैलोजन लाइट से निकलने वाले हानिकारक तत्वों की वजह से गाँव के लगभग 200 से अधिक लोगो की आंखों में प्रभाव पड़ा है। दरअसल देवरी पन्धी में नवधा रामायण का आयोजन चल रहा है, जहाँ कथा के पांचवे दिन पंडाल में लगे चाइनिज हैलोजन लाइट फटने लगे और इसके बाद भी वो बंद नही हुए और देखते ही देखते इतने ग्रामीणों को प्रभावित कर दिया। घटना शाम 7 बजे के आस पास की है, जिसके बाद आज पूरे गाँव में इसका असर देखने को मिला और ग्रामीण सीपत स्वास्थ्य केंद्र पहुँचे, जहाँ स्वास्थ्य विभाग को इसकी जानकारी हुई और कैम्प लगाकर ग्रामीणों का उपचार किया जा रहा है।

26 ग्रामीणों की स्थिति को देखते हुए उन्हें आनन फानन में सिम्स रिफर किया गया है, जहाँ उनका उपचार शुरू हो गया है। वही अन्य ग्रामीणों का परीक्षण भी विभाग द्वारा किया जा रहा है, ताकि सही समय पर उपचार किया जा सके।

शीतलहर से बचाव के लिए शासन ने दिए दिशा-निर्देश

बिलासपुर । राज्य शासन द्वारा शीतलहर उत्पन्न होने की स्थिति में इससे बचाव एवं उपायों के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किया गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं मौसम विज्ञान केन्द्र के द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार प्रदेश में सामान्यतः माह दिसंबर एवं जनवरी के बीच ठंड की व्यापकता और कभी-कभी शीतलहर का रूप ले लेती है। इससे निःसहाय, आवासहीन, गरीब, वृद्ध एवं स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों के प्रभावित होने की संभावना बनी रहती है। इससे बचाव के लिये राज्य शासन द्वारा भी दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। शीतलहर से बचाव के लिये जितना संभव हो घर के अंदर रहें, अति आवश्यक कार्य होने पर बाहर निकलें। मौसम से संबंधित समाचार व आपातकाल के संबंध में जारी समाचारों को ध्यान से सुने। वृद्ध व्यक्तियों का ध्यान रखे तथा उन्हें अकेला न छोड़ें। यह भी सुनिश्चित करें कि पावर सप्लाई आपातकाल में भी रहे। ऐसे आवास का उपयोग करें जहां तापमान सही रहता हो, आवश्यकतानुसार गर्म पेय पीते रहे। बिजली का प्रवाह अवरूद्ध होने की स्थिति में फ्रीज में खाने के सामान को 48 घंटे से अधिक न रखें। शीतलहर से बचाव हेतु टोपी या मफ्लर का भी उपयोग किया जा सकता है अथवा सिर व कान को ढंककर रखें। यदि केरोसिन व कोल की हीटर का उपयोग करते हैं तो गैस व धुएं निकलने वाले रोशनदार की व्यवस्था रखें।

नागरिकता संशोधन अधिनियम और एनसीआर के विरोध में धरना कल

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर । नागरिकता संशोधन बिल और नेशनल सिटीजन रजिस्ट्रेशन को लेकर देशभर में हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा। अब मुस्लिम समाज के साथ अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक भी इस कानून का विरोध करते नजर आ रहे हैं।

शनिवार को एससी एसटी ओबीसी अल्पसंख्यक महासंघ के बैनर तले सुबह बिलासपुर के आंबेडकर चौक में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। महासंघ ने दावा किया है कि जब तक सरकार इस कानून को वापस नहीं ले लेती तब तक इसी तरह का विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री समेत तमाम मीडिया लगातार बता रहा है कि यह कानून बांग्लादेश पाकिस्तान और अफगानिस्तान से प्रताड़ित लोगों को नागरिकता देने का कानून है ना कि देश के ही नागरिकों से नागरिकता छीनने का। आगामी गुरुवार 2 जनवरी को नागरिकता संविधान संशोधन के पक्ष में नागरिक सुरक्षा मंच द्वारा विशाल रैली और आम सभा का आयोजन किया जाएगा। गुरुवार को गांधी चौक से लेकर नेहरू चौक तक यह रैली निकलेगी। नेहरू चौक में सभा का आयोजन किया जाएगा, जहां इसके समर्थन में सभी धर्म जाति और वर्ग के लोग अपनी बातें रखेंगे । इस रैली में 5000 से अधिक लोगों के शामिल होने की बात कही गई है, यानी एक तरफ जहां इस कानून का विरोध हो रहा है तो वही समर्थन में भी उससे कई गुना अधिक लोग सड़कों पर उतर रहे हैं।

एनटीपीसी सीपत में शीत कालीन बालिका सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। एनटीपीसी देश की सबसे बड़ी विद्युत उत्पादक कंपनी है, कंपनी विद्युत उत्पादन के साथ ही बालिकाओं के शिक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु सहायता प्रदान करता रहा है।

इसी तारतम्य में एनटीपीसी अपने सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत सीपत में दिनांक 25 से 31 दिसंबर 2019 तक बालिका सशक्तिकरण अभियान के साप्ताहिक रिफ्रेशर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पिछले ग्रीष्मकालीन सत्र में सम्मिलित होने वाले 120 बालिकाओं में से चिकित्सा जांच उपरांत स्वस्थ 94 बालिकाओं का चयन किया गया। इसका शुभारंभ दिनांक 25 दिसंबर को किया गया। बालिका सशक्तिकरण अभियान के शीतसत्र में एक सप्ताह का आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इस कार्यशाला में पूर्व की भांति बालिकाओं के व्यक्तित्व एवं प्रतिभा को तराशने विभिन्न प्रकार के गतिविधियों का आयोजन किया गया जा रहा है। योगा, ड्राईंग पेन्टिग, नृत्य एवं संगीत, खेलकूद, ताइक्वाडो, मनोरंजनात्मक कार्यक्रम एवं अकादमिक अध्यापन के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षित कर शिक्षित एवं सशक्त बनाकर एक नये आयाम प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

क्रिसमस के दिन शुभारंभ होने के कारण अनुठे तरीके से सान्टाक्लज द्वारा क्रिसमस टोपी एवं चकोलेट से साथ बच्चों का स्वागत हुआ। बालिका सशक्तिकरण अभियान के शुभारंभ अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक, सीपत, पऽकुमार राजशेखरन ने संबोधित करते हुए कहा कि बालिका सशक्तिकरण अभियान एनटीपीसी की बहुआयामी अभियान है।

सुव्यवस्थित चुनाव सम्पन्न कराने पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करें: कलेक्टर

बिलासपुर। जिले में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ.संजय अलंग ने आज सभी एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ जनपद एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा की। निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन 30 दिसंबर को पूर्वान्ह 10.30 बजे किया जाएगा। तत्पश्चात नाम निर्देशन पत्र लिये जायेंगे। जिला पंचायत सदस्यों का नाम निर्देशन पत्र जिला कलेक्टोरेट में निर्धारित किये गये कक्षों में लिये जायेंगे। इसके लिये तीन सहायक रिटर्निंग ऑफिसर होंगे। जनपद पंचायत क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर तहसीलदार होंगे। सरपंच-पंच के नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने के लिये संबंधित जनपद पंचायत क्षेत्र में कलस्टर बनाया गया है। कलेक्टर ने व्यवस्थित चुनाव संपन्न कराने के लिये पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने मतदाता सूची, मतदान केन्द्र, अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी, प्रशिक्षण, मतदान सामग्री वितरण, रूट चार्ट, वाहन व्यवस्था की जानकारी ली।

कार्यालय नगरपालिका परिषद नारायणपुर
जिला-नारायणपुर (छ.ग.)

क्रमांक/2350/न.पा./2019 नारायणपुर, दिनांक 26/12/2019

शुद्धि पत्र

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/1841/ दिनांक 13.11.2019 को आमंत्रित निविदा जो कि नगरीय क्षेत्र में दिनांक 25.11.2019 को आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण स्थगित था उक्त निविदा के लिए निम्नानुसार तिथि निर्धारित की जाती है :-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि - 31.12.2019 समय 5.00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि - 02.01.2020 समय 5.00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - 09.01.2020 समय 3.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 09.01.2020 समय 4.00 बजे

टीप :- निविदा की शर्तें नगर पालिका में अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद नारायणपुर

नए साल का जश्न शांतिपूर्वक मनाने के निर्देश

पुलिस ने होटल संचालकों को दी हिदायत, नियम तोड़ने पर होगी सख्त कार्यवाही

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। नए साल के जश्न की खुमारी में अगर किसी ने भी कानून के दायरे से बाहर जाने की कोशिश की तो उसके लिए नया साल का आगाज लॉकअप में होने जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से नव वर्ष की पूर्व संध्या पर जश्न मनाने का चलन चल पड़ा है ।इस दौरान कुछ हुड़दंगी शराब का नशा कर सड़कों पर तेज गति से वाहनों को चलाते हुए हुड़दंग करते हैं जिस कारण मारपीट छेड़छाड़ और विवाद की स्थिति बनती है, लिहाजा पुलिस थर्टी फर्स्ट की पार्टी में हुड़दंग को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने पूरी तरह तैयार है । इस संबंध में एक बैठक शुक्रवार को ली गई जिसमें सम्बंधित वर्गों को सख्त हिदायत दिए गए।

नए वर्ष पर होने वाले विभिन्न आयोजनों एवं समारोह के संबंध में बिलासपुर शहर के सभी होटल संचालकों एवं आयोजकों की बैठक बिलासपुर पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक शहर ओपी शर्मा के द्वारा आयोजित की गई। बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन आर्यन यादव उप पुलिस अधीक्षक यातायात विश्व दीपक त्रिपाठी एवं शहर के थाना प्रभारियों के अलावा शहर के सभी होटल संचालक एवं आयोजक उपस्थित रहे। बिलासपुर पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल के दिशा निर्देश पर यह बैठक बुलाई गई थी बैठक का मुख्य देश आने वाले नव वर्ष के कार्यक्रम समारोह पर होने वाले विभिन्न आयोजनों पर आवश्यक दिशा निर्देश देना था अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर ओपी शर्मा द्वारा पुलिस द्वारा बनाए गए दिशा-निर्देश जारी किए गए।

1 आयोजन के दौरान समुचित पार्किंग व्यवस्था रखें एवं यातायात को सुगम बनाएं

2 होने वाले सभी आयोजनों पर नियंत्रण रखें जिन स्थानों पर बाहरी कलाकारों के द्वारा कार्यक्रम किए जा रहे हैं उन स्थानों पर आवश्यक सुरक्षा देने संबंधी निर्देश दिए

3 नव वर्ष पर होने वाले बड़े आयोजनों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने के निर्देश दिए

4 आयोजित कार्यक्रम निर्धारित समय उपरांत बंद करने एवं लोगों के निकलने तक समुचित व्यवस्था की जवाबदारी आयोजकों पर तय की गई

5 माननीय न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप डीजे एवं वाद्य यंत्रों के उपयोग हेतु निर्देश दिए गए

6 आबकारी विभाग द्वारा जारी किया गया लाइसेंस के अनुरूप ही उपयोग हेतु निर्देश दिए गए

7 बाहर से आने वाले कलाकारों की सूची भेजने हेतु निर्देशित किया गया।

8 आने वाले आगंतुकों की समुचित सुरक्षा हेतु भी दिशा निर्देश जारी किया गया

नव वर्ष के स्वागत में शहर के होटलों में इवेंट का आयोजन किया जाना है इस दौरान कानून व्यवस्था बिगड़ने ना पाए इसके लिए होटल संचालकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं साथ ही 31 दिसंबर की शाम से रात तक शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात रहेंगे ताकि नए साल के जश्न के रंग में भंग ना पड़े।

कार्यालय प्राचार्य, किरोडीमल शासकीय पॉलीटेक्निक, रायगढ़ (छ.ग.)

फोन/फैक्स नं.-07762-222737 ई-मेल- kgprig11@rediffmail.com
क्रमांक/2259/2274/केजीपी/स्था./2019 रायगढ़, दिनांक 27/12/19

:: निविदा जमा करने की अंतिम तिथि में वृद्धि की सूचना ::

कार्यालय, प्राचार्य किरोडीमल शासकीय पॉलीटेक्निक, रायगढ़ की ओर से मेकेनिकल इंजी. विभाग हेतु पूर्व में जारी निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 10.12.2019 निर्धारित की गई थी, जिसमें पुनः एवं अंतिम संशोधन करते हुए निविदा **बिक्री की अंतिम तिथि-04.01.2019-5.00 बजे सायं तथा निविदा जमा करने की तिथि - 06.01.2019-02.00 बजे अपरान्ह निर्धारित** किया जाता है। निविदा की शेष नियम व शर्तें यथावत रहेगी।

निविदा प्रपत्र संस्था के वेबसाईट www.kgpraigarh.ac.in से भी प्राप्त किया जा सकता है।

स्थान :- कार्यालय, प्राचार्य किरोडीमल शासकीय पॉलीटेक्निक, रायगढ़

जी-75986/3

प्र. प्राचार्य
किरोडीमल शासकीय पॉलीटेक्निक
रायगढ़ (छ.ग.)

नगरपालिका अध्यक्ष-उपाध्यक्ष को लेकर दो गुटों में बटी पार्टी

- ज्यादातर पार्षद अनुभवी आरती के पक्ष में पहली बार जीतकर पार्षद सरोज के पक्ष में कम
- विकट स्थिति के बीच इस्तीफे की अटकलें तेज़ पालिका पर भाजपा की नजरें हुई तेज

नवप्रदेश संवाददाता

अध्यक्ष पद को लेकर बढ़ी खेमेबाजी

एक गुट अनुभवी आरती के साथ तो एक गुट पहली बार पार्षद बनी सरोज के साथ नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को पालिका में स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद अब अध्यक्ष /उपाध्यक्ष को लेकर कांग्रेस दो गुटों में बटने की जानकारी मिल रही है।बताया जा रहा है। की कांग्रेस के कुछ पार्षद पूर्व पालिकाध्यक्ष आरती रवि श्रीवास्तव के अनुभव के साथ जाने को तैयार दिख रहे है।लेकिन कुछ पार्षद वर्तमान अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ठाकुर की पत्नी को अध्यक्ष के साथ जाने को तैयार बताए जा रहे है।इसी तरह कुछ पार्षदो ने आरती रवि श्रीवास्तव जैसे अनुभवी अध्यक्ष के कार्यकाल में काम कर चुके पार्षद पहली बार जीतकर पहुँची सरोज ठाकुर के साथ काम करना बिल्कुल पसंद नही किए जाने की जानकारी मिली है।अब अध्यक्ष /उपाध्यक्ष का मामला प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के पाले में गेंद डाले जाने की खबर मिली है।अब इंतज़ार करना होगा की प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व किसे अध्यक्ष का ताज पहनाकर किसे उपाध्यक्ष बनाया जा रहा है।यह बात आने वाले कुछ समय पर स्पष्ट होगा।

मनचाहा पद नहीं मिला तो चल सकता है इस्तीफों का दौर

नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद अब अध्यक्ष उपाध्यक्ष की कुर्सी के लिए खींचतान मचा हुआ है।मिली जानकारी के अनुसार अध्यक्ष की प्रबल दावेदार व पूर्व पालिकाध्यक्ष आरती रवि श्रीवास्तव के पक्ष में माहौल बनता दिख रहा है।लेकिन अगर पार्षदों को खरीद फ़रोख्त कर अध्यक्ष बनाया जाता है।तो इस विकट स्थिति में कुछ पार्षदो के इस्तीफे की अटकलें लगाई जा रही है।इस पर भाजपा भी नज़रें बनाई हुई है।की अगर इस प्रकार की स्थिति बनती है।तो कांग्रेस के बागी पार्षदों को साध कर नगरपालिका में अहम भूमिका निभाकर अध्यक्ष/उपाध्यक्ष बना सकती है।

कांग्रेस के बागियों को लेकर बना सकती है शहर सरकार

बता दे की नगरपालिका चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन कुछ खास नही रहा है।फिर भी नगर पालिका के 21 वार्डों में कुल 7 पर भाजपा के प्रत्याशियों को जीत मिली है। और एक वार्ड में निर्दलीय प्रत्याशी को सफलता मिली है। हालांकि निर्दलीय प्रत्याशियों ने कांग्रेस को समर्थन देने की बात कही है।लेकिन भाजपा के पास 7 सीट होने के बावजूद शहर सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती दिख रही है। और कांग्रेस के खेल पर पैनी नज़र बनाए हुए है ।ज़रा सी चूक हुई और भाजपा दमख़म से पालिका में क़ब्ज़ा ज़माने में कोई देर नही करेगी।इस लिहाज से भाजपा भी कांग्रेस के अध्यक्ष /उपाध्यक्ष के खेल में नज़रे बनाए हुए दिख रही है।अगर किसी भी प्रकार की इस्तीफे की खबर आती है। तो भाजपा समर्थन देकर पालिका में क़ब्ज़ा जमाने मे कोई कसर नही छोड़ेगी ।

कांकेर। नगर पालिका परिषद का चुनाव तो खत्म हो चुका है ।लेकिन अध्यक्ष उपाध्यक्ष के चुनाव को लेकर कांग्रेस में सिर फुटौवल की स्थिति बनी हुई है। नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद भी अध्यक्ष उपाध्यक्ष को लेकर स्थिति अब भी साफ होती दिखाई नही दे रही है। हालांकि इस बार अध्यक्ष महिला होने व कांग्रेस की ओर से अध्यक्ष पद की प्रबल दावेदार रही आरती रवि श्रीवास्तव व सरोज ठाकुर दोनों ही चुनाव जीतकर पालिकाध्यक्ष के लिए ताल ठोकती नज़र आ रही है। दोनों विजेता प्रत्याशीयो की बात की जाए तो सरोज ठाकुर का यह पहला चुनाव है। और आरती रवि श्रीवास्तव पूर्व में पालिकाध्यक्ष की कमान सँभाल कर पालिका को चलाने का अनुभव है। साथ ही नगर में एकतरफा विकास कराने वाले विकासपुरुष शहीद रवि श्रीवास्तव के निर्माण व काँकेर की बदली तस्वीर रवि श्रीवास्तव की देन है।इस लिहाज से नगर की जनता जनार्दन की एक ही आवाज आ रही है।की इस बार नपाप की कमान विकास पुरूष रवि श्रीवास्तव की पत्नी आरती रवि श्रीवास्तव को दिया जाना चाहिए।

भानुप्रतापपुर नगर पंचायत चुनाव में उलटफेर रहा हार का कारण

- भाजपा के दिग्गजों की हुई हार कांग्रेस की वापसी के बाद अध्यक्ष को लेकर
- नगर में चर्चाओ का बाज़ार गर्म

नवप्रदेश संवाददाता

कांकेर/भानुप्रतापपुर। नगर पंचायत चुनाव में 2019 में मतगणना के दौरान दोनों राष्ट्रीय पार्टी भाजपा एवं कांग्रेस के बीच काटे की टक्कर देखने को मिला। वही अब मतगणना के साथ ही चुनावी माहौल तो शांत हो गई, लेकिन अभी भी कही कही वार्डो में पार्षद प्रत्याशी की जीत - हार को लेकर नगर में चर्चा का माहौल बना हुआ है। नगर के 02 एवं 15 नंबर वार्ड को कांग्रेसी वार्ड माना जा रहा है। वहां पर शुरू से कांग्रेस प्रत्याशी ही जीतते आई है,इसलिये भी कांग्रेस के द्वारा अन्य वार्डो इस वार्ड पर कोई खास ध्यान नही दिया गया जिसका इस बार वार्ड क्रमांक 15 नंबर में उलटफेर की स्थिति देखने को मिला। इस वार्ड से कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी जय प्रकाश पददा को 108 वोट प्राप्त हुये है वही प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी कमलेश कुमार गांवड़े को 123 मत प्राप्त होकर विजयी रहे। वही कांग्रेस के दिगज्ज एवं अध्यक्ष के प्रबल दावेदार रही श्रीमती भगवती गजेंद्र का नगर पंचायत चुनाव में लगातार जीत का रिकॉर्ड रहा है। लेकिन इस बार भी कांग्रेस को जीत की उम्मीद थी। वार्ड क्रमांक 05 से भगवती गजेंद्र को कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी बनाया गया जहाँ पर उनका सीधा मुकाबला भाजपा प्रत्याशी चंद्र कुमार कटझरे से था जहाँ कांग्रेस को 121 एवं भाजपा को 144 वोट प्राप्त हुआ। पूर्व में भगवती गजेंद्र को वार्ड क्रमांक 02 से विजयी हुई थी। वही भगवती गजेंद्र से चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि वार्ड क्रमांक 02 से पूर्ण तैयारी करली थी लेकिन सुनील बबला के लिये यह वार्ड छोड़ी थी,उसके बाद पार्टी द्वारा मुझे 10 नंबर से टिकट देने की बात कही गई वहा भी मेरे द्वारा वार्ड में 90 प्रतिशत तैयारी कर ली थी लेकिन वहां से भी मुझे बेदखल करते हुए वार्ड क्रमांक 05 से टिकट दिया गया। इतने कम समय मे तैयारी करना मुश्किल था यही हार का प्रमुख कारण रहा।वही इस बार बीजेपी के द्वारा करारी हार का प्रमुख कारण टिकट वितरण किये जाने की बात सामने आ रही। यदि 1 सीट और जीत जाती तो बीजेपी पुनः सत्ता में वापसी कर सकती थी लेकिन थोड़ी चूक पार्टी में आपसी गुटबाजी के चलते यह स्थिति निर्मित हुई। लोगो की माने तो गजानन्द डड़सेना भाजपा से विगत 3 बार लगातार पार्षद रहे इस बार भी यदि पार्टी से उन्हें टिकट दिए होते तो शायद स्थिति आज दूसरी होती। इस बार वार्ड क्रमांक 13 से कांग्रेस से सीधा मुकाबला था, जबकि बीजेपी राष्ट्रीय पार्टी होते हुए भी तीसरे स्थान पर रही। वही गजानन्द दूसरे स्थान पर रहे।

निखिल सिंह राठौर पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत ने कहा कि 2,9 एवं 11 वार्ड में बहुत कम मात्र चार चार मत के अन्तर से हारे है। ओवरहाल देखा जाए तो वोटो की गिनती में भाजपा अभी भी कांग्रेस से आगे रही है। पिछले 2014 नगर पंचायत की स्थिति में भाजपा 11 सीट पर थी वही कांग्रेस को 4 सीट पर संतोष करना पड़ा। वही 2019 में कांग्रेस इस बार 4 सीट बढ़ाने में कामयाब रही,वही भाजपा 04 सीट खोकर 07 में सिमट गई।

योग्य उम्मीदवार वंचित

स्थानीय चुनाव में प्रत्याशियों का चयन स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ता के द्वारा किया जाना चाहिए लेकिन टिकट वितरण का कार्य उच्च स्तर पर किया जाता है,इस लिए योग्य प्रत्याशी भी टिकट से वंचित हो जाती है जिसका खामियाजा पार्टी को हार के रूप में देखन पड़ता है।

जनपद चुनाव के पहले मतदाता सुधार अंतिम चरणों पर

कांकेर। शुक्रवार को जनपद पंचायत के सभाकक्ष में जनपद के अंतगर्त आने वाले 61 ग्राम पंचायत के सचिव आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर 2019-20 के मतदाता सूची का अंतिम कार्य पूर्णतः की ओर है ।मतदाता सूची के अंतिम प्रारूप की तैयारियों में सचिव जुटे हु। बता दे की पंचायत चुनाव के लिए 30 दिसम्बर से 6 जनवरी तक नामांकन पत्र भरे जाएंगे।

कलेक्टर और सीईओ ने किया धान खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

कांकेर। कलेक्टर के.एल. चौहान और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने आज जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों के धान खरीदी केंद्र संबलपुर, दुर्गूकोंदल, बड़गांव, बारदा और छोटे एवं बड़े कापसी धान खरीदी केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया और किसानों से रु-ब-रु बातचीत कर उन्हें धान को साफकर बेचने की समझाईश दी। खरीदी केंद्र प्रभारियों और नोडल अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिदिन की तौल क्षमता और स्टेकिंग क्षमता के आधार पर ही कूपन कांट कर किसानों का धान खरीदा जावे, ताकि. किसानों को अनावश्यक परेशानी न हो। खरीदी केन्द्र मे धान बेचने पहुंचे महिला कृषकों को तौल मे प्राथमिकता देने के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर और सी.ई.ओ. द्वारा प्रत्येक खरीदी केन्द्र मे बारदाना की जांच की गई, धान के स्टेकिंग की गिनती किया गया और खरीदे गये धान को तौला कर भी देखा गया एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।

अधिकारी कर्मचारी बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे

नवप्रदेश संवाददाता

- बिना अनुमति के मुख्यालय छोड़ने पर होगी अनुशासनात्मक कारवाई
- अवकाश के दिन भी कार्यालय खुले रहेंगे

बीजापुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव 2019.20 की अधिसूचना जारी हो चुकी है, तथा जिले में कार्यरत सभी अधिकारियों /कर्मचारियों की सेवाओं की आवश्यकता निर्वाचन कार्य हेतु है, यदि कतिपय अधिकारियों /कर्मचारियों को निर्वाचन ड्यूटी आदेश जारी या तामिल नही हुआ है तो भी इसका तात्पर्य यह न समझे की निर्वाचन ड्यूटी से मुक्त हैं उनकी ड्यूटी या तो लगाई जा रही है या उन्हें रिजर्व में रखा गया है। अतः जिले के समस्त अधिकारी ध्कर्मचारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे बिना जिला निर्वाचन अधिकारी की लिखित अनुमति के न तो अपना मुख्यालय छोड़ेगें औ न ही अवकाश पर प्रस्थान करेंगे भले ही उन्हें अवकाश पूर्व से स्वीकृत हो। यदि किसी मामले में इन निर्देशों की अवहेलना पायी जाती है तो दोषी व्यक्ति के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। साथ ही सभी कार्यालय प्रमुख को निर्देशित किया जाता है कि शासकीय अवकाश के दिनों में भी कार्यालय खुला रखेंगे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक

नवप्रदेश संवाददाता

नारायणपुर। आने वाले समय में रासायनिक खाद का उपयोग पूर्णतः बंद हो जायेगा। इसके लिए जरूरी है कि हम किसानों को रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करने और जैविक खाद का अधिक उपयोग करने हेतु जागरूक करें। किसानों के खेतों में उर्वरकों की पूर्ति के लिए हमें पहले से ही सजग होगा। इसके लिए कृषि एवं उसके सहयोग विभाग अधिक से अधिक जैविक खाद बनायें। जिससे आगामी खरीफ फसल हेतु हम किसानों को उपलब्ध करा सकें। राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरूवा और बाड़ी कार्यक्रम के तहत् नारायणपुर जिले में बनाये गये गौठानों के मवेशियों के लिए चारदान का भी प्रचार-प्रसार करें। जिससे गौठानों में रहने वाले मवेशियों को चारा मिल सके। इस कार्य में कोई लापरवाही ने बारती जाये। उक्त बातें कलेक्टर ने कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक के दौरान अधिकारियों से कही। बैठक में वनमंडलाधिकारी डीके चौहान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेम कुमार पटेल, एसडीएम दिनेश कुमार नाग, डिप्टी कलेक्टर सर्वश्री जी.एस.नाग, धनराज मरकाम, वैभव कुमार क्षेत्रज्ञ, सुश्री निधी साहू के अलावा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन करें

बीजापुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन चुनाव 23 दिसम्बर 2019 के लिए जिले के जनपद पंचायत बीजापुर , भैरमगढ़, भोपालपटनम एंव उसूर , आवापल्ली के निर्वाचन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है और इस घोषण के साथ ही इस जिले के समस्त जनपद पंचायतों के ग्रामीण क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। अतः आयोग के निर्देशानुसार आदर्श आचरण संहिता का पालन कड़ाई से किया जाना सुनिश्चित करें।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु अनुसूची जारी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 23 दिसम्बर 2019 से आदर्श आचार संहिता जिले के समस्त जनपद पंचायतों के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू किया जाकर पंचायत निर्वाचन 2019-20 के लिए प्रसारित निर्वाचन कार्य जो प्राप्त हुआ है। निर्वाचन की घोषणा की तारीख 23 दिसम्बर 2019, निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन स्थान, सीटो के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन , मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन, नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करना 30 दिसम्बर 2019 को, नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख 6 जनवरी 2020 को , नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा 7 जनवरी 2020 को, अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की तारीख 9 जनवरी 2020, निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना और निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन 9 जनवरी 2020, पहला चरण दिनांक 28 जनवरी 2020 बीजापुर में मतदान सुबह 6:45 से दोपहर 2 बजे तक , दूसरा चरण दिनांक 31 जनवरी 2020 को भोपालपटनम, उसूर में सुबह 6:45 बजे से 2 बजे तक एवं तीसरा चरण दिनांक 03 फरवरी 2020 भैरमगढ़ में मतदान सुबह 6:45 बजे से 2 बजे तक मतदान होगा। मतगणना का दिनांक 29 जनवरी 2020 को प्रातः 9 बजे से खण्ड मुख्यालय बीजापुर में, दिनांक 01 जनवरी 2020 को प्रातः 9 बजे से खण्ड मुख्यालय भोपालपटनम ध्उसूर में एवं दिनांक 4 फरवरी 2020 प्रातः 9 बजे से खण्ड मुख्यालय भैरमगढ़ में होगा। सारणीकरण एवं निर्वाचन परिणाम की घोषणा पंच, सरपंच , जनपद पंचायत सदस्य के मामले में खंड स्तर पर खंड मुख्यालय बीजापुर में दिनांक 30 जनवरी 2020 को प्रातः 9 बजे से , खण्ड मुख्यालय भोपालपटनम, उसूर में दिनांक 02 फरवरी 2020 को प्रातः 9 बजे से एवं खण्ड मुख्यालय भैरमगढ़ में दिनांक 5 फरवरी 2020 को प्रातः 9 बजे से होगा।

युवा कैरियर निर्माण योजना का प्राक्कयन परीक्षा आज

अम्बिकापुर। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त श्री जे.आर नागवंशी ने बताया है कि युवा कैरियर निर्माण योजना अंतर्गत संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की कोचिंग हेतु पात्र अभ्यर्थियों के निर्धारण के लिए प्राक्कयन परीक्षा का आयोजन 29 दिसम्बर 2019 को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक प्रयास बालक आवासीय विद्यालय सड्डू रायपुर तथा प्रयास बालिका आवासीय विद्यालय गुढियारी रायपुर में किया जाएगा। उन्होंने बताया है कि अभ्यर्थियों को प्रातः 10 बजे तक परीक्षा केन्द्र में पहुंचना अनिवार्य है। साथ ही परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र का प्रारूप स्वयं भरकर परीक्षा केन्द्र में लाना होगा। पृथक से प्रवेश पत्र नहीं दिया जाएगा।

पंचायत चुनाव की तैयारियों की समीक्षा एवं प्रशिक्षण संपन्न

नवप्रदेश संवाददाता

जांजगीर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जनक प्रसाद पाठक ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु नियुक्त रिटर्निंग और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देशित कर कहा कि वे अपने दायित्वों का गंभीरता पूर्वक निर्वहन कर स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करें। जिला पंचायत सभाकक्ष में आज आयोजित त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा है कि सभी रिटर्निंग, सहायक रिटर्निंग आफिसर को चुनाव संबंधी कार्यो के नियम, प्रक्रिया की पुख्ता जानकारी हो तथा वे पंचायत राज अधिनियम-1995 का गहन अध्ययन कर पूरे आत्म विश्वास के साथ पंचायत चुनाव संपन्न कराएं। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक खंड में चुनाव कार्य हेतु सहायक रिटर्निंग, अतिरिक्त रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति आयोग द्वारा अधिकृत विभागीय अधिकारियों में से ही करें।

कलेक्टर ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में नामांकन से लेकर चुनाव परिणाम तक के प्रत्येक चरण के कार्य की नियत समय सीमा है। अतः नियत समय में चुनाव के प्रत्येक चरण का काम सही, निष्पक्ष रूप से संपन्न हो इसके लिए सभी रिटर्निंग अधिकारी आज के प्रशिक्षण में चुनाव संबंधी कार्या के लिए दी गई जानकारियों को आत्मसात कर लें।

दौरा कार्यक्रम धान खरीदी को लेकर निरीक्षण करने पहुंचे थे अधिकारी

पहली बार 25 साल बाद नक्सलगढ़ पहुंचे कलेक्टर चौहान

- कलेक्टर के दर्शन कर अचंभित हुए ग्रामीण

नवप्रदेश संवाददाता

कांकेर। जिले का अतिसवेदनशील इलाका कहलाने वाले ग्राम संगम जहाँ नक्सली गतिविधियों के लिए कुख्यात गढ़ माना जाता है। संगम गांव नक्सलियों के के निशाने वाला गाँव माना जाता है। लेकिन इस गांव के लोग गुरुवार को अचंभित दिखे क्योंकि इस संगम गांव में करीब 25 साल बाद काँकेर कलेक्टर के एल चौहान के कदम पड़े। दरअसल धान खरीदी के अनियमितता के निरीक्षण के दौरान कांकेर कलेक्टर देर रात संगम गांव पहुंचे थे। धान खरीदी केंद्र में कलेक्टर के आगमन को देखते हुए ग्राम जन पहुंचने लगे। हालांकि इस खरीदी केंद्र में कुछ भी अनियमितता नजर नहीं आई ।पर गांव वासियों ने छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद पहली बार कांकेर कलेक्टर के एल चौहान को अपने बीच पाकर खुशी जाहिर की। गांव के दीपक मंडल का कहना है कि उन्होंने पहली बार कलेक्टर को अपने गांव में देखा इसके पहले 1994 में बाढ़ की विभीषिका के मद्देनजर कलेक्टर आए थे। गांव में कलेक्टर को देखकर ग्रामीणों ने अपनी कई समस्याओं को रखा जिसमे समस्याओं की पूरी होने की उम्मीद जगी है। दरअसल धान खरीदी में कई प्रकार की अनियमितता सामने आई थी जिसके तहत राज्य स्तर के अधिकारी पखांजूर पहुंच कर कारवाई की थी जिसके तहत दो लोगो की गिरफ्तारी भी हुई है। जिसके चलते कांकेर कलेक्टर ने आज धुआंधार कई धान खरीदी केन्द्रों में जाकर छापामार कार्रवाई की। जिसमे से कई केन्द्रों की पहले से ग्रामीणों द्वारा अनियमितता की शिकायत की गई थी। जिसके तहत बरहेली गांव में 200 बोरी धान को जप्त करने की कारवाई की गई । साथ ही संबलपुर , दुर्गकोंडल, बड़गांव, बार्दा, छोटे एवम् बड़े कापसी, संगम जैसे धान केन्द्रों में कलेक्टर ने दबिश दी और सुचारू रूप से कार्य करने के निर्देश केंद्र प्रभारी को दिए।

अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन-आबंटन की कार्यवाही शासन के गाइडलाइन के अनुसार करें

नवप्रदेश संवाददाता

अम्बिकापुर। कलेक्टर डॉ0 सारांश मित्तर ने कहा है कि आज यहां नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन तथा शासकीय भूमि के आबंटन की कार्यवाही में अतिक्रमित भूमि का चिन्हांकन कर शासन द्वारा निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार गणना पत्रक तैयार करें। अतिक्रमित शासकीय भूमि का व्यवस्थापन तथा आबंटन करने के लिए ऐसी भूमि का चिन्हाकंन करें जिसकी लोकबाधा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सुविधा, लोक प्रयोजन, पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से सुरक्षित रखने की आवश्यकता न हो। कलेक्टर ने यह निर्देश आज यहां कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन शासकीय भूमि के आबंटन एवं वार्षिक भू-भाटक के निर्धारण एवं वसूली के प्रक्रिया संबंधी बैठक में अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर डॉ. सारांश मित्तर ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमित शासकीय भूमि के आबंटन में नजूल भूमि के साथ वन विभाग की भूमि न हो इसका विशेष ध्यान रखें। अतिक्रमणकारियों की जमीन की नाप-जोक सही-सही करें तथा गाइडलाइन के अनुसार दर का निर्धारण सावधानीपूर्वक करें। कलेक्टर बताया कि अतिक्रमित शासकीय भूमि के व्यस्थापन के समय प्रब्याजी का निर्धारिण प्रचलित गाइडलाइन यदि कोई व्यक्ति नगरीय क्षेत्र में स्थित व्यवस्थापन के समय राज्य शासन का व्यवस्थापन कराना चाहता है तो प्रचलित गाइडलाइन की 150 प्रतिशत के बराबर किया जाएगा।

धान बेचने किसानों को रोज मुसीबतों का करना पड़ रहा सामना

■ टोकन के बाद, खरीदारी हुई ठप्प

नवप्रदेश संवाददाता

मुंगेली। धान खरीदी को लेकर नयी नयी चीजे देखने को मिल रही है जहा किसानों द्वारा टोकन कटाने को ले कर तकलीफों से बचने के लिये नए नए पैतरे अपनाए जा रहे हैं। वही दूसरी तरफ प्रशासन भी पारदर्शी लाने के लिये नये तरीके अपना रही है। जहां खरीदी के बीच मे ऑपरेटरों के तबादले कर दिए गए वही। तबादले के दूसरे दिन ही सभी ऑपरेटरों द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में जमावड़े से केंद्रों में खरीदारी पूरी तरह से ठप हो गई। जिसके चलते किसानों को अच्छी खासी मुसीबतों का सामना करना पड़ा ।

बेमौसम बरसात ने बढ़ाई किसानों की चिंता

बेमौसम बारिश ने जहा किसानों के माथे में चिंता की लकीर खिंच दी है, सोसायटियों ने जहां परिवहन की समस्याएं तो थी ही वही ऑपरेटरों का असमय तबादला टोकन कटने में देरी का सबब बनता जा रहा है, जिसके चलते किसानों में भी अब धीरे धीरे आक्रोश व्याप्त होता जा रहा है, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार निरजाम के किसानों ने टोकन की लंबी लाइनों से त्रस्त होकर अपने जगह अपने जूता चप्पलों को लाइन में रख अपनी बारी का इंतजार करते नजर आने लगे हैं।

हजारों क्विंटल धान खुले में पड़े

शासन द्वारा महज कागजी कार्यवाही के चलते हजारों क्विंटल धान खुले में पड़े हैं बेमौसम बारिश ने प्रशासन की तैयारियों की पोल खोल दी। किसानों को अपनी खुद की व्यवस्था में ही सोसायटियों में लाये गेये धान को बारिश से बचाने की जुगत करनी पड़ रही है।

इनका कहना है

लम्बी लाइन में लगकर बड़ी मुश्किल से टोकन कटा था उसके बाद बेसमय बरसात में धान को ढकने की व्यवस्था तक नही की गई है जिसके चले धान खुले में भीग रहा हैं ।

लक्ष्मी नारायण पांडेय, किसान

40 घण्टे बाद डॉक्टर के शव का परीक्षण कर, परिजनों के किया गया सुपुर्द

■ हार्ट अटैक से हुई मौत, पर शरीर पर चोट के निशान देख परिजनों ने जताई चिंता

नवप्रदेश संवाददाता

दन्तेवाड़ा। कटेकल्यान चिरायु के महिला पुरुष डॉक्टरों सहित 9 लोगों की टीम 25 दिसम्बर को क्रिसमस मनाने झारालावा झरने पर गये थे। जहाँ दल के डॉक्टर नागेंद्र प्रताप की रहस्यमयी ढंग से वापसी के दौरान अचानक मौत हो गयी। जिसके बाद मृतक डाक्टर का शव जिला अस्पताल मर्चुरी में परिजनों के इंतज़ार के लिए रखा गया। मृतक डॉक्टर मनेन्द्रगढ़ कोरिया का रहवासी है। परिजनों को सब शव परीक्षण से पहले शव दिखाया गया तो गले मे और पीठ पर कटे के निशान नजर आये। जिसके बाद परिजनों में मृतक डॉक्टर के भाई ने बताया कि डॉक्टर नागेंद्र 27 वर्ष के अविवाहित थे। साथ ही वे कोई नशा भी नहीं करते है। अचानक हार्ट अटैक से कैसे मौत हो गयी समझ नहीं पा रहे हम लोग। इधर शवपरिक्षण के बाद प्रारम्भिक जांच में हार्ड फैल होने से मौत बताई गई है। सबसे बड़ी बात मानवीय संवेदना प्रकट करने की बजाय जिला अस्पताल प्रबंधन मृतक डॉक्टर को एक गाड़ी तक सही से मोहिय्या नही करा पा रहा था। और हजार किलोमीटर दूर जाने के लिए एक छोटी सी एम्बुलेश दे दी थी। मगर दन्तेवाड़ा की मीडिया ने दन्तेवाड़ा कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा से बात कर गीदम अस्पताल से बड़ी गाड़ी की व्यवस्था करवा दी। जबकि जिला अस्पताल के जबाबदार सीएचएमओ और सीएस दोनों वीडियो कांफ्रेंस में मशगूल थे।यहाँ तक सीएस नायक ने तो सरकारी गाड़ी पर 10 हजार का डीजल खर्च लगेगा कहकर पहले मना कर दिया था। सबसे बड़ी बात यह है मृतक डॉक्टर नागेंद्र के साथ जो दल पिकनिक मनाने गया था। उस दल के साथी महिला डॉक्टर बेहद ही असंवेदनशील नजर आई।

धान उपार्जन केंद्रों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

मुंगेली। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे द्वारा खरीफविपणन वर्ष 2019-20 में जिले के 43 सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से 89 उपार्जन केंद्रों में पंजीकृत कृषकों से धान खरीदी की पूरी व्यवस्था पर निगरानी रखने हेतु धान उपार्जन केंद्रों के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई थी है। जिसमें आंशिक संशोधन किया गया है। कलेक्टर डॉ. भुरे ने तहसील लोरमी के दाऊकापा समिति के उपार्जन केंद्र दाऊकापा के लिए सहायक आयुक्त आबकारी वेदराम लहरे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कलेक्टर डॉ. भुरे ने सभी नोडल अधिकारियों को उपार्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण एवं निगरानी करने के निर्देश दिये है। उन्होने कहा है कि वास्तविक किसान से टोकन अनुसार धान लाये जाने पर ढ़ाला कराकर परीक्षण उपरांत मानक स्तर का पाये जाने पर बारदाना प्रदाय की कार्यवाही की जायें। खरीदी गये धान का उसी दिवस बोरों की सिलाई कराये जाने उपरांत टेकिंग की कार्यवाही पूर्ण की जायें। धान उठाव हेतु जारी मिलरों के एवं परिवहनकर्ताओं के जारी परिवहन आदेश पर नियमानुसार टेबलेट में फोटो खिचाये जाने उपरांत परिदान तत्काल सुनिश्चित कराया जायें। किसानों के द्वारा लाये गये धान का रैण्डम रूप से पटवारी के माध्यम से सत्यापन कराकर सत्यता का परीक्षण भी किया जायें। शनिवार एवं रविवार अवकाश दिवस में धान का मात्रा परिदान कराया जायें ।

कलेक्टर के अनुमोदन से हुआ स्थानांतरण

■ आचार संहिता के दौरान जिले में 20 समिति प्रबंधक का स्थानांतरण पुराने तारिक पर

नवप्रदेश संवाददाता

शासन से मिले दिशा निर्देश के अनुसार स्थानांतरण

समिति प्रबंधको का स्थानांतरण शासन से मिले दिशा निर्देश के अनुसार ही हुआ है वही यह आदेश कलेक्टर कोरिया के अनुमोदन के पश्चात ही जारी किया गया है नगरीय निकाय चुनाव के कारण आदेश प्रबंधको को मिलने में विलंब हुआ ।

-द्वारिका नाथ, पंजीयक, सहकारिता विभाग बैकुंठपुर

बैकुंठपुर। राज्य शासन के द्वारा कोरिया जिले के 20 धान खरीदी केंद्रों में समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी के मसले पर एक नये फरमान ने फिर से एक बार धान खरीदी की व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। जहा नए आदेश में जिले के 20 सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधक का स्थानांतरण आचार संहिता के पूर्व की तिथि पर कर 25 दिसंबर को वाट्सएप पर आदेश भी जारी कर दिया गया जहाँ छुटटी के दिन कुछ समिति प्रबंधको ने ज्वाईन भी कर लिया जहा इस स्थानातंरण को लेकर सवाल भी उठना लाजमी है कि जब 8 नवम्बर 2019 को शासन ने आदेश दिया तो फिर स्थानांतरण में इतना विलम्ब क्यो जब कि जिले में हुए स्थानांतरण आदेश में इस दिनांक के पत्र का हवाला देकर समिति प्रबंधको को हटाया गया है । साथ ही सोसल मीडिया में उन्हें 26 दिसंबर तक पदस्थ किए गए जगह पर पदभार लेने के आदेश भी जारी किये गये हैं। उक्त आदेश 15 फरवरी तक ही लागू रहने की बात का उल्लेख भी किये जाने की चर्चा है।जब कि स्थानांतरण यदि 23 को हुआ तो जिले के जिम्मेदार अधिकारियों ने आदेश देने में इतना विलम्ब क्यो किया जब कि मुख्यालय से सहकारिता विभाग की दूरी भी ज्यादा नही है वही यह स्थानांतरण कलेक्टर कोरिया के अनुमोदन से होने की बात कही जा रही वही आदेश छुट्टी के दिन शासकीय कार्यालयों में पहुँचने का हवाला दिया जा रहा जब कि जिले के ज्यादातर शासकीय कार्यालयों में 25 दिसंबर को ताला लगा हुआ था जिससे इस स्थानांतरण को लेकर जिले में तरह तरह की चर्चाएं हो रही कि जिला प्रशासन के लिए नियम की आवश्यकता नहीं।

बच्चों ने किया हौसला में उत्कृष्ट प्रदर्शन

नवप्रदेश संवाददाता

बीजापुर। भारत सरकार महिला एंव बाल विकास मंत्रालय के द्वारा दिनांक 19 से 21 दिसम्बर तक आयोजित किया गया हौसला कार्यक्रम बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत् बच्चों के लिए आयोजित कार्यक्रम हैए जिले में संचालित बाल देखरेख संस्था टूमॉरोज फाउण्डेशन से 10 बालक एवं पंचशील आश्रम कुटरु से 05 बालिका, 04 बालक का चयन हौसला कार्यक्रम के लिए किया गया। हौसला कार्यक्रम एथलेटिक्स खेल, शतरंज , फूटबाल , पेंटिग एवं डिवेट खेल का आयोजन हुआ। हौसला .2019 में बीजापुर से चयनित 19 बच्चों के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऊंची कूद, लम्बी कूद, 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़ एवं रिले रेस में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक, कांस्य पदक एवं सिल्वर पदक प्राप्त किए है। छत्तीसगढ़ राज्य पूरे देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। आज टीम की वापसी पर जिला कलेक्टर श्री के.डी. कुंजाम द्वारा बच्चों से भेट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

केन्द्रीय जेल में बंदियों ने मनाया क्रिसमस

नवप्रदेश संवाददाता

अम्बिकापुर। केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर के जेल अधीक्षक राजेन्द्र कुमार गायकवाड़ ने बताया है कि 25 दिसम्बर 2019 को प्रभु यीशु के जन्म का पर्व क्रिसमस त्यौहार केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रभु की आराधना के पश्चात् दिन में बंदियों ने एक-दुसरे की क्रिसमस की बधाई दी।

क्रिसमस के मौके पर सरगुजा प्रान्त के धर्माध्यक्ष बिशप स्वामी श्री पतरस मिंज ने समस्त धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करके बाईबिल के पवित्र पाठ का वाचन कर यीशु के संदेशों को बंदियों में पालन हेतु आव्हान किया। क्रिसमस पर्व की तैयारी जेल में निरूद्ध बंदियों द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अम्बिकापुर के सचिव श्री जनार्दन खरे व श्रीमती सरोजनी खरे द्वारा बंदियों को क्रिसमस की बधाई दी गई एवं केक वितरित किया गया।

केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर के जेल अधीक्षक श्री राजेन्द्र कुमार गायकवाड़ ने सभी बंदियों को क्रिसमस की बधाई देते हुए सभी बंदियो को प्रभु यीशु के बताये पर चलने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर डॉ. शीला डागा, सहायक जेल अधीक्षक श्री एम.जी.गोस्वामी, सहायक जेल अधीक्षक सुश्री ममता पटेल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

एफएसएसएआई पंजीयन शिविर 30 को

नवप्रदेश संवाददाता

अम्बिकापुर। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अभिहित अधिकारी श्रीमती रमिला भगत ने बताया है कि 30 दिसम्बर को उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन, संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय के बगल में, दर्रीपारा अम्बिकापुर में पूर्वान्ह 11 बजे से सायं 4 बजे तक एफएसएसएआई पंजीयन एवं अनुज्ञप्ति हेतु शिविर का आयोजन किया गया है। खाद्य सरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के तहत प्रत्येक खाद्य कारोबारकर्ता को खाद्य कारोबार प्रारंभ करने से पूर्व एफएसएसएआई पंजीयन एवं अनुज्ञप्ति लेना अनिवार्य है। छोटे खाद्य कारोबारकर्ता जिनका वार्षिक टर्नओवर 12 लाख तक है, उन्हे नियमानुसार एफएसएसएआई पंजीयन लेना है जिसका वार्षिक शुल्क 100 रूपये है, अधिकतम एक साथ 500 रूपये शुल्क भुगतान कर 5 वर्ष के लिए एफएसएसएआई पंजीयन प्राप्त किया जा सकता है। बड़े खाद्य कारोबारकर्ता जिनका वार्षिक टर्नओवर 12 लाख से अधिक है, उन्हे नियमानुसार एफएसएसएआई अनुज्ञप्ति लेना है जिसका वार्षिक शुल्क 2 हजार रूपये, 3 हजार रूपये एवं 5 हजार रूपये है। अधिकतम एक साथ 5 वर्ष के लिए भी क्रमशः रूपये 10 हजार, 15 हजार एवं 25 हजार रूपये भुगतान कर एफएसएसएआई अनुज्ञप्ति प्राप्त किया जा सकता है।

शक्ति दिवस पर कलश यात्रा निकाली गई

नवप्रदेश संवाददाता

काँकेर/कोदागांव। शक्तिदिवस को लेकर हल्बा समाज के लोग कोदागांव में सुबह सवर्प्रथम माँ दन्तेश्वरी की विशेष पूजा अर्चना कर समाज के भवन के बाहर समाज का ध्वजारोहण किया गया ।सुबह 10:00 बजे हल्बा समाज सामाजिक भवन से महिलाओं के द्वारा प्रभात फेरी के रूप में कलश यात्रा निकाली गई ।जो गॉव के विभिन्न वार्डो से गुज़रकर वापस सामाजिक भवन में कलश यात्रा का सुबह 12 बजे समापन किया गया। शक्तिदिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि ज्ञानू राम भोयर जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय आदिवासी हल्बा समाज विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रमुख मोहन फफ सुखदास श्यामसुंदर पटेल राधेश्याम मधुसूदन साहू किशोर साहू मंच का संचालन पंचू नायक जिला निर्णय समिति थे ।शक्तिदिवस के अवसर पर कोदा गाँव के पांचवीं आठवीं दसवीं के सभी छात्र छात्राए जिन्होंने बोर्ड परीक्षा में अव्वल नम्बर पर रहे उन सभी छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया ।इस दौरान वार्ड के बुजुर्ग लोगो का भी उनके सराहनीय योगदान के लिए उनका सम्मान किया गया ।कार्यक्रम पश्चात खीर पूड़ी का भंडारा का आयोजन किया गया था जिसमे बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।शक्तिदिवस के अवसर पर हल्बा समाज के छोटे बडे बच्चे बुजर्ग सहित बड़ी संख्या में महिलाए उपस्थित रही

प्लेसमेंट कैंप 30 को

कांकेर। रोजगार कार्यालय परिसर कांकेर में 30 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक एक दिवसीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी बीआर ठाकुर ने बताया कि उक्त प्लेसमेंट कैम्प में तकनीकी तथा गैर तकनीकी श्रेणी के पद अंतर्गत शिशु मित्र, सेल्समेन, मेकेनिक, सहायक मेकेनिक, अकाउण्ट एक्जीक्यूटिव आदि पदों पर भर्ती किया जाएगा। जिसके लिए न्यूनतम योग्यता कक्षा 10वीं, 12वीं एवं कम्प्यूटर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।जिला रोजगार अधिकारी श्री ठाकुर ने आवेदकों से अपील किया है कि वे पदों की विस्तृत जानकारी प्लेसमेंट कैम्प स्थल से प्राप्त कर अपनी योग्यता एवं रूचि के अनुसार आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

मांडरादरहा में सात दिवसीय विशेष शिविर

नवप्रदेश संवाददाता

कांकेर। शा.बा.उ.मा.वि. अभनपुर जिला कांकेर के एन.एस.एस. इकाई के द्वारा ग्राम मांडरादरहा (पुरानापारा) में सात दिवसीय विशेष शिविर थीम नरवा गरवा घुरवा बाड़ी के तहत तृतीय दिवस -26 गुरूवार को परियोजना कार्य में स्वयं सेवकों के द्वारा स्कूलपारा मांडरादरहा में जगह-जगह पर नाडेप निर्माण किए। जिससे पारा मौहल्ला के कचरे का निपटरा हो सके । जिसमें सभी स्वयं सेवकों ने अपना महत्वपूर्ण श्रमदान किए । तत्पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सारवण्डी से आये डॉ. एच.एस. विनोद, सत्यजीत साहू लैब टैक्नीशियन, रोहित मरकाम सुपर वाईजर, शंभू शोरी नेत्र सहायक, श्रीमती चन्द्रकला सिन्हा सब सेक्टर घोटियावाही, बलदेव राम तारक सब सेक्टर डब्बीपानी के टीम के द्वारा सभी शिवरार्थियों के साथ साथ ग्रामीणजनों का स्वास्थ्य परीक्षण, जिसमें सिकलीन, ब्लड ग्रुप मौसमी बिमारी का परीक्षण किया गया तथा रोगियों को दवाई वितरीत किया गया। बौद्धिक परिचर्चा के समय मुख्य अतिथि के रूप में सोनसिंह नेताम सरपंच ग्रा.पं. माडरादरहा, मनीष साहू व्याख्याता, अर्जुन सिंह मण्डावी, शिव भास्कर, उपस्थित रहे।

कबड्डी एवं व्हॉलीबाल प्रतियोगिता 29 से

कांकेर। नव गोड़वाना युवा कबड्डी समिति कुलगांव के द्वारा संभाग स्तरीय 29 से 31दिसम्बर तीन दिवसीय कबड्डी एवं व्हॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल मैदान कुलगांव जिला कांकेर छ.ग. में किया जा रहा है । कबड्डी में प्रथम पुरूस्कार 11,111 रूपये द्वितीय पुरूस्कार 6111 रूपये एवं तृतीय पुरूस्कार 3001 रूपये रखा गया है एवं व्हॉलीबाल प्रतियोगिता में प्रथम पुरूस्कार 10001 रूपये द्वितीय पुरूस्कार 5001 एवं तृतीय पुरूस्कार 2001 रूपये रखा गया है। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी टीम -30 दिसम्बर को समय दोपहर 3.00 बजे नव गोड़वाना युवा कबड्डी समिति कुलगांव समिति से सम्पर्क कर भाग ले सकते है ।

सियासत | 40 में से 24 कांग्रेस के झोली में फिर भी टेंशन

निकाय चुनावः पार्षदों को साधने में लगी दोनों पार्टी

नवप्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर। चिरमिरी नगर निगम चुनाव में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलने के पश्चात अब पार्षदों को एकजुट करने में एड़ी-चोटी एक कर रहे मेयर पद के दावेदार वही नगर निगम चुनाव में मतगणना के बाद अब लोगों की निगाहें महापौर पद पर होने वाले चयन को लेकर टिकी है।

इस पद के लिए अभी तक मैदान में दो प्रबल दावेदार बबिता सिंह व गायत्री बिरहा हैं। जो कि कांग्रेस को मजबूत बनाने लंबे समय से प्रयासरत है वही दोनों प्रबल दावेदारों द्वारा अपने-अपने पक्ष में नवनिर्वाचित पार्षदों को करने के लिए जोरदार मशक्कत शुरू कर दी गयी है. ज्ञात हो कि नगर निगम में कुल 40 पार्षद हैं जहा 24 कांग्रेस ,13 भाजपा व 3 निर्दलीय प्रत्यासी चुनाव जीत कर पार्षद चुने गए हैं जिसमे आधे पार्षद पुराने ही जीत कर आये हैं। कुछ नये सदस्य पहली बार जीत कर नगर निगम पहुंचे हैं। इस बार मनेन्द्रगढ़ विधायक की पत्नी कंचन जायसवाल भी पहली बार जीत कर पार्षद बनी है जहाँ विधायक पत्नी होने के कारण इन्हें भी महापौर के दावेदार के रूप में देखा जा रहा है वही इनके निगम पहुंचने से मेयर पद का मुकाबला काफी कठिन हो गया है। प्रत्याशी भी गहन अध्ययन कर रहे हैं कि किस प्रत्याशी को मेयर पद पर ताजपोशी की जाये जो उनके वार्ड में विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने में मदद कर सके। इधर महापौर पद के दावेदारों के द्वारा मेयर की कुरसी हासिल करने के लिए पार्षदों तक पहुंच बना रहे हैं। हालांकि पार्षद अभी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। पार्षदों को अपने पक्ष में करने के लिए दावेदारों के द्वारा हाई एप्रोच भी किया जा रहा है। वही ब्रेकफास्ट पॉलटिक्स भी सुरु हो गई है।

महापौर पद के दावेदार पार्षदों को कहां तक और किस स्थिति में अपने पक्ष में तैयार करने में कामयाब होते हैं यह तो समय ही बता पायेगा। फिलहाल चिरमिरी नगर निगम में मेयर पद इस बार हाइप्रोफाइल हो गया है. सिर्फ शहर ही नहीं वरन पूरे जिले की नजर चिरमिरी नगर निगम के मेयर पद पर टिकी हुई है। वही पहली बार चुनाव जीत कर आने वाली विधायक पत्नी कंचन जायसवाल भी जनता के पसंद का हवाला देकर मेयर की रेस में शामिल हैं किंतु लंबे समय से कांग्रेस में रह रहे पार्षदों में इसे लेकर तरह तरह की चर्चाएं है ।

माँ को बनाया सोसायटी का उपाध्यक्ष

यहा यह बताना लाजमी होगा कि विधायक विनय जायसवाल इससे पहले भी अपने परिवार को उपकृत किये है। विधायक विनय ने अपनी माँ अंजना जायसवाल को सहकारी समिति का उपाध्यक्ष बनाया था। तब भी विधायक पर परिवारवाद के आरोप लगे थे। अब पत्नी को महापौर बनाने को लेकर विधायक द्वारा किये जा रहे प्रयासों से वे एक बार फिर घिरते नजर आ रहे है। अब देखना यह है कि कांग्रेस संगठन इस पर क्या करता है।

इनका कहना है

निगम चुनाव में कांग्रेस के विकास कार्यो को देखते हुए जनता ने स्पष्ट बहुमत दिया है वही एक निर्दलीय पार्षद ने भी कांग्रेस ज्वाईन कर लिया है जिस कारण सत्ता में नहीं आने से भाजपा द्वारा बेबुनियाद आरोप लगाया जा रहा, सभी पार्षद की राय से ही मेयर चुना जायेगा परिवारवार का आरोप गलत है।

-डॉ विनय जायसवाल,
विधायक मनेन्द्रगढ़

कलेक्टर ने ली रिटर्निंग आफिसर एवं सहायक रिटर्निंग आफिसर की बैठक

नवप्रदेश संवाददाता

मुंगेली। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने आज कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2019-20 हेतु रिटर्निंग आफिसर एवं सहायक रिटर्निंग आफिसर की बैठक ली। उन्होने रिटर्निंग आफिसर एवं सहायक रिटर्निंग आफिसर को त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं निर्विघ्न संपन्न कराने के निर्देश दिये। बैठक में उन्होने बताया कि जिले में तीन चरण में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन संपन्न होगी। पंचायत निर्वाचन के तहत तीनों चरणों के लिए 30 दिसम्बर 2019 से 06 जनवरी 2020 तक प्रातः 10.30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक नाम निर्देशन पत्र लिया जायेगा। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 07 जनवरी 2020 को प्रातः 10 बजे से की जायेगी। अभ्यर्थिता वापसी की अंतिम तिथि 09 जनवरी 2020 अपरान्ह 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को प्रतीक आबंटन 09 जनवरी 2020 को की जायेगी एवं निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन भी उसी दिन किया जायेगा। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत प्रथम चरण 28 जनवरी 2020, द्वितीय चरण 31 जनवरी 2020 एवं तृतीय चरण 03 फरवरी 2020 को तीन चरणों में मतदान होगा। प्रथम चरण में मुंगेली, द्वितीय चरण में पथरिया एवं तृतीय चरण में लोरमी के ग्राम पंचायतों में मतदान होगा। मतदान के पश्चात मतगणना का कार्य किया जायेगा।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स मोहन उपाध्याय एवं जयमंगल सिंह ध्रुव ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2019-20 के तहत जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, सरपंच एवं पंचों के लिए चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की उम्र 21 वर्ष निर्धारित है तथा अभ्यर्थियों को साक्षर होना अनिवार्य है।

किसानों का रकबा पटवारियों ने किया कम, अन्नदाता हैं परेशान

नवप्रदेश संवाददाता

करतला। रामपुर विधायक ननकीराम कंवर ने गुरुवार को बरपाली तथा फरसवानी स्थित धान खरीदी केंद्र में जाकर किसानों से धान खरीदी से संबंधित समस्याओं को लेकर मुलाकात की है। उन्होंने केंद्रों में धान बिक्री करने पहुंचे किसानों से बातचीत की तथा समस्याओं के बारे में जानकारी ली। किसानों ने धान खरीदी में पटवारी की ओर से रकबा काटने, घर-घर जाकर धान की जांच करने तथा अधिया खेती करने के आरोप में किसानों का निर्धारित बिक्री से कम करने की बात कही।

किसानों ने विधायक कंवर को बताया कि किसाना के साथ पटवारी जांच में धान का कम उत्पादन बताकर धान बिक्री क्षमता काट रहे हैं, जिससे किसानों को काफी समस्या हो रही है। किसानों ने यह भी बताया कि धान खरीदी में किसानों को बेवजह की परेशान किया जा रहा है। किसानों की शिकायत सुन विधायक कंवर ने

कहा कि राज्य सरकार किसानों का पूरा धान को खरीदने में सरकार आनाकानी कर रही है। किसानों को विभिन्न तरीकों से परेशान कर रही है। शासन किसानों के धान को चोरी का सामान समझकर छापे मारकर उसे पकड़ रही है और उत्पादन क्षमता भी मनमाने ढंग से निर्धारित करके पटवारियों की ओर से किसानों का रकबा कम दिखाकर कम धान खरीदी किया जा रहा है, जबकि इसका प्रशासन के किसी अधिकारी के पास कोई लिखित आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। शासन को तय करना चाहिए कि प्रति एकड़ कितना धान खरीदी किया जाएगा। इसके विपरीत किसानों का मनमाने ढंग से रकबा काटकर किसानों को परेशान किया जा रहा है। पटवारी ये नहीं बता सकता कि किस कृषि भूमि से कितना धान उत्पादन हुआ है। प्रत्येक भूमि की अलग-अलग क्षमता होती है। कंवर ने कहा कि राज्य शासन को किसानों की समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर को किसानों की परेशानियों का निराकरण हेतु भूख हड़ताल पर बैठने वाले थे, पर आचार संहिता लागू हो जाने के कारण बैठ नहीं सके। उन्होंने राज्य शासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री खुद किसान हैं, किंतु किसानों का दुःख उन्हें दिखाई नहीं दे रहा है। छत्तीसगढ़िया सरकार में छापे के डर से लोग मुर्रा तक नहीं बेच पा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी और कर्मचारी अपने हिसाब से मनमानी कर रहे हैं, जिससे किसान परेशान है। किसानों में जगदीश प्रसाद, लक्ष्मी नारायण शराफ बहरतीन बाई, फिरंत लाल, रामेश्वर कुम्हार, कृष्ण गोपाल सोनी, मातादीन जायसवाल सहित बड़ी संख्या किसान मौजूद थे।

48 घंटे बाद भी वन विभाग हाथी की जान बचाने में नाकाम

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। कटघोरा वन मण्डल के अंतर्गत आने वाले केंदई वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दलदल में फंसे हाथी की आखिरकार मौत हो गई वन विभाग की लापरवाही के चलते यह घटना हुई है । गुरुवार की ग्रमीणों की नजर उस पर पड़ी ,देर शाम तक जेसीबी की मदत से उसे बाहर निकालने की कोशिश की गई पर सफलता नही मिली।बताया जा रहा कि केन्दई वनपरीक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कुल्हरीया के आश्रित मोहल्ला बनखेता पारा मे एक दलदल नुमा खेत मे मंगलवार से एक हाथी फंसा था। जिसे निकालने की कवायद वन विभाग द्वारा की जा रही थी लेकिन विभाग को सफलता नहीं मिली और शुक्रवार की दोपहर हाथी की मौत हो गई। झुंड के साथ घूम रहा एक हाथी दलदली खेत में जा फंसा। वन अमला दो जेसीबी के सहारे उसे बाहर निकालने घंटों मशक्कत करने के बाद भी वन विभाग को 48 घंटे के बाद भी सफलता नहीं मिल सकी, और आखिरकार दलदल में फंसे हाथी की मौत हो गई . जानकारी के मुताबिक वन मंडलाधिकारी अवकाश पर है और वन विभाग की टीम डाक्टरों को समय पर बुलाने में कोई रूचि नहीं दिखाई जिससे 48 घंटो के बाद भी मादा हाथी दलदल में फंसे रहे और मदद की गुहार लगते रहे ठण्ड अधिक होने की वजह से

शुक्रवार को हथिनीन को साँस लेने में परेशानी हो रही थी और अंततः दम तोड़ दिया . इसके बाद भी वन विभग की टीम मौके पर तमाशा देखती रही और मादा हाथी को जिन्दा होने का दवा करती रही . हलाकि गांव वालो की माने तो हाथी की मौत रात को होने की बात कह रहे है . बहरहाल मित्र हाथी को बहार निकलकर पोस्टमार्डम कराया गया है .

अब तक 10 हाथी की गई जान

वर्ष 2002 से हाथियों के मौत का सिलसिला शुरू हुआ है। अब तक 10 हाथी की जान जा चुकी है। एक सप्ताह पहले ही इसी केंदई रेंज के पाली सलाई पहाड़ से गिरने से एक हाथी की मौत हो गई और अब एक और हाथी की जान सांसत में पड़ गई है। औसतन हर एक साल के अंतराल में एक हाथी की जान जा रही।

इनका कहना है

सूचना मिलते ही उड़नदस्ता की टीम घटनास्थल पहुंच कर रेस्क्यू कर रही है। इस इलाके में पिछले कुछ दिन से 40 से 50 हाथियों का दो झुंड घूम रहा। शाम ढलते ही फंसे हुए हाथी के आसपास पूरा समूह मंडराने लगता है। ऐसी परिस्थिति में रेस्क्यू टीम पर भी खतरा मंडरा रहा है। दलदल के आसपास मीटिंग फिलिंग कराया गया था . जिससे हाथी को निकलने में आसानी हो, बहरहाल हाथी को बचाने व निकालने का हर संभव प्रयास किया गया।. लेकिन हाथी नहीं निकल सका और शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। मृत हाथी के शव को बहार निकलकर पोस्टमार्डम कराया गया है।

– एपी तिवारी, एसडीओ, वनमंडल कटघोरा

रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग आफिसर नियुक्त

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती किरण कौषल ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देषों के तहत् जिले में पंचायत चुनाव हेतु रिटर्निंग आफिसर एवं सहायक रिटर्निंग आफिसरों की नियुक्ति कर दी है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार छ.ग. राज्य निर्वाचन आयोग के दिषा निर्देषों के तहत् कोरबा जिले में पंचायत चुनाव के संदर्भ में सदस्य जिला पंचायत कोरबा के रिक्त निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 1 से 12 के चुनाव हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती किरण कौषल ने रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति की है।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

कांकेर। शुक्रवार को कांकेर प्रवास पर रहे स्वास्थ्य मंत्री टी. एस. सिंहदेव ने शाम करीब 4 बजे जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया और अस्पताल में व्याप्त समस्याओं को सुधारने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत करते हुए उनके स्वास्थ्य के बारे में पुछा जिसके बाद एक मरीज को स्मार्टकार्ड से मिलने वाले लाभ के बारे में बताया और उससे भी इसकी जानकारी लिया । शिशुगहन चिकित्सा कक्ष में किसी प्रकार की समस्या के बारे में पुछने पर डॉक्टर के द्वारा बताया गया कि कक्ष में मॉनिटर की कमी है

जिसके लिए प्रस्ताव भेजा गया है। अस्पताल में उपस्थित स्टाफनर्स से बातचीत करते हुए उनके वेतन से संबधित बातचीत किए, इस दौरान नर्सो ने बताया कि जिला अस्पताल में बहूत ज्यादा स्टाफ नर्स की कमी है। स्वास्थ्य मंत्री ने जिला अस्पताल के शौचालयों का निरीक्षण करते हुए उसमें सुधार की बात कही । इस दौरान डॉक्टरों से बातचीत में कहा कि 1 जनवरी से जिला अस्पताल में दोनो समय ओपीडी प्रारंभ होने जा रही है जिसके लिए सुबह 9 से 1 बजे और दोपहर 3 से 5 बजे तक मरीजों का उपचार किया जाएगा । जिला अस्पताल में मरीजों को रिफर करने व जिला अस्पताल में डॉक्टरों की कमी के बारे में बताया कि जिला अस्पताल में डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को बेहतर उपचार नहीं मिलने के कारण उनको रिफर किया जाता है ।

सारकेगुड़ा फर्जी मुठभेड़ की न्यायिक जांच की समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन

नवप्रदेश संवाददाता

कांकेर। अनुसूचित क्षेत्र बस्तर व सरगुजा संभाग के जनजातियों की ज्वलंत समस्याओं और 2012 में हूए सारकेगुड़ा फर्जी मुठभेड़ की न्यायिक जांच आयोग की मांग को लेकर आदिवासी समाज ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुए सैकड़ों की संख्या में रैली निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहूंचकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपे । 27 दिसम्बर को जिले भर में आदिवासी समाज ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुए कहा कि अनुसूचित जनजातियों के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक एवं संवैधानिक प्रावधानों के क्रियान्वयन तथा जनजातियों के हितों की विशेष सावधानी से संरक्षण एवं संवर्धन और सभी प्रकार के शोषण से उनकी सुरक्षा करने तथा 2012 में फर्जी मुठभेड़ में मारे गए आदिवासी भाईयों की न्यायिक जांच व मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 50 लाख मुआवजा व एक सदस्य को नौकरी देने व विभिन्न मांगों को लेकर सैकड़ों की संख्या में आदिवासी समाज के लोगों ने सिंगार भाट आदिवासी भवन से रैली निकालते हुए कलेक्टर पहूंच कर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

राज्य स्तरीय अचानकमार ट्रेकिंग का कोरबा इकाई के संयोजन में हुआ समापन

कोरबा। यूथ होस्टल्स एसोसीएशन ऑफ इंडिया, छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय 2दिन 1 रात का अचानकमार ट्रेकिंग सह ट्रेनिंग कार्यक्रम सफलतापूर्वक 22-23 दिसम्बर 2019 को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के कोरबा,रायपुर , बिलासपुर , खरसिया ,रायगढ़ और भिलाई के प्रतिभागी शामिल हुए। सभी प्रतिभागी बिलासपुर स्टेशन में एकत्रित होकर बस से बैगा रिसोर्ट शिवताराई पहुचे। भोजन पश्चात सभी जंगल सफारी के लिए रवाना हुए जहा सभी को वन भैसा , मोर , जंगली सूअर , खरगोश , हिरन इत्यादि जानवर दिखाई दिए। वापसी पश्चात कैंप फायर और सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभी ने सहभागिता दी। दुसरे दिन ट्रैकिंग के पूर्व छग राज्य वाइल्ड लाइफ के प्रथम डॉग स्क्वाड के ट्रेनर द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई ।

बाल अधिकार संरक्षण की दी गई जानकारी

कवर्धा। एकीकृत बाल संरक्षण योजना महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला पंचायत संसाधन प्रशिक्षण केन्द्र डगनिया मे आंगनबाडी कार्यकर्ता और मितानिनो का स्वच्छता प्रबंधन पर आयोजित प्रशिक्षण एवं वार्ड क्रमांक 20 के आगनबाडी केन्द्र क्रमांक 01 मे जागरुकता

कार्यक्रम आयोजित कर एकीकृत बाल संरक्षण योजना किशोर न्याय (बालको की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 लैगिक अपराधो से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 बाल अधिकार संरक्षण गुड टच बैड टच विकासखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति एवं पचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति बाल भिक्षावृत्ति नशा उन्मूलन देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बालको के संबंध मे जानकारी दी गई। उक्त प्रशिक्षण मे संकाय सदस्य जिला पचायत संसाधन केन्द्र एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संरक्षण अधिकारी संस्थागत आउटरीच वर्कर आगनबाडी कार्यकर्ता मितानिन एवं महिलाए उपस्थित थी।

सर्द हवाओ ने बढ़ा दी ठंड, वनांचल में ले रहे अलाव का सहारा

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा । मौसम में लगातार हो रहे उतार-चढाव के चलते जहां तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। वहीं सर्द हवाओं के चलने से ठंड भी बढने लगी है। ऐसे में गर्म कपडो का उपयोग अधिक करना पड रहा है। पहाडी क्षेत्रों में भी कडाके की ठंड पड रही है।

दिसंबर महीनें के अंत में मौसम में अचानक हो रही तब्दीली का असर पडने लगा है। तापमान में भी गिरावट दर्ज हुई है। तीन दिन पहले आसमान में बादलों की उपस्थिति होनें से कुछ हद तक ठंड से राहत मिली थी। लेकिन बादलों के हटनें के साथ तथा ठंड हवाओं के चलने से तापमान में कमी आयी है। न्यूनतम तापमान भी 10 ये 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है, जबकि अधिकतम तापमान अभी भी 27 से 28 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। षुक्रवार को आसमान पूरी तरह से साफहोने तथा हवाओं के चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई तो वही ठंड भी बढी है। ठंड बढने के कारण षाम होते ही अधिक गर्म कपडों का उपयोग करना पड रहा है। ठंड से बचने लोग अधिकांष समय घरो में ही व्यतीत कर रहे है। पहाडी क्षेत्र में ठंड बढने से लोगों को गर्म कपडो का उपयोग अधिक करना पड रहा है।

इन्दौरी आयुष स्वास्थ्य शिविर 456 लोगों को मिला लाभ

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। समीपस्थ ग्राम पंचायत इन्दौरी में शुक्रवार को आयुष स्वास्थ्य मेला और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । बच्चे, युवा, किशोरी बालिका, महिलाओं सहित बुजुर्गो नें शिविर का लाभ उठाया । शिविर में आयुर्वेद के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ गिरीश साहू , डॉ कमलेश वर्मा, डॉ एस के स्वर्णकार के द्वारा नए पुराने जटिल रोगों की निःशुल्क जांच व उपचार किया गया । शिविर प्रभारी डॉ गिरीश कुमार साहू नें बताया कि आयुष शिविर ग्राम इन्दौरी के गांधी चैक में आयोजित किया गया । जिसमें चर्म, उदर , श्वास रोग, पुराना सर्दी खांसी, बुखार, वात रोग , स्त्री रोग , बालरोग, उच्चरक्तचाप, मधुमेह, पीलिया, खून की कमी , कमजोरियों से संबंधित 456 हितग्राहियों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवा दिया गया । डॉ साहू नें बताया कि जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ एच डी गोयल के

मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में ब्लड शुगर, सिकलिंग , रक्त संबंधित जांच कर दवा दी गई । उन्होंने बताया कि शिविर में आने वाले लोगों को शीत ऋतु में होने वाली रोगों के लक्षण और उनसे बचाव की जानकारी दी गई। इस अवसर पर नवागांव खम्हरिया से रिश्तेदार के घर इन्दौरी आये सहदेव ठाकुर , इन्दौरी के मेलन ठाकुर, बड़े रगरा ग्राम के नरेंद्र सतनामी, बत्ती चंद्रवंशी आदि नें आयुष शिविर की प्रशंसा करते हुए कहा कि गांव के लोग आज भी आयुर्वेदिक दवाओं पर भरोसा करते हैं ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुबे की अलग पहचान..

अन्य राज्यों का हाल आपको पता है। लेकिन छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की बात सुनी जा रही है। छत्तीसगढ़ की सरकार मिलकर काम कर रही है। यहां हिंसा में इसलिए कमी आई है क्यों कि विधानसभा में किसी एक कि नही बल्कि पूरे राज्य की आवाज सुनाई देती है। उन्होंने कहा कि हर देश के हर धर्म को, हर जाति को, आदिवासी दलितों को लिए बिना देश नही चलाई जा सकती है। राहुल गांधी ने कहा कि जब सब की बात सुनी जाएगी तब देश की अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी कम होगी। उन्होंने खुशी जाहिर की कि छत्तीसगढ़ में सभी वर्गों को एक साथ लेकर सरकार चल रही है। आज यहां सभी कलाकारों को अपनी संस्कृति और सभ्यता दिखाने का मौका इस मंच में मिलेगा। यहीं अनेकता में एकता की झलक दिखाई देगी। अलग अलग संस्कृति उनकी आवाज सुनकर ही एकता बनेगी।

छत्तीसगढ़ देश में उदाहरण...

किया जाना चाहिये, मुझे खुशी है कि आदिवासियों की बात छत्तीसगढ़ सरकार में सुनाई पड़ रही है, छत्तीसगढ़ सरकार तेंदुपत्ता के समर्थम मूल्य, केस वापसी, जमीन लौटाने की बात में आदिवासियों की बात सुनी, इस सरकार में सबकी आवाज सुनाई पड़ रही है।

दिखाएं कहां है एक्ट...

और दो संविधान नहीं चलेंगे। लेकिन वर्षों तक कुछ नहीं हुआ। लेकिन आज जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त हो गया है। आज तिरंगा कश्मीर में आसमान की बुलंदियों को छूता हुआ शान से लहरा रहा है।'

12 वर्षो से बंद पड़ी पंडरिया मंडी में खरीदी बिक्री होगा प्रारंभ

नवप्रदेश संवाददाता

पंडरिया। मंडी मे खरीदी बिक्री होने से क्षेत्रीय किसान को उपज का मिलेगा उचित मूल्य, व फसल को बेचने के लिए मिलेगा उचित स्थान । वर्तमान में व्यवस्था सुधरते तक सफ्ताह मे दो दिन(सोमवार व गुरुवार) को खरीदी बिक्री होगा व उसी दिन किसान को भुगतान किया जाएगा।

किसान संघ ब्लॉक अध्यक्ष रवि चंद्रवंशी ने बताया कि पंडरिया स्थित मंडी में खरीदी बिक्री चालू कराने के लिए हम लोग पिछले 4 महीने से प्रयास कर रहे थे, जिस पर विगत कुछ दिनों पूर्व अपर संचालक द्वारा मंडी सचिव को आदेशित करते हुए मंडी में खरीदी

बिक्री प्रकिया चालू करने को कहा था, जिस पर मंडी सचिव गोहिया द्वारा आज किसान और व्यापारी भाइयो की सयुंक्त मीटिंग रखी गई थी। मीटिंग मे किसान और व्यापारी के आपसी सहमति से मंडी में खरीदी बिक्री प्रक्रिया चालू करने के लिए षुरुवात मे सफ्ताह मे दो दीन(सोमवार व गुरुवार) को खरीदी करने का निर्णय लिया गया है, जिसमे किसान को उनके फसल का उसी दिन भुगतान करने का भी निर्णय लिया गया है जिसका आदेश शासन द्वारा पहले से जारी किया गया है। वर्षो से बंद पड़ी मंडी को पुनः संचालित होने की सूचना से किसान भाइ खुश है, इस सूचना को अधिक से अधिक लोगो तक पहुँचाने के लिए ग्राम कोटवार से मुनादी कराया जाएगा, साथ ही बाजार हाट में लॉउड स्पीकर के माध्यम से अधिक से अधिक लोगो सूचना दिया जाएगा। आज के इस मीटिंग में मंडी सचिव गोहिया , किसान संघ ब्लॉक अध्यक्ष रवि चंद्रवंशी, मंडी व्यापारी संघ अध्यक्ष हरीश जैन, सुखचंद् चंद्रवंशी, डॉ सुखचंद चंद्रवंशी, चंद्रसेन सहित समस्त किसान ,व्यापारी उपस्थित रहे।

ग्राम बिड़ोरा से नौ वर्ष के बालक डोनेश गुमशुदा

कवर्धा। सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र के ग्राम बिडौरा के नौ वर्ष के बाल डोनेश पिता कुशलराम राणा 26 दिसम्बर शाम 5 से लापता है। पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह ने गुमशुदा बच्चे की फोटो मीडिया को शेयर करते हुए कहा कि किसी को भी इस बाल के संबंध मं जानकारी हो अथवा मिले तो तत्काल पुलिस नियत्रंण कक्ष मोबाईल नम्बर 94799192499 दूरभाष नम्बर 07741-232844 सहसपुर लोहरा थाना के दूरभाष नम्बर 07741269552, मोबाईल नम्बर 9479192416 पर तत्काल सूचना दे सकते है।

पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह ने बताया कि गुमशुदा डोनेश पिता कुशलराम राण 26 दिसम्बर को शाम 5 बजे घर से बैड़मिंटन खेलने रैकेट लेकर घर से निकला था। उन्होने फोटो जारी करते हुए बताया कि बच्चें का हुलिया रंग सांवला, कद तीन फिट लगभग, लाल रंग का शर्ट पहना है। बाएं आंख के पास चोंट के निशान है। डीएपीएम कवर्धा में कक्षा तीसरी का छात्र है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित,
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2017-2019, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

कंगना ने मां को समर्पित की 'पंगा'

बॉलिवुड ऐक्टर कंगना रनौत की फिल्म 'पंगा' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म में कंगना रनौत एक रिटायर्ड कबड्डी खिलाड़ी और एक मां की भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म में परफॉर्मेंस को मां आशा रनौत को समर्पित कर रही हैं।

बॉलिवुड ऐक्टर कंगना रनौत की फिल्म 'पंगा' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म में कंगना रनौत एक रिटायर्ड कबड्डी खिलाड़ी और एक मां की भूमिका में दिखाई देंगी। कंगना का कहना है कि मां की भावनाओं को समझने के लिए एक बच्चा होना काफी है और इसीलिए वह अपनी इस फिल्म में परफॉर्मेंस को मां आशा रनौत को समर्पित कर रही हैं।

कंगना की बहन रंगोली ने इस बारे में ट्वीट करते हुए लिखा, 'मैंने कंगना से पूछा कि वह एक मां की भावनाओं और उनके मन में चलते विरोधाभासों को इतनी अच्छी तरह से कैसे समझीं, उन्होंने कहा कि मां को जानती हैं और इसके लिए आपको मां होना नहीं बल्कि एक बच्चा होना काफी है। पंगा में अपनी परफॉर्मेंस को उन्होंने हमारी मां आशा रनौत को समर्पित किया है।'

फिल्म में कंगना रनौत के पति के किरदार में जस्सी गिल दिखाई देंगे। इसके अलावा फिल्म में नीना गुप्ता और रिचा चड्ढा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगी। अश्विनी अय्यर तिवारी के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म आने वाली 24 जनवरी को रिलीज होगी।

बॉलीवुड इंडस्ट्री में चमके नये सितारे

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में वर्ष 2019 में कई नवोदित कलाकारों ने जोरदार दस्तक दी और अपनी जबरदस्त प्रतिभा से लोगों का दिल जीत लिया।

वर्ष 2019 में कई स्टार पुत्र-पुत्रियों ने बॉलीवुड में कदम रखा। इनमें चंकी पांडे की पुत्री अनन्या पांडे, सनी देओल के पुत्र करण देओल, मोहनीश बहल की पुत्री प्रनूतन बहल, जावेद जाफरी के पुत्र मिजान जाफरी समेत कई अन्य शामिल है। हालांकि इन स्टार किड्स में कोई सफल रहा तो कोई असफल। सलमान खान के प्रोडक्शन तले बनी फिल्म 'नोटबुक' 29 से मोहनीश बहल की बेटी प्रनूतन बहल ने डेब्यू किया। इसी फिल्म से सलमान ने जहीर इकबाल को भी लांच किया। नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी यह फिल्म कश्मीर की पृष्ठभूमि पर आधारित एक लव स्टोरी है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। चंकी पांडे की पुत्री अनन्या पांडे ने करण जौहर निर्मित 'स्टूडेंट ऑफद ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में टाइगर श्रॉफ, अनन्या पांडे और तारा सुतारिया की मुख्य भूमिका है। यह फिल्म वर्ष 2012 में प्रदर्शित स्टूडेंट ऑफ द इयर की सीक्वल है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित नहीं हुयी। फिल्म ने मात्र 70 करोड़ की कमाई की है। सनी देओल के पुत्र करण देओल ने फिल्म 'पल पल दिल के पास' से डेब्यू किया। फिल्म का शीर्षक धर्मेन्द्र की हिट फिल्म 'ब्लैकमेल' के सुपरहिट गाने 'पल पल दिल के पास' से लिया गया है।

QUIZ TIME

1) हाथ से क्रिकेट के बल्ले बनाने की कला को क्या कहा जाता है?
2) इनमें से कौन-सा महारत्न कम्पनी नहीं है?
(क) कोल इंडिया लिमिटेड (ख) नेशनल थर्मल पॉवर कॉर्पोरेशन (ग) भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (घ) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड
3) वर्ष 1982 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले गेब्रिएल गार्सिया मार्केज किस भाषा के प्रसिद्ध रचनाकार थे?
4) .... न हो तो कम्प्यूटर 'बूट' नहीं कर सकता है। (लोडर / ऑपरेटिंग सिस्टम)
5) म्यांमार में 2014 को तीस वर्षों के अंतराल के बाद पहली जनगणना शुरू की गई थी। इस जनगणना में एक संस्था ने 63 मिलियन का सहयोग देने की व्यक्त की थी। म्यांमार में अंतिम जनगणना वर्ष 1983 में की गई थी। इस संस्था ने जनगणना सर्वेक्षण के तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखकर इस सहयोग राशि की पेशकश की थी। इस संस्था का नाम बताइए।

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) पोडवेलिंग (2) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (3) स्पेनिश (4) ऑपरेटिंग सिस्टम (5) संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि (यूएनएफपीए)

2020 में शादी करेंगे प्रभास

प्रभास की शादी की खबरें पिछले कई महीनों से चर्चा का विषय बनी हुई है। इससे पहले यह खबर सुर्खियों में छाई रही कि प्रभास अपनी फिल्म 'साहो' के रिलीज होने के बाद शादी कर लेंगे। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि प्रभास शादी करने जा रहे हैं। प्रभास की शादी की खबरें पिछले कई महीनों से चर्चा का विषय बनी हुई है। इससे पहले यह खबर सुर्खियों में छाई रही कि प्रभास अपनी फिल्म 'साहो' के रिलीज होने के बाद शादी कर लेंगे लेकिन इस तरह के कयासों पर कोई मुहर नहीं लग पाई। अब एक बार फिर ऐसी खबरें आ रही हैं कि प्रभास अपनी अगली फिल्म 'जान' के रिलीज होने के बाद शादी करने जा रहे हैं।

बर्थडे वाले दिन फिर मामा बने सलमान खान

बहन अर्पिता ने दिया दूसरे बच्चे को जन्म

सलमान खान की बहन अर्पिता खान शुक्रवार दोपहर को दूसरी बार मां बनी हैं। उन्होंने मुंबई के सिटी हॉस्पिटल में बेटी को जन्म दिया है। बता दें कि सलमान खान का भी बर्थडे है।

सलमान खान की फैमिली के लिए आज डबल खुशी का दिन है। उनकी बहन अर्पिता खान ने अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया है। बता दें कि (27 दिसंबर) सलमान का जन्मदिन भी है। अर्पिता और आयुष शर्मा पहले से ही बेटे आहिल के पैरेंट्स हैं। अब उनके घर बेटी ने जन्म लिया है। बच्ची का जन्म सी-सेक्शन डिलिवरी से शुक्रवार दोपहर को मुंबई के सिटी हॉस्पिटल में हुआ। अर्पिता भाई के बर्थडे पर बच्चे को जन्म देना चाहती थीं इसलिए ऐसा प्लान के तहत किया गया। खान और शर्मा फैमिली ने ऑफिशल स्टेटमेंट जारी किया, बड़ी खुशी और हर्ष के साथ हम यह सूचना दे रहे हैं कि हमारे घर बेटी ने जन्म लिया है। इस खुशी के मौके पर हम अपने परिवार, दोस्तों और शुभचिंतकों का उनके अनकंडिशनल सपोर्ट के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। उन्होंने मीडिया का भी शुक्रिया अदा किया। बता दें कि हॉस्पिटल के बाहर अर्पिता के पति आयुष को देखा गया वहीं हेलेन भी नजर आई।बता दें कि हॉस्पिटल के बाहर अर्पिता के पति आयुष को देखा गया वहीं हेलेन भी नजर आई।

बाजार में बहार, सेंसेक्स 411 अंक उछला

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच चौतरफा लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में तीन दिन की गिरावट पर आज ब्रेक लग गया और बीएसई का सेंसेक्स 411.38 अंक यानी एक प्रतिशत चढ़कर 41,575.14 अंक पर बंद हुआ।

मुंबई (वार्ता)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 119.25 अंक यानी 0.98 फीसदी की बढ़त के साथ 12,245.80 अंक पर पहुँच गया। मझौली और छोटी कंपनियों में भी निवेशकों ने विश्वास दिखाया। बीएसई का मिडकैप 0.87 प्रतिशत चढ़कर 14,929.22 अंक पर और स्मॉलकैप 0.84 फीसदी की मजबूती के साथ 13,547.81 अंक पर बंद हुआ।

ऊर्जा, तेल एवं गैस, बैंकिंग तथा वित्त क्षेत्र की कंपनियों में लिवाली से शेयर बाजार में निवेश धारणा मजबूत हुई। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक के शेयर सवा तीन प्रतिशत चढ़े। पावर ग्रिड तथा भारतीय स्टेट बैंक में करीब सवा दो फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक तथा भारती एयरटेल में लगभग दो प्रतिशत की तेजी रही। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर करीब आधा फीसदी लुढ़क गये। सेंसेक्स 133.32 अंक चढ़कर 41,297.08 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में ही इसका दिवस का निचला स्तर 41,264.92 अंक रहा। चौतरफा लिवाली के दम पर इसका ग्राफ लगातार ऊपर की ओर बढ़ता गया। कारोबार की समाप्ति से पहले 41,611.27 अंक के दिवस के उच्चतम स्तर को छूने के बाद यह गत दिवस के मुकाबले 411.38 अंक की बढ़त में 41,575.14 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 में से 26 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे जबकि शेष चार के लाल निशान में बंद हुये।

बीएसई में कुल 2,711 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 1,518 के शेयर बढ़त में और 1,026 के गिरावट में रहे जबकि 167 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे।

निफ्टी 46.35 अंक की मजबूती में 12,172.90 अंक पर खुला। इसका ग्राफ भी कमोबेश सेंसेक्स जैसा ही रहा। कारोबार के दौरान 12,157.90 अंक के दिवस के निचले और 12,258.45 अंक के उच्चतम स्तर से होता हुआ यह गत दिवस की तुलना में 119.25 अंक चढ़कर 12,245.80 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 में से 42 कंपनियों के शेयरों में लिवाली और शेष आठ में बिकवाली का जोर रहा। अधिकतर विदेशी बाजार हरे निशान में रहे। एशिया में दक्षिण कोरिया को कोस्पी 0.29 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 1.30 प्रतिशत की बढ़त में रहा। हालाँकि दक्षिण कोरिया का शंघाई कंपोजिट में 0.08 प्रतिशत और जापान के निक्की में 0.36 प्रतिशत की गिरावट रही। यूरोप में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.22 प्रतिशत और जर्मनी का एफ्टीएसई 0.24 प्रतिशत मजबूत रहा।

सोना 50 रुपये चमका, चांदी 380 रुपये टूटी

नई दिल्ली (वार्ता)। विदेशों में सोने-चाँदी में रही गिरावट के बीच स्थानीय जेवराती माँग आने से दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 50 रुपये चमककर आठ सप्ताह के उच्चतम स्तर 40,120 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुँच गया जबकि चाँदी में सात दिन की तेजी के बाद 380 रुपये टूटकर 47,550 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गयी।

लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, नव वर्ष से पहले सुस्त कारोबार के बीच सोना हाजिर 1.60 डॉलर टूटकर 1,508.90 डॉलर प्रति औंस रह गया। फरवरी का अमेरिकी सोना वायदा भी 0.90 डॉलर की गिरावट के साथ 1,513.50 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि नये साल से पहले कारोबार सुस्त रहने से सोने में मामूली गिरावट देखी गयी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चाँदी हाजिर 0.06 डॉलर चमककर 17.80 डॉलर प्रति औंस पर पहुँच गयी। स्थानीय बाजार में सोने में लगातार तीसरे दिन तेजी रही। सोना स्टैंडर्ड 50 रुपये चमककर 01 नवंबर के बाद के उच्चतम स्तर 40,120 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुँच गया। सोना बिटुर भी इतनी ही तेजी के साथ 39,950 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव बिका। आठ ग्राम वाली गिन्नी 30,400 रुपये पर स्थिर रही।

सोने के विपरीत चाँदी में गिरावट रही। लगातार सात दिन चढ़ने के बाद इसके दाम घटे हैं। चाँदी हाजिर 380 रुपये लुढ़ककर 47,550 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गयी। चाँदी वायदा 349 रुपये की गिरावट में 46,640 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी। सिक्का लिवाली और बिकवाली गत दिवस के क्रमशः 920 रुपये और 930 रुपये प्रति इकाई पर टिके रहे।

डीजल 15 पैसे, पेट्रोल छह पैसे हुआ मंहगा

नई दिल्ली (वार्ता)। विदेशों में कच्चे तेल में रही तेजी के बीच देश में पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार दूसरे दिन बढ़े। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में आज डीजल 15 पैसे महँगा होकर 67.24 रुपये प्रति लीटर हो गया जो 12 सप्ताह का उच्चतम स्तर है। पेट्रोल की कीमत भी छह पैसे बढ़कर 14 दिसंबर के बाद के उच्चतम स्तर 74.74 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गयी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लंदन क्रूड का वायदा आज 68 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुँच गया। तीन महीने बाद कच्चा तेल 68 डॉलर के पार निकला है। इसके दाम में पिछले कुछ समय से धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है।

विमान ईंधन पर कर तत्काल घटाएं-पुरी

नई दिल्ली (वार्ता)। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राज्य सरकारों से कहा है कि वे विमान ईंधन पर लगने वाले मूल्य वर्द्धित कर (वैट) को घटाकर चार प्रतिशत या इससे कम करने के लिए तत्काल अधिसूचना जारी करें। उन्होंने कहा कि कई राज्यों ने क्षेत्रीय संपर्क योजना 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) के तहत शुरू की गयी उड़ानों के लिए विमान ईंधन पर वैट घटाकर एक प्रतिशत कर दी है, लेकिन राज्यों की राजधानी तथा अन्य बड़े शहरों से जाने वाली अन्य वाणिज्यिक उड़ानों के लिए राज्य 18 से 30 प्रतिशत के बीच कर लगा रहे हैं।

एक जनवरी से दिल्ली में क्राफ्ट बाजार

दूरदराज के क्षेत्रों के दस्तकारों को बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम करने वाली दस्तकारी हाट समिति का 15 दिवसीय वार्षिक क्राफ्ट बाजार एक जनवरी से दिल्ली हाट में शुरू होगा।

नई दिल्ली (वार्ता)। समिति की प्रमुख जया जेटली ने शुक्रवार को यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि समिति द्वारा आयोजित किए जाने वाले वार्षिक क्राफ्ट बाजार का यह 34वां संस्करण है, जहां देशभर के 200 से ज्यादा कलाकार एवं हस्तशिल्पी शिरकत करेंगे और अपनी कला का नमूना पेश करेंगे। दिल्ली हाट, आईएनए में सांस्कृतिक प्रदर्शनों एवं भारतीय कला, क्राफ्ट एवं टेक्सटाइल पर केंद्रित एक पखवाड़े तक चलने वाला क्राफ्ट बाजार साल में एक ही बार आयोजित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि यह समिति मुख्य रूप से इस क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं के लिए काम करती है और महिला कलाकारों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए मंच मुहैया कराती है। इसकी मदद से महिला कलाकारों को आजीविका के अवसर मिले हैं।

श्रीमती जेटली ने कहा कि टेक्सटाइल मंत्रालय के हस्तशिल्प विकास आयुक्त के सहयोग से बंगलादेश के साथ क्राफ्ट एवं स्किल एक्सचेंज प्रोग्राम भी आयोजित किया जाएगा। बंगलादेश के कलाकारों के साथ कार्यशाला का आयोजन दो जनवरी से होगा। यहां भारत एवं बंगलादेश के कलाकार मिलकर काम करेंगे। आयोजन के आखिरी दो दिनों में इनकी बनाई वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

उन्होंने कहा ÷सच्चे हस्तशिल्प कलाकारों और उनकी कला को लोगों के सामने लाना हमारे लिए गर्व और खुशी का विषय है। अगर हमारे बाजार से कलाकारों और यहां आने वालों को खुशी मिलती है तो हमारा लक्ष्य पूरा हो जाता है। हर साल हम और बेहतर करने का प्रयास करते हैं।÷

उन्होंने कहा कि राजधानी के हस्तशिल्प के शौकीन लोगों को यहां उनकी पसंद की वस्तुएं मिलेंगी। उन्हें 200 नए कलाकारों की कला देखने का मौका मिलेगा। इनमें रिसाइकिल किए हुए कपड़ों से लेकर बांस एवं रिसाइकिल की हुई वस्तुओं से तैयार टोकरियां और ऐसी ही अनेक हस्तकलाओं को देखने तथा खरीदने का अवसर होगा। यहां हमेशा से सम्मानित रहीं कई कलाएं जैसे ओडिशा की पट्टचित्र पेंटिंग, मिथिला की मधुबनी पेंटिंग, मूलरूप से दक्कन की पिचवई पेंटिंग समेत देश के अलग-अलग हिस्सों की ऐसी ही कई अन्य कलाकृतियां देखने को मिलेंगी।

टाटा मोटर्स की प्रकृति ई मोबिलिटी से करार

प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) टैक्सी सेवा प्रदाता प्रकृति ई-मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक करार किया है जिसके तहत राजधानी दिल्ली में कंपनी की 500 टिगोर ईवी कारें चलेंगी।

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रकृति ई-मोबिलिटी अपने ऐप आधारित प्लेटफॉर्म ईवेरा के जरिये टिगोर ईवी की दिल्ली एनसीआर में टैक्सी सेवा प्रदान करेगी। 160 से अधिक टिगोर ईवी जनवरी 2020 में सड़क पर आ सकती है। टाटा मोटर्स के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी बिजनेस एवं कॉर्पोरेट स्ट्रैटेजी के प्रमुख शैलेष चंद्रा ने शुक्रवार को यह घोषणा करते हुये कहा कि प्रकृति ई-मोबिलिटी सॉल्यूशंस सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण के स्थायित्व को बढ़ावा दे रही है। टिगोर ईवी उनकी कंपनी की पेशकशों में विस्तार होंगे, क्योंकि वे लंबी सीमा की जरूरतों को पूरा करने के लिये उपयुक्त हैं और कंपनी के वाणिज्यिक ग्राहकों को उच्च राजस्व की क्षमता भी प्रदान करते हैं। टिगोर ईवी के आने से उनकी कंपनी के व्यावसायिक लक्ष्य तो पूरे होंगे ही, पर्यावरण-हितैषी परिवहन समाधान प्रदान करने का उनका उद्देश्य भी पूरा होगा। प्रकृति ई मोबिलिटी के सह संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी निमिष त्रिवेदी ने कहा कि दिल्ली के लोगों के लिये टिगोर ईवी पेश कर उनकी कंपनी उत्साहित है। शून्य उत्सर्जन के निहित लाभों में विश्वास करते हुये टिगोर ईवी के परिचालन की कम लागत शहर में परिवहन को बदल देगी। उनकी योजना दिल्ली में 500 टिगोर ईवी चलाने और ग्राहकों को ईवी समाधानों के करीब लाने की है। टिगोर ईवी का नया संस्करण 213किलोमीटर का माइलेज देता है।

स्कूल के किचन गार्डन से बच्चों को मिल रही हरी सब्जियां

ग्राम हीरापुर के शासकीय माध्यमिक स्कूल में सब्जी का रख रखाव करते समूह की महिला, बच्चों को भी किया जा रहा है प्रेरित

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। जिला मुख्यालय समीपस्थ ग्राम हीरापुर के शासकीय माध्यमिक स्कूल में किचन गार्डन बनाकर सब्जी की खेती कर रहे है, जिसमें खासतौर पर स्कूल के शिक्षक व स्कूली बच्चे एवं रसोइया द्वारा हरी भरी सब्जी उगा रहे है7 मध्याह्न भोजन में बच्चों को खाने में हरी पौष्टिक सब्जियां मिल रही है। ये सब्जियां स्कूल के किचन गार्डन में तैयारी हो रही है। शिक्षा विभाग ने प्रायमरी व मीडिल स्कूलों में किचन गार्डन का निर्माण कराया है, जहां हरी पौष्टिक सब्जियां उगाई जा रही है। गार्डन में उगाई गई सब्जियों का उपयोग मिड-डे मील में किया जा रहा है। किचन गार्डन में सब्जियां उगाने केवल जैविक खाद का ही उपयोग किया जा रहा है।

जैविक खाद का ही उपयोग

किचन गार्डन में सब्जियां उगाने के लिए केवल जैविक खाद का उपयोग किया जा रहा है। सब्जियां भी मौसम के अनुसार उगाई जाएंगी, ताकि स्कूली बच्चों को मौसम के अनुरूप हरी

सब्जियां मिल सके। सब्जियों को कीट प्रकोप से बचाने कीटनाशक का उपयोग नहीं करने की सलाह दी गई है। जिले के लगभग 50 प्रतिशत स्कूलों में किचन गार्डन बनकर तैयार हो गया है, जहां से बच्चों को मध्याह्न भोजन में हरी सब्जियां पकाकर परोसी जा रही है। किचन गार्डन के माध्यम से बच्चों को खुद की उगाई सब्जियां खाने मिल रही है। यहीं नहीं बच्चों को किचन गार्डन में सब्जियां उगाने के साथ साथ पौधा रोपण के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। शहर के अधिकतर स्कूलों में किचन गार्डन हीं नहीं है, इसकी मुख्य वजह जगह नहीं होना है। स्कूल परिसर में जगह नहीं होने के कारण शहर के स्कूलों में किचन गार्डन तैयार नहीं किया जा सका है। जिन स्कूलों में जगह है वहां आहाता का निर्माण किया गया है। गांव के स्कूलों में सब्जियां फल फूल रही है। इसका सीधा उलटा शहर के स्कूलों में है। शहर के प्रायमरी व मिडिल स्कूलों में जगह के अभाव में किचन गार्डन नहीं बन पाया है। लेकिन विभाग के अधिकारी जगह देखकर किचन गार्डन बनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं।

शिक्षक के साथ बच्चे व रसोइया करते हैं देखभाल

किचन गार्डन में विभिन्न प्रकार की सब्जियां उगाई गई है, जिसका उपयोग मध्याह्न भोजन में किया जाता है। स्कूलों में बने किचन गार्डन की देखरेख स्कूली बच्चों के साथ स्कूल में पदस्थ शिक्षक करते हैं। स्कूली बच्चें बकायदा किचन गार्डन में जाकर पानी देते हैं। किचन गार्डन में धनिया, मिर्ची, लाल भाजी, पालक भाजी, फूलगोभी, करेला सहित अन्य हरी सब्जियां उगाई जा रही है।

मौसम ने ली करवट, फसलों को लेकर किसानों की बढ़ी चिंता

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। जिले में गुरुवार को सुबह हल्की बूंदाबांदी बारिश होने से किसानो को चिंता सताने लगी है। मौसम के इस बदलते हुए तेवर से एक ओर जहां ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर किसान और सरकारी मंडियों के प्रबंधकों के माथे पर चिंता की लकीरें दिखाई देने लगी है। जिले में अब तक धान की कटाई और मिजाई का काम पूरा नहीं हो सका है। बड़ी मात्रा में अब भी कटाई के बाद धान खेतों में ही रखे हुए हैं। वहीं खलिहानों में भी मिंजाई के लिए लाए गए धान भरे हुए हैं। ऐसे में बारिश होने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर जाएगा। सरकार ने धान में नमी की अधिकतम मात्रा 17 प्रतिशत तय करके रखी हुई है। ऐसे में अगर बारिश होती है तो धान को सुखाने की किसानों की कोशिश को तो झटका लगेगा साथ ही धान के भीगने पर उनकी मुश्किलें बढ़ना भी तय है।

बूंदाबांदी बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त

2 दिनों से मौसम ने करवट बदल दी है। अचानक ठंड के दिनों में हल्की बूंदाबांदी होने लगी है, जिससे तापमान लगातार नीचे गिर रहा है। दिन में भी 20 डिग्री से कम तापमान होने से ठिठुरन बढ़ने लगी है। वही गुरुवार की सुबह से हो रही बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त होने लगा है। लोग इस असमंजस में है कि हम स्वेटर पहने या रेनकोट, क्योंकि ठंड इतनी बढ़ चुकी है कि सिर्फ रेनकोट से गुजारा नहीं हो सकता और खुले में निकलना चाहे, तो बिना रेनकोट के जा नहीं सकते। मौसम के बीच लोगों को अपने स्वास्थ्य की चिंता सताने लगी है। मौसम विभाग का मानना है कि 2 दिन तक ऐसी स्थिति और बनी रहेगी। इधर लोगों के बीच चर्चा है कि बरसात के दिनों में भी इतनी ठंड नहीं लगी थी। जितनी अब लग रही है चारों ओर कोहरा बूंदाबांदी और बारिश का सिलसिला दिख रहा है। आसमान काली घटाओं से छाया हुआ है। सुबह से सूर्य के दर्शन ही नहीं हुए। ऐसा लग रहा है मानो सावन की झड़ी लगी है। इस मौसम में हर किसी को सावधान रहने की जरूरत है। सेहत के साथ ही सड़क पर भी सावधानी बरतनी पड़ेगी, क्योंकि कोहरे और बूंदाबांदी बारिश के कारण सड़क भी साफ नजर नहीं आ रहा है। बादल छटने से पहले बारिश थमते तक सुबह कोहरा बना रहता है। अब मौसम फिर बदला है। वही डॉक्टरों ने भी कहा है कि अपनी सेहत का ख्याल रखें बाहर निकलते वक्त गर्म कपड़े पहने खानपान में भी सावधानी बरतें थोड़ी सी लापरवाही आपकी सेहत बिगाड़ सकती है।

12 रूपए में धान को सुरक्षित रखने की चुनौती

सोसाइटियों में धान को बारिश से धान को बचाने के लिए प्रति क्विंटल 12 रूपए की राशि समितियों को दिया जाता है। इस राशि में समितियों को धान की सुरक्षा के लिए तिरपाल और पन्नी की व्यवस्था करने के साथ चौकीदार, सफाई और बिजली का जुगाड़ भी करना होता है। बारिश के मंडराते हुए खतरे को देखते हुए समिति प्रबंधकों ने इसके ढंकने की व्यवस्था तो कर लिया है। लेकिन कुछ मंडी में टूटे हुए शेड प्रबंधकों की चिंता बढ़ा रहे हैं।

किसानों में बढ़ गई चिंता

लगातार हो रही बारिश से खासकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। क्योंकि खेतों में धान भीगने से उन्हें बहुत नुकसान हो रहा है।10 फीसदी किसान अभी भी धान कटाई नहीं करवा पाए। कई किसान जो पहले धान कटाई करवा चुके हैं, वे रबी फसल लगाने की तैयारी कर रहे थे। दलहन तिलहन के तहत खेतों की मेड़ पर अरहर व तिवरा की फसल लहलहा रही है, जिससे अब बारिश और बदली से किट प्रकोप का खतरा बढ़ चुका है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म, आरोपी युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- **30 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार दल्लीराजहरा पुलिस ने आरोपी राजू उर्फआशीष को गिरफ्तार कर लिया है**

बालोद। नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद के जीत की आभार रैली में गई नाबालिक के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना दल्लीराजहरा थाने क्षेत्र की बताई जा रही है। दुष्कर्म के बाद आरोपी ने नाबालिक को 3 किलोमीटर दूर छोड़ दिया। जिसके बाद स्थानीय लोगो ने मामले की सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने दल्लीराजहरा थाने में की 30 वर्षीय आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। दल्लीराजहरा पुलिस ने आरोपी राजू उर्फ आशीष को गिरफ्तार कर लिया है।

तीन दिवसीय भव्य संगीतमय 5 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन

बालोद। अखिल भारतीय विश्व गायत्री शांतिकुंज के निर्देशन वेदमाता गायत्री के सूक्ष्म संरक्षण में समस्त ग्रामवासी के सहयोग से गायत्री परिवार उसरवारा (पुरूर)में 3, 4 एवं 5 जनवरी को शांतिकुंज प्रतिनिधि डीआर पुरोहित टोली भव्य तीन दिवसीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन किया गया गांव के सुख शांति, समृद्धि, ग्राम विकास, समाज कल्याण,आत्म कल्याण,परिवार निर्माण,पर्यावरण संरक्षण,चेतना विकास,स्वस्थ जीवन शैली के साथ साथ धरती में स्वर्ग का अवतरण एवं मनुष्य में देवत्व का उदय के उद्देश्य के लिए यह आयोजन किया जा रहा है।

धान खरीदी में लापरवाही व अनियमितता बरतने पर 4 समिति प्रबंधक को किया गया निलंबित

- **वही धान खरीदी केंद्रों में कसावट लाने 110 कंप्यूटर ऑपरेटर को किया गया इधर से उधर**

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। धान की खरीदी में तौल एवं बारदाने के रखरखाव और स्टेकिंग में लापरवाही व अनियमितता बरतने पर ग्राम कुसुमकसा, डौंडी, कोचेरा के सहकारी समिति प्रबंधक को निलंबित कर दिया गया हैं। वही ग्राम मनकी के उपार्जन केंद्र प्रभारी को भी निलंबित किया गया हैं। कलेक्टर के निर्देश पर उप पंजीयक के द्वारा उक्त कार्वाई की गई हैं। कुल 4 अधिकारियों पर निलंबन की गाज गिरी हैं। साथ ही धान खरीदी केंद्रों में कसावट लाने के लिए जिले के पूरे 110 कम्प्यूटर ऑपरेटरों का स्थानान्तरण अन्य उपार्जन केंद्रों में किया गया हैं। याने की समिति में कार्यरत 110 ऑपरेटरों को इधर से उधर किया गया हैं। उक्त कार्वाई से अन्य समितियों के प्रबंधकों में हड़कम्प की स्तिथि बनी हुई हैं।

हल्बा आदिवासी समाज ने मनाया शक्ति दिवस

बालोद। नगर के जयस्तंभ चौक समीपस्थ हल्बा आदिवासी भवन में अखिल भारतीय हल्बा आदिवासी समाज द्वारा समाज का प्रमुख पर्व शक्ति दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अमर शहीद शहीद गैंदसिंह के छायाचित्र पर माल्यार्पण व पूजा अर्चना कर कलशयात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। शहर भ्रमण के बाद कलशयात्रा सामाजिक भवन पहुंची, जहां अतिथियों ने समाज के लोगों को एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम में समाज के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही लूटी। शक्ति दिवस पर अखिल भारतीय हल्बा आदिवासी समाज द्वारा गुरुवार को दोपहर शहर में कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा मुख्य मार्ग से पुराना बस स्टैंड होते हुए मधु चौक पहुंची। यहां से सामाजिक भवन पहुंची। महिलाएं, बुजुर्ग व बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। दोपहर दो बजे समाजजनों ने माता दंतेश्वरी की पूजा अर्चना कर आरती की। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसके बाद बालिकाओं ने तांडवी नृत्य प्रस्तुत किया। बालिकाओं की प्रस्तुति पर खूब तालियां बजी। इसके बाद कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीआर बेलसर ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल को बधाई देते हुए कहा कि एक संगठित व शिक्षित समाज ही आगे बढ़ सकता है। उन्होंने शहीद गैंदसिंह के शहादत व उनके योगदान को भी याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जीआर कोमिया ने कहा कि 26 दिसंबर को हल्बा समाज द्वारा सभी जगहों पर शक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य हल्बा समाज को संगठन प्रदान करना है। विशिष्ट आतिथि चिदाकांश आर्य ने कहा समाज में लोग पढ़े-लिखे व विकसित होने के बाद भी संगठित नहीं हैं। इसलिए हमारा पहला कार्य समाज को संगठित करना है। समाज के लोग जो अलग-अलग दिशा में हैं।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में धारा-144 प्रभावशील

बालोद। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रानू साहू ने आदेश जारी कर जिले में त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2019-20 के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों यथा-विकासखण्ड बालोद, गुरूर, गुण्डरदेही, डौण्डीलोहारा और डौण्डी में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 लागू किया है। जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि बालोद राजस्व जिला के ग्रामीण क्षेत्रों यथा-विकासखण्ड बालोद, गुरूर, गुण्डरदेही, डौण्डीलोहारा, डौण्डी सीमा क्षेत्र के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का घातक शस्त्र तथा बंदूक, पिस्टल, रिवाल्वर, भाला बल्लम, बरछा, लाठी एवं अन्य प्रकार के घातक हथियार तथा विस्फोटक सामग्री किसी भी सार्वजनिक स्थान आम सड़क, रास्ता, सार्वजनिक सभाए एवं अन्य स्थानों पर लेकर नहीं चलेगा। कोई भी अभ्यर्थी सशस्त्र जुलूस नहीं निकालेगा और न ही आपत्तिजनक नारे लगाएगा और न ही आपत्तिजनक पोस्टर वितरित करेगा। यह आदेश उन शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा जिन्हें अपने कार्य के सम्पादन के लिए लाठी या शस्त्र रखना आवश्यक है।

गायत्री परिवार ने मंत्री अनीला भेंड़िया को सौंपा ज्ञापन

बालोद। अखिल विश्व गायत्री परिवार के अगवानी में अन्य धार्मिक संस्थाओं व सर्वसमाज के समर्थन में सरकार द्वारा आँगनबाड़ी व विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अण्डा परोसा जा रहा है जो कि माँसाहार की श्रेणी में आता है। जिला समन्वयक राजेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि यह वैज्ञानिक शोधों से भी स्पष्ट हो चुका है। मुर्गियाँ अधिकांश भोजन ताजा कीड़ों, केंचुओं तथा ग्रामबोन से प्राप्त करती हैं। निषेचित और अनिषेचित दोनों प्रकार के अण्डे जीवन युक्त ही होते हैं। जबकि मनुष्य का भोजन वनस्पति, फल फूल तथा दूध ही है। यही दीर्घजीवी होने का राजमार्ग है। अण्डा माँसाहार से बौद्धिक, आध्यात्मिक और भावनात्मक हानि तो इतनी अधिक है कि उसकी तुलना में यदि शरीर को कुछ लाभ होता भी है तो त्यागने ही योग्य है। प्रशासन को अण्डा की जगह उससे कई गुना प्रोटीन पौष्टिकता के रूप में चना, सोयाबीन, मूँगफली व ताजा मौसमी फल में है जिसे बच्चों को दे सकते हैं पिछले महिनों से हमारे जिलास्तरीय और ब्लाकस्तरीय धरना प्रदर्शन के माध्यम से सरकार को समझाया जा रहा है कि इस अनैतिक योजना को तत्काल बंद कर दिया जाए।

निपानी में आयोजित धार्मिक पर्व में विधिक साक्षरता योजनाओं की जानकारी दी गई

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालोद शीतल निकुंज के द्वारा 26 दिसम्बर को सतनाम समाज के द्वारा गुरू घासीदास जयंती के अवसर पर ग्राम निपानी, जिला बालोद में आयोजित धार्मिक पर्व में सम्मिलित होकर विधिक साक्षरता एवं सालसा व नालसा द्वारा आयोजित योजना के क्रियान्वयन एवं प्रचार प्रसार और आवश्यक मूलभूत विधिक सहायता निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध करवाये जाने संबंधी जानकारी दी गई। उक्त विधिक जागरूकता शिविर में विशेषकर मौलिक अधिकारों के क्रियान्वयन और बालकों की मौलिक शिक्षा व उनके अधिकार के प्रति उनके माता पिता को सचेत किया गया। उक्त तारतम्य में बाल श्रम, जैसे कुरितियों के प्रति उन्हें जागरूक करते हुए ''हमने अब है ठाना बाल व्यापार को है जड़ से मिटाना'' के संबंध में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित समस्त ग्रामवासियों को कानूनी जानकारी दी गई। इस अवसर पर ग्रामीण पदाधिकारी केदार, बी.एल. जांगड़े, जनपद अध्यक्ष सुकन्या बाई एवं पैनल अधिवक्ता देवानंद साहू, पैरालिगल वालिंटियर्स खुर्शीद सिद्धकी, अजय बंजारे, कमलेश्वर साहू, बृजेश साहू, रंजीत बंजारे, दीपक साहू आदि उपस्थित रहे।

सूर्य ग्रहण में खगोलीय घटनाओं को देखने के लिए स्कूलों में लगा दूरबीन

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। शा कन्या उच्च माध्य विद्या बलोद में सूर्य ग्रहण को सूर्योत्सव के रूप में मनाने के लिए न केवल शहर के छात्र छात्राएं बल्कि आसपास के भी छात्र एवं शिक्षक उपस्थित होकर अद्भुत खगोलीय घटनाएं के साक्षी बने साथ ही मिर्ची भजिया, समोसा बड़ा और चाय पीते हुए इस अंधविश्वास का खण्डन किया कि ग्रहण के दौरान कुछ खाना पीना नहीं चाहिए।

साथ ही सोलर फिल्टर युक्त टेलिस्कोप द्वारा सुरक्षित सूर्य ग्रहण का अवलोकन किया। रोलप्ले मेथड से ग्रहण कैसे होता है उसका प्रदर्शन किया गया और पौराणिक प्रचलित मान्यताओं को बताते हुए उनसे जुड़े अंधविश्वासों का खंडन किया गया। इस कड़ी में महाभारत काल में अर्जुन द्वारा जयद्रथ वध का वर्णन बीएन योगी द्वारा किया गया। अंजलि, मौसमी, शालू, सृष्टि, सुमन, यशवंत, अनुराग, रमन एवं अन्य छात्राओं द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब बीएन योगी ने विस्तार पूर्वक देकर उनके शकाओ का निवारण किया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए बीएन योगी अखिलेश कुमार वर्मा, छत्रपाल बघेल, देव नारायण तिवारी के प्रयासों द्वारा सूर्य ग्रहण का विशाल आयोजन किया गया, साथ ही अंजलि ने पूछा कि ग्रहण के दौरान खाने पीने से मना क्यों करते है? मीनाक्षी ने पूछा कि ग्रहण के दौरान गर्भवती महिलाओं को बाहर निकलने से मना क्यों किया जाता है? क्या बाहर निकलने से विकलांग बच्चे पैदा होते है?

इसके जवाब में बी एन योगी ने खगोलशास्त्री एवं पंडित रवि शंकर विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके प्रोफेसर आर के ठाकुर का संस्मण सुनाया। महाविद्यालयीन छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित रहीं, पाइपर्छेड़ी के वरिष्ठ व्याख्याता उमेश देशमुख, सुरेश बंजारे, झलमला स्कूल के बीआर साहू सहित अन्य पालकगण उपस्थित रहे।

■ न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय चयनकर्ता गांधी के ड्रेसिंग रूम में घुसने पर उठा विवाद

कोलकाता (वार्ता)। पूर्वी क्षेत्र से राष्ट्रीय चयनकर्ता देवांग गांधी के ईडन गार्डन में बंगाल रणजी ट्रॉफी टीम के ड्रेसिंग रूम में घुसने को लेकर विवाद उठ खड़ा हुआ है जिसके बाद बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने इस मामले पर गुरुवार को अपनी सफाई दी। रिपोर्टों के अनुसार पूर्वी क्षेत्र से बीसीसीआई के राष्ट्रीय चयनकर्ता गांधी को भ्रष्टाचार रोधी इकाई के अधिकारी ने खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र के प्रोटोकॉल तहत बंगाल टीम के ड्रेसिंग रूम से बाहर जाने के लिए कह दिया। कैब के सचिव अविषेक डालमिया ने इस विवाद के बाद एक बयान जारी कर कहा, ÷गांधी ड्रेसिंग रूम क्षेत्र में उस समय घुसना चाह रहे थे जब खेल नहीं चल रहा था। उन्हें खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र में मैच रेफरी से आवश्यक अनुमति मिल जाने के बाद ही भ्रष्टाचार रोधी इकाई के अधिकारी ने अस्थायी आगंतुक के तौर पर घुसने की अनुमति दी।

दिव्यांश और तिलक से जीता भारत अंडर 19

ईस्ट लंदन (वार्ता)। ऑफ स्पिनर रवि बिश्नोई (36 रन पर 3 विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद ओपनरों दिव्यांश सक्सेना (नाबाद 86) और तिलक वर्मा (59) के बेहतरीन अर्धशतकों से भारत अंडर 19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका अंडर 19 टीम को पहले युवा वनडे में गुरुवार को नौ विकेट से हरा दिया। भारत अंडर 19 ने मेहमान टीम को 48.3 ओवर में 187 रन पर ढेर करने के बाद 42.3 ओवर में एक विकेट पर 190 रन बना कर मैच जीत लिया और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दिव्यांश ने 116 गेंदों पर नाबाद 86 रनों की पारी में 11 चौके लगाए। उन्होंने तिलक वर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 30.5 ओवर में 127 रन जोड़े। तिलक ने 95 गेंदों पर 59 रन में 9 चौके लगाए। दिव्यांश ने फिर कुमार कुशाग्र के साथ दूसरे विकेट के लिए 63 रन की अविजित साझेदारी की। कुशाग्र ने 44 गेंदों पर नाबाद 43 में 6 चौके लगाए।

दिल्ली को पराजित कर रेलवे फाइनल में

नई दिल्ली (वार्ता)। खिताब की प्रबल दावेदार रेलवे ने यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रही 48वीं राष्ट्रीय महिला हैंडबाल प्रतियोगिता के पांचवें दिन गुरूवार को पहले सेमीफाइनल में दिल्ली को 32-14 से पराजित कर खिताबी मुकाबले में जगह बना ली। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से सजी हुई दोनों टीमों के बीच हुए मुकाबले में रेलवे की टीम हावी रही। रेलवे की तरफ से सबसे अधिक गोल अनुमित ने किए। अनुमित ने 9 गोल किए जबकि सुषमा और पवित्रा ने 6-6 गोल किए। सन्थिया ने 4, मोनिका ने 5 और सृष्टि ने एक गोल किया।

मेजबान चेन्नइयन को 4-3 से हराकर टॉप पर पहुंचा गोवा

एफसी गोवा ने गुरुवार रात को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में मेजबान तथा दो बार के चैम्पियन चेन्नइयन एफसी को 4-3 से हराकर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के छठे सीजन की अंक तालिका में एक बार फिर टॉप पोजीशन को हासिल कर लिया।

चेन्नई (वार्ता)। मेजबान चेन्नइयन एफसी का सीजन में यह नौवां मैच था और टीम दो जीत, तीन हार और तीन ड्रॉ से नौ अंक लेकर 10 टीमों की तालिका में आठवें स्थान पर है। गोवा का यह 10वां मैच था और टीम अब छह जीत, तीन ड्रॉ और एक हार के साथ 21 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर काबिज हो गई है। गोवा की यह लगातार चौथी जीत है। इस सीजन में गोवा सबसे अधिक 6 जीत हासिल करने वाली पहली टीम बन गई है।

गोवा के लिए अहमद जाहो ने 26वें, ब्रेंडन फर्नांडिस ने 41वें, ह्यूगो बोउमोस ने 45वें और फेरान कोरोमिनास ने 63वें मिनट में गोल किए जबकि मेजबान टीम के लिए आंद्रे शेम्बरी ने 57वें, रफाएल क्रिवेलारो ने 59वें तथा 91वें मिनट में गोल किए। इस सीजन में पहली बार किसी मैच में इतने गोल हुए हैं।

आधा दर्जन गोल वाले मैच का पहला हाफ पूरी तरह गोवा के नाम रहा। उसने 3-0 की बढ़त के साथ एक लिहाज से यह मैच अपने नाम कर लिया। इस हाफ की शुरुआत में चेन्नइयन एफसी ने अच्छी इच्छाशक्ति दिखाई और गोवा को कई मौकों पर चुनौती दी लेकिन पहले हाफ के मध्यांतर के बाद मानो उसने घुटने टेक दिए। इसी का फायदा उठाकर गोवा ने एक के बाद एक तीन गोल करते हुए अपने लिए तीन अंक सुरक्षित कर लिए।

मैच का पहला गोल जाहो ने 26वें मिनट में किया। जाहो ने यह गोल बोउमोस की मदद से किया। इस गोल में कोरोमिनास का भी हाथ रहा। कोरो ने ही राइट फ्लैंक से बोउमोस को पास दिया था। बोउमोस ने बॉक्स में पहुंचे जाहो को पास दिया और इस डिफेंसिंव मिडफील्डर ने बिना किसी दिक्कत के विशाक कैथ को छका दिया।

गोवा ने अपना लय बनाए रखा और इसका फायदा उसे 41वें मिनट मिला, जब ब्रेंडन फर्नांडिस ने गोल करते हुए गोवा को 2-0 से आगे कर दिया। इस गोल में चेन्नइयन एफसी के डिफेंस की हालांकि लापरवाही भी रही। जर्मनप्रीत सिंह ने लूसियान गोइयान को एक बैक पास दिया, जिसे वह ठीक से नियंत्रित नहीं कर सके। ब्रेंडन ने चपलता दिखाते हुए गेंद अपने कब्जे में ली और पोस्ट में डाल दिया। मेहमान टीम ने अपने लय को आगे भी जारी रखा और हार के डर से हकलान हो चुके चेन्नइयन एफसी पर लगातार हमले किए।

दानिश कनेरिया के साथ भेदभाव: कासिम और मोहसिन का समर्थन मिला

पीसीबी ने झाड़ा अपना पल्ला कहा- शोएब के साथी जवाब दें

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शोएब अख्तर के बयान से किनारा करते हुए कहा कि वह वह इस आरोप के लिए जवाबदेह नहीं है। अख्तर ने कहा था कि उनके पूर्व साथी दानिश कानेरिया को हिन्दू होने के कारण अन्य खिलाड़ियों से भेदभाव झेलना पड़ता था।

- कनेरिया एक हिंदू खिलाड़ी थे इसलिए उनके साथ खाना भी नहीं खाते थे साथी क्रिकेटर
- महान खिलाड़ी हैं शोएब अख्तर, बोलिंग की तरह बातें भी खरी-खरी करते हैं: दानिश कनेरिया
- इस पर बोर्ड ने कहा- इस आरोप पर तो कनेरिया और अख्तर के साथियों को जवाब देना चाहिए

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शोएब अख्तर के बयान से किनारा करते हुए कहा कि वह वह इस आरोप के लिए जवाबदेह नहीं है। अख्तर ने कहा था कि उनके पूर्व साथी दानिश कानेरिया को हिन्दू होने के कारण अन्य खिलाड़ियों से भेदभाव झेलना पड़ता था। अख्तर ने यह कहकर बवाल पैदा कर दिया कि कनेरिया का कुछ खिलाड़ियों ने अपमान किया क्योंकि वह हिन्दू था। इस वजह से उन्हें जरूरी श्रेय नहीं मिला और कुछ खिलाड़ी तो उसके धर्म के कारण उसके साथ खाना नहीं खाते थे।

शोएब अख्तर ने किया था खुलासा

कनेरिया ने भी अख्तर के बयान पर सहमति जताई और कहा कि वह जल्द ही उन खिलाड़ियों के नामों का खुलासा करेंगे जिन्होंने उनके धर्म के कारण उनके साथ गलत व्यवहार किया। यह पूर्व स्पिनर 2012 से स्पॉट फिक्सिंग के कारण आजीवन प्रतिबंध झेल रहा है।

बोर्ड की यह दलील

पीसीबी के प्रवक्ता ने कहा, 'अख्तर और कनेरिया दोनों संन्यास ले चुके हैं और हमसे अनुबंधित नहीं हैं इसलिए वह जो चाहे कर सकते हैं और कह सकते हैं। यह उनके विचार हैं। और उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट की पूरी व्यवस्था के खिलाफ नहीं बल्कि कुछ खिलाड़ियों के व्यवहार को लेकर आरोप लगाए हैं।' उन्होंने कहा, 'जब कनेरिया खेल रहा था तब इंजमाम उल हक, राशिद लतीफ, यूनिस खान और मोहम्मद यूसुफ पाकिस्तान के कप्तान रहे। अख्तर और कनेरिया ने जो कुछ कहा, इस पर उन्हें जवाब देना चाहिए। इसमें बोर्ड को क्यों शामिल होना चाहिए।' अख्तर और कनेरिया को पूर्व टेस्ट खिलाड़ी इकबाल कासिम और मोहसिन खान का समर्थन मिला है। पूर्व टेस्ट सलामी बल्लेबाज ने मोहसिन खान ने कहा, 'एक खिलाड़ी का आकलन उसके धर्म, रंग या जाति से नहीं बल्कि उसके क्रिकेट कौशल और टीम के प्रति प्रतिबद्धता से किया जाना चाहिए।

हेड (114) और कप्तान पेन (79) की जबरदस्त पारी

ट्रेविस हेड के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलिया हुआ मजबूत

ट्रेविस हेड (114) के शानदार शतक और कप्तान एवं विकेटकीपर टीम पेन (79) की जबरदस्त पारी तथा उनके साथ छठे विकेट के लिए 150 रनों की साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए 467 का बड़ा स्कोर बना लिया और स्टंप्स तक मात्र 44 रन के स्कोर पर न्यूज़ीलैंड के 2 विकेट भी गिरा दिए।

मेलबोर्न (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह चार विकेट पर 257 रन से आगे खेलना शुरू किया था और अपनी पहली पारी में 155.1 ओवरों में विशाल 467 रन बनाए। ट्रेविस हेड ने अपनी 25 रनों की पारी को आगे बढ़ाते हुए शानदार शतक जड़ा। उन्होंने 234 गेंदों की पारी में 12 चौके की मदद से 114 रन बनाये और वह नील वेगनर की गेंद का शिकार हुए। टेस्ट करियर में यह उनका दूसरा शतक था।

कप्तान पेन ने भी 138 गेंदों पर 79 रन की पारी से टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में महतवपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में नौ चौके लगाए। पेन और ट्रेविस ने मिल कर छठे विकेट के लिए जबरदस्त 150 रनों की साझेदारी की। पूर्व कप्तान स्टीवन स्मिथ 77 रन से आगे खेलते हुए 85 रन पर आउट हुए। उन्होंने 242 गेंदों की पारी में 8 चौके और एक छक्का लगाए। बल्लेबाजी करने आयी न्यूज़ीलैंड टीम की शुरुआत बेहद साधारण रही और टीम के 23 रन के स्कोर पर टॉम ब्लंडेल मात्र 15 रन पर अपना विकेट गवां बैठे। पहले नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान केन विलियम्सन भी कुछ ख़ास नहीं कर सकें और 16 रन बाद केवल 9 रन के निजी स्कोर पर पैटिनसन की गेंद पर कीपर पेन को कैच थमा बैठे।

डोप टेस्ट में फेल सांगवान पर लगा एक वर्ष का प्रतिबंध

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने पूर्व एशियाई रजत पदक विजेता मुक्केबाज सुमित सांगवान पर डोप परीक्षण में विफल होने के कारण एक वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया है।

नई दिल्ली (वार्ता)। नाडा के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने गुरुवार रात को ट्वीट कर कहा, ÷सुमित सांगवान द्वारा प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के कारण उन पर तत्काल प्रभाव से एक वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया गया है। सांगवान के नमूने को 10 अक्टूबर को प्रतियोगिता से बाहर (ओओसी) एकत्र किया गया था और उन्हें प्रतिबंधित पदार्थ एसेटेज़ोलैमाइड के लिए पॉजीटिव पाया गया था जो वाडा की 2019 की प्रतिबंधित सूची में शामिल है। नाडा इंडिया ने ट्वीट कर कहा, ÷भारतीय मुक्केबाज सुमित सांगवान के डोप टेस्ट में एसेटेज़ोलैमाइड पदार्थ पाया गया जो प्रतिबंधित पदार्थ की श्रेणी में आता है। उनका नमूना 10 अक्टूबर 2019 को एकत्र किया गया था जब वह एलीट पुरूष बॉक्सिंग चैम्पियनशिप, 2019 में भाग ले रहे थे। उन्होंने कहा, एंटी-डोपिंग अनुशासन समिति ने सुमित को अनुच्छेद 10.5.1 के तहत एक वर्ष की अवधि के लिए अयोग्य करार दिया है। उन पर प्रतिबंध तत्काल प्रभाव 26 दिसंबर से लागू होगा। सुमित ने अपने बचाव में हालांकि किसी प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन से इंकार करते हुए याचिका में कहा था कि उन्होंने आंख में संक्रमण होने के कारण डॉक्टर को दिखाया था और डॉक्टर द्वारा दी गयी दवाई में प्रतिबंधित पदार्थ था।

पारस डोगरा ने बनाया नौवां दोहरा शतक

कोलकाता (वार्ता)। पुडुचेरी की तरफ से खेल रहे अनुभवी बल्लेबाज पारस डोगरा (200) ने मिजोरम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप मैच में शानदार दोहरा शतक बनाया जिसकी बदौलत पुडुचेरी ने अपनी पहली पारी 5 विकेट पर 458 रन बना कर घोषित कर दी। 35 वर्षीय डोगरा का प्रथम श्रेणी में यह नौवां दोहरा शतक है। ओवरआल प्रथम श्रेणी में यह उनका 26वां शतक है और इसी के साथ उन्होंने 8000 रन भी पूरे कर लिए। उन्होंने इस सत्र में लगातार दूसरा शतक बनाया है। उन्होंने पिछले मुकाबले में सिक्किम के खिलाफ 117 रन बनाये थे। डोगरा ने 220 गेंदों पर 200 रन में 20 चौके और 2 छक्के लगाए।

मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र के बीच होगा हॉकी प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला

मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी और हॉकी महाराष्ट्र के बीच अखिल भारतीय प्राइजमनी महिला हॉकी प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

झांसी (वार्ता)। यहां ध्यानचंद स्टेडियम में खेले गये पहले सेमीफाइनल में महाराष्ट्र ने खेल छात्रावास लखनऊ की टीम को 4-1 से हराकर जीत हासिल की। महाराष्ट्र की भावना खरे ने 15वें मिनट में ही पहला गोल कर अपनी टीम को बढत दिलायी और इसके बाद राखी प्रजापति ने दो गोल दागकर मैच में अपनी टीम का दबदबा बना दिया। वैष्णवी फालके ने एक और गोल कर जीत का अंतर बढ़ा दिया। लखनऊ की तरफ से अंशिका सिंह ने एकमात्र गोल कर पायी। महाराष्ट्र की टीम ने 4-1 से मैच अपने नाम किया। दूसरे सेमीफाइनल में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ने उत्तर रेलवे को 2-0 से मात दी। मध्य प्रदेश की उपासना सिंह ने मैच के 12वें मिनट में और कंचननिधि ने 14वें मिनट में गोल दागकर विपक्षी टीम पर बढ़त बनायी। इसके बाद पूरे समय रेलवे की टीम इस अंतर को कम या बराबर करने का प्रयास करती रही लेकिन उसे अंत तक कामयाबी नहीं मिली। मध्यप्रदेश ने यह मैच 2-0 के अंतर से जीत लिया। शुक्रवार को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा जबकि तीसरे स्थान के लिए उत्तर रेलवे और खेल छात्रावास लखनऊ की टीमें जोर आजमायेंगी।

जीत का विकल्प लक्ष्य सेन के रूप में भारत को मिला भारतीय बैडमिंटन का नया स्टार

विश्व चैंपियन सिंधू के खेल में रहा उतार-चढ़ाव

रियो ओलम्पिक की रजत पदक विजेता पीवी सिंधू ने विश्व चैंपियनशिप की पहली भारतीय विजेता होने का इतिहास रचा लेकिन इसे छोड़कर उनके प्रदर्शन में पूरे साल गिरावट देखने को मिली जबकि युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन भारतीय बैडमिंटन के नए स्टार बनकर उभरे।

भारत की दूसरी शीर्ष खिलाड़ी सायना नेहवाल पूरे साल अपनी फॉर्म और फिटनेस से संघर्ष करती रही और वह उस खिलाड़ी की छाया मात्र दिखाई दीं जिसने 2012ओलम्पिक में कांस्य और 2018 में राष्ट्रमंडल खेलों में सिंधू को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। पुरुष एकल में किदाम्बी श्रीकांत ने ख़ासा निराश किया जबकि सौरभ वर्मा घरेलू टूर्नामेंट सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंच कर उपविजेता बने। चिराग शेट्टी और सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी ने अगस्त में थाईलैंड ओपन में पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह पहली भारतीय जोड़ी बने। सात्विक और चिराग फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचकर उपविजेता बने और उन्होंने युगल मुकाबलों में सबसे ज्यादा उम्मीद बंधाई है।

नई दिल्ली (वार्ता)। चिराग शेट्टी और सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी की जोड़ी ने साल 2019 में पुरुष युगल मुकाबलों में कुछ शानदार प्रदर्शन किया और अगले साल के टोक्यो ओलम्पिक के लिए उम्मीद बंधा दी। सिंधू के विश्व खिताब, लक्ष्य के साल के पांच खिताब और अपनी सर्वश्रेष्ठ 32वीं रैंकिंग तथा चिराग शेट्टी और सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी का पुरुष युगल में शानदार प्रदर्शन इस साल भारतीय बैडमिंटन की कुछ चमकदार उपलब्धियां रहीं। सिंधू ने अगस्त में जापान की नोजोमी ओकुहारा को लगातार गेमों में पराजित कर विश्व चैंपियनशिप जीतने के साथ नया इतिहास रच दिया। सिंधू इस खिताब से पहले तक और इस खिताब को जीतने के बाद साल के अंत तक संघर्ष करती रहीं। विश्व चैंपियनशिप के बाद सात टूर्नामेंटों में वह मात्र एक टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंची और अन्य टूर्नामेंटों में उनका बोरिया बिस्तर पहले या दूसरे दौर में बंधता रहा। साल के आखिरी वर्ल्ड टूर फाइनल्स में सिंधू अपने ग्रुप के पहले दो मैच हारकर सेमीफाइनल की होड़ से बाहर हो गयीं। उन्होंने अपना आखिरी मैच जीता लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। सिंधू ने पिछले साल यह खिताब जीता था और उसके बाद के 12 महीनों में उन्होंने विश्व चैंपियनशिप के रूप में मात्र एक खिताब जीता। अपने प्रदर्शन में उतार चढ़ाव के बावजूद सिंधू टोक्यो ओलम्पिक में भारत के लिए बैडमिंटन में सबसे बड़ी पदक उम्मीद मानी जा रही हैं लेकिन 2020 में उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। सिंधू की विदेशी कोच किम जी ह्यून को उनकी विश्व चैंपियनशिप की कामयाबी का श्रेय गया लेकिन ह्यून ने निजी कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया जिसके बाद सिंधू के प्रदर्शन में भारी गिरावट देखने को मिली। भारत के उभरते स्टार लक्ष्य सेन ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया और साल के आखिरी महीने दिसम्बर में ढाका में बंगलादेश इंटरनेशनल चैलेंज बैडमिंटन टूर्नामेंट का ख़िताब जीता।

दिल्ली सत्र की पहली जीत की दहलीज पर

नई दिल्ली (वार्ता)। इशांत शर्मा और सिमरजीत सिंह के एक और शानदार प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए और बी मुकाबले में हैदराबाद के खिलाफ जीत की दहलीज पर पहुंच गयी है। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में दिल्ली को जीत के लिए 84 रन का मामूली लक्ष्य मिला है और उसने शुक्रवार को तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक बिना कोई विकेट खोये 24 रन बना लिए हैं। कप्तान शिखर धवन 15 रन बना कर और कुणाल चंदेला छह रन बना कर क्रीज पर हैं। दिल्ली को मात्र 60 रन की जरुरत है और उसके सभी 10 विकेट बाकी है। दिल्ली ने पहली पारी में 284 रन बनाये थे जबकि हैदराबाद की टीम पहली पारी में मात्र 69 रन पर सिमट गयी थी और उसे फॉलोऑन करना पड़ा था। हैदराबाद ने सुबह दो विकेट पर 20 रन से आगे खेलना शुरू किया और ओपनर तथा कप्तान तन्मय अग्रवाल की 103 रन की शानदार पारी से पारी की हार को टाल दिया। हैदराबाद की टीम ने दूसरी पारी में 298 रन बनाये। तन्मय ने 154 गेंदों पर 13 चौको और एक छक्के की मदद से 103 की शानदार पारी खेली। हैदराबाद ने अपनी छह विकेट 97 रन पर गवां दिए थे लेकिन तन्मय ने तनय त्यागराजन (34) के साथ सातवें विकेट के लिए 93 रन और मेहदी हसन (नाबाद 71) के साथ आठवें विकेट के लिए 60 रन जोड़ कर टीम को पारी की हार से बचा लिया।

महोत्सव में लोक कलाकारों ने बिखेरी आदिवासी संस्कृति की छटा

पहले दिन लद्दाख, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, बेलारूस और छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने दी प्रस्तुति

लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने साइंस कॉलेज मैदान में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का शुभारंभ किया..

रायपुर। लोकसभा सांसद श्री राहुल गांधी ने आज यहां साइंस कॉलेज मैदान में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों से आए लोक कलाकारों के साथ कदम से कदम मिलाकर और मांदर पर सधे हुए कलाकार की तरह थाप देकर लयबद्ध नृत्य किया और उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने भी नृत्य में उनका साथ दिया।

आदिवासी नृत्य की झलकियां

राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के पहले दिन लद्दाख, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, बेलारूस और छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने महोत्सव में संस्कृति की छटा बिखेरी। तीन दिनों तक चलने वाले इस नृत्य महोत्सव में 23 राज्यों, 03 केन्द्र शासित प्रदेशों और 06 बांग्लादेश, श्रीलंका, थाईलैण्ड, युगांड़ा, मालदीप और बेलारूस के लगभग 1800 कलाकार प्रस्तुति देंगे।

मुख्य अतिथि का गौर सींग मुकुट और जड़ी-बूटी की माला से हुआ स्वागत

रायपुर । राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद श्री राहुल गांधी का मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गौर सींग मुकुट और जड़ी-बूटी की माला से स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में उपस्थिति विशिष्ट अतिथियों का जड़ी-बूटी की माला और पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। गौर सींग और चेहरे पर कौड़ियों की कतार वाला मुकुट आदिवासियों की पहचान है। गौर सींग नृत्य आदिवासियों के गौरव का प्रतीक है। यह बस्तर की आदिम संस्कृति की सबसे पुरानी विरासत है। आज भी बस्तर के आदिवासी परिवारों में यह मुकुट पीढ़ी दर पीढ़ी धरोहर के रूप में विद्यमान है।

रायपुर एयरपोर्ट में मुख्यमंत्री ने की अगुवाई

रायपुर । राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने लोकसभा सांसद श्री राहुल गांधी आज सुबह रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुँचे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्रिमंडल के सभी सदस्य गण और विशिष्ट जन उपस्थित थे। इसके उपरांत श्री राहुल गांधी, मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और मंत्री मंडल के सदस्यों तथा जनप्रतिनिधि गण, साइंस कॉलेज रायपुर में होने वाले महोत्सव मैदान के लिए बस से रवाना हुए।

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम से आए डांस ग्रुप की छात्राओं से नवप्रदेश से खास बातचीत

स्वागत से अभिभूत हुआ आंध्रप्रदेश का नृत्यक दल

अश्विन अगाड़े

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में देश-विदेश से आए आदिवासी कलाकार नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दे रहे हैं। प्रस्तुति के बाद ये कलाकार महोत्सव स्थल पर लगे स्टालों का निरीक्षण भी कर रहे हैं। इस दौरान उनसे कार्यक्रम में पहुंचने वाले स्थानीय लोग भी अनायास ही रू-ब-रू हो जाते हैं। इस मेल मिलाप के लिए भाषा संबंधी बाधा भी बौनी साबित हो रही है। कुछ कलाकार जो थोड़ी बहुत भी हिंदी जानते हैं वे लोगों से बात कर अपने अनुभव साझा करने लालायित नजर आते हैं। प्रस्तुति के बाद महोत्सव स्थल पर लगे विभिन्न स्टाल का लुत्फ ले रहे आंध्र प्रदेश के विजयनगरम से आए एक ऐसे ही ग्रुप

से नवप्रदेश ने बात की। इस ग्रुप ने बताया कि वे रायपुर पहुंचने पर अपने स्वागत से अभिभूत है। यह भी बताया कि उनका नृत्य आंध्रवासियों से भी ज्यादा तल्लीनता से छत्तीसगढ़ के लोगों ने देखा और पसंद किया।

पेश है खास बातचीत...

बेहद खास हुआ स्वागत

ग्रुप की एक छात्रा के. कीर्ति ने बताया कि इस कार्यक्रम को लेकर उनके ग्रुप का अनुभव बेहद अच्छा रहा। यहां की हर चीज उन्हें अच्छी लगी। खाना, लोगों का व्यवहार, स्वागत आदि सभी चीजें बेहद पसंद आई। के कीर्ति ने बताया कि उनके ग्रुप के रायपुर पहुंचने पर उनका जो स्वागत हुआ, उससे वे अभिभूत है और इसे कभी नहीं भूला सकते।

नृत्य का नाम बताया ढिमसा, विवाह व उत्सवों में दी जाती है प्रस्तुति

उनके ग्रुप के डांस की विशेषता के बारे में पूछे जाने पर कीर्ति ने अपनी शिक्षिका प्रमिला देवी से गुफ्तगू कर बताया कि उनके डांस का नाम ढिमसा है, जो आंध्र प्रदेश में खासकर विवाह या अन्य सार्वजनिक उत्सवों के दौरान प्रस्तुत किया जाता है।

आंध्र सरकार बुलाती है अपने आयोजनों में

के. कीर्ति ने बताया कि आंध्र प्रदेश सरकार के विभिन्न आयोजनों में उनके ग्रुप को बुलाया जाता है। ग्रुप की सभी छात्राएं 10वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहे हैं। के. कीर्ति के अलावा इसमें अमिषा, पोलम्मा, दिव्या, सुप्रिया, ज्योति शामिल हैं। ग्रुप का नेतृत्व उनके साथ आई शिक्षिका प्रमिला देवी कर रही हैं।